सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर 11 महीने के उच्च स्तर पर - 10

दोनों सदनों में पक्ष-विपक्ष में गतिरोध बरकरार - 7

आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने पर भारत फिलीपींस सहमत - 11

लोग आते जाते रहेंगे लेकिन टीम कल्चर हमेशा सुधार से जुड़ा होना चाहिए : गौतम गंभीर- 12

आज का मौसम

29.0° अधिकतम तापमान

26.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.37

सूर्यास्त 06.59

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

श्रावण शुक्ल पक्ष द्वादशी 02:08 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 6 अगस्त 2025, वर्ष 6, अंक 257, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

सुप्रीम कोर्ट ने रद्द की धीरज वधावन की बेल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कई करोड़ रुपये के बैंक ऋण घोटाला मामले में दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डीएचएफएल) कंपनी के पूर्व प्रवर्तक धीरज वधावन को दी गई जमानत(बेल) मंगलवार को रद्द कर दिया। न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मेडिकल बोर्ड द्वारा दायर रिपोर्ट पर गौर करने के बाद यह आदेश पारित किया और वधावन को दो सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। दिल्ली हाईकोर्ट ने वधावन के स्वास्थ्य के आधार पर नौ सितंबर, 2024 को जमानत देते हुए कहा था कि वह एक बीमार व्यक्ति के मापदंडों के अंतर्गत आते हैं। न्यायालय ने सीबीआई द्वारा हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर की गई याचिका पर यह आदेश जारी किया।

राम रहीम को 40 दिन की पैरोल मिली

चंडीगढ़। अपनी दो शिष्याओं से बलात्कार के मामले में 20 साल कारावास की सजा काट रहा डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह 40 दिन की पैरोल मिलने के बाद हरियाणा में रोहतक स्थित सुनारिया जेल से मंगलवार को बाहर आ गया। डेरे के प्रवक्ता और वकील जितेंद्र खुराना ने बताया कि गुरमीत सिंह पैरोल के दौरान सिरसा स्थित अपने डेरा मुख्यालय में रहेगा। सिंह ने सिरसा पहुंचने के बाद एक वीडियो संदेश में अपने अनुयायियों से डेरे में न आने और डेरे के वरिष्ठ लोगों के निर्देशों का पालन करने की अपील की। गुरमीत सिंह 15 अगस्त को 58 साल का हो जाएगा।

अंदर देखें ... रंगोली

उत्तरकाशी में बादल फटने से तबाही, 4 की मौत

धराली में खीर गंगा में आई बाढ़, 70 से अधिक लापता, कई मकान, दुकान और होटल बहे

- धराली के अलावा सुक्खी टॉप और हर्षिल आर्मी कैंप के पास भी बादल फटने से मचा हाहाकार

संवाददाता, उत्तरकाशी/देहरादून

अमृत विचार : उत्तराखंड के उच्च पर्वतीय इलाकों में लगातार अतिवृष्टि के बीच उत्तरकाशी में मंगलवार को बादल फटने से भारी तबाही मची है। खीरगंगा नदी में आई बाढ़ का रौद्र रूप पूरे धराली बाजार को बहा ले गया। कई मकान, दुकान, होटल, होमस्टे आदि तबाह होने से हाहाकार मचा है। 70 से अधिक लोगों के लापता होने की खबर है जबकि चार लोगों की मौत की पुष्टि हुई है।

धराली के अलावा सुक्खी टॉप और हर्षिल आर्मी कैंप के पास भी बादल फटे और 8-10 सैनिक लापता बताए गए हैं। इस बड़ी आपदा में लोगों के जान-माल की रक्षा के लिए राज्य व केंद्र सरकार हाई अलर्ट पर है। सेना, एयरफोर्स, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया है। एसडीआरएफ अभी तक 130 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा चुकी है। जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार उत्तरकाशी जिले की भटवाड़ी तहसील में हर्षिल के नजदीक खीरगंगा में मंगलवार दोपहर 1:50 बजे के आसपास जलस्तर बढ़ने से धराली बाजार में भारी मलबा आ गया। कुछ ही मिनट में मलबा कई भवनों, होटलों एवं दुकानों को बहा ले गया। उत्तरकाशी के जिलाधिकरी प्रशांत आर्य ने इस आपदा में चार लोगों की मौत होने की पुष्टि की है। आपदा में कई लोगों के दबे होने और मारे जाने की आशंका है। धराली बाजार में कई होटल, दुकानें और व्यापारिक प्रतिष्ठान मलबे में दबे हैं। कई घर भी इस आपदा में तबाह हो गए हैं। एम्स ऋषिकेश तथा देहरादून के कई चिकित्सालयों में बेड आरक्षित कर दिए गए हैं और एम्बुलेंस घटनास्थल पर भेज दी गई हैं।

उत्तरकाशी के धराली में बादल फटने से अचानक आई बाढ़ में कई घर बह गए।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने शोक जताया

उत्तरकाशी जनपद के हर्षिल क्षेत्र के धराली गांव में बादल फटने की दुखद घटना पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राज्यपाल गुरमीत सिंह ने गहरा दु:ख जताया है। प्रधानमंत्री ने इस प्राकृतिक आपदा में हुए जन-धन की हानि पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री धामी से फोन पर बात कर घटना की जानकारी ली। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने राज्य सरकार को हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया। कहा कि प्रभावितों को शीघ्र राहत पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

आर्मी कैंप को नुकसान, 10 जवान लापता

आपदा के बाद उत्तरकाशी जिला प्रशासन ने घटनास्थल के सामने स्थित मुखानी गांव के लोगों द्वारा बनाए गए विभिन्न वीडियो के आधार पर 25-35 लोगों के मलबे में दबने की आशंका जताई है। 25-30 होटल, दुकानें मलबे में बहने की आशंका है। हर्षिल में शाम करीब चार बजे आर्मी कैम्प में अचानक मलबा आने के कारण कैम्प के एक हिस्से और हर्षिल हेलीपैड में भारी नुकसान हुआ है। कैम्प में रुके 8-10 जवान लापता हैं जबकि 100 से अधिक जवान धरासू में रेस्क्यू में जुटे हैं। आयुक्त गढ़वाल मंडल, विनय शंकर पांडे ने बताया कि हर्षिल की घटना के बाद सुक्खी टॉप में भी बादल फटने की खबर है।

दौरा बीच में छोड़ आंध्र प्रदेश से लौटे सीएम

मंगलवार को आंध्र प्रदेश के दौरे पर गए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी दौरा बीच में ही छोड़कर देहरादून लौट आए। उन्होंने सीधे देहरादून स्थित आपदा प्रबंधन प्राधिकरण पहुंचकर आपदा की तात्कालिक स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि सेना के साथ ही राज्य आपदा प्रबंधन एवं केंद्रीय आपदा प्रबंधन की टीमें जिला प्रशासन तथा अन्य संबंधित टीमों के साथ राहत एवं बचाव कार्यों के लिए युद्ध स्तर पर जुटी हैं। वह वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क में हैं और स्थिति की गहन निगरानी की जा रही है।

उप्र में थम नहीं रहा नदियों का जलस्तर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गंगा और यमुना समेत अन्य नदियों का जलस्तर थम नहीं रहा है। बाढ़ का दायरा दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है, ऐसे में हालात विकराल हैं। कई जिलों में भारी बारिश और बाढ़ का संकट जारी है। मौसम विभाग ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

जौनपुर में गोमती नदी का जलस्तर जहां खतरे के निशान से ऊपर है तो वहीं गाजीपुर में गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से कई गांव पानी में डूब गए। वहीं, बांदा में केन और यमुना नदी में बाढ़ आने के कारण कई गांव पानी में डूब गए। प्रयागराज में भी गंगा नदी के उफान से निचले इलाके जलमग्न हैं। तीन दिनों से हो रही मानसूनी बारिश से प्रयागराज, वाराणसी समेत लगभग 20 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। मंगलवार को बिजनौर में प्रदेश में सर्वाधिक 248 मिमी बारिश दर्ज की गई। बहराइच, लखीमपुर खीरी, सहारनपुर, बरेली, पीलीभीत आदि में भी अच्छी बारिश हुई। मौसम विभाग ने बुधवार को बिजनौर, मुरादाबाद, बरेली समेत छह जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। गुरुवार से मानसूनी बारिश के थमने के आसार हैं।

अनिल अंबानी से 10 घंटे तक पूछताछ

नई दिल्ली, एजेंसी

- बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े मामले में ईडी के समक्ष हुए थे पेश

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को रिलायंस समूह के अध्यक्ष अनिल अंबानी से उनके समूह की कंपनियों के खिलाफ करोड़ों रुपये की कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले में करीब 10 घंटे तक पूछताछ की। अनिल अंबानी सुबह करीब 10:50 बजे मध्य दिल्ली स्थित केंद्रीय जांच एजेंसी के कार्यालय पहुंचे और रात 9 बजे से कुछ पहले बाहर निकले।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ईडी अनिल अंबानी (66) का बयान धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज कर रहा है। उन्होंने बताया कि अंबानी से लगभग एक दर्जन सवाल पूछे गए। ऐसा माना जा रहा है कि अंबानी ने किसी भी गड़बड़ी से इनकार किया और कहा कि उनकी कंपनियों ने नियामकों के समक्ष अपनी वित्तीय स्थिति के बारे में समय पर खुलासा किया है। उन्होंने जांच अधिकारियों को यह भी बताया कि सभी वित्तीय निर्णय संबंधित कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा लिए गए थे। हालांकि, ईडी के जांच अधिकारी इस बात से आश्वस्त नहीं हैं और उन्हें दोबारा तलब किए जाने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि अंबानी ने प्रमुख वित्तीय निर्णयों से संबंधित कुछ दस्तावेज ईडी को सौंपने के लिए लगभग 10 दिन का समय भी मांगा है। यह समन एजेंसी द्वारा 24 जुलाई को मुंबई में 50 कंपनियों और उनके व्यापारिक समूह के अधिकारियों सहित 25 लोगों के 35 परिसरों की तलाशी के बाद जारी किया गया।

ईडी ने बड़े बैंक 'धोखाधड़ी' मामलों में मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार अंबानी के खिलाफ 'लुकआउट सर्कुलर' (एलओसी) जारी किया है।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल मलिक का निधन

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार को यहां एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 79 वर्ष के थे। अपने लंबे राजनीतिक जीवन में लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य रहने के अलावा गोवा, बिहार, मेघालय और ओडिशा के राज्यपाल के पदों पर रहे मलिक का दोपहर 1:12 बजे यहां राम मनोहर लोहिया अस्पताल में निधन हो गया।

वह लंबे समय से अस्पताल की आईसीयू में थे और उनका विभिन्न बीमारियों का इलाज किया जा रहा था। वे मधुमेह, गुर्दे की बीमारी, उच्च रक्तचाप और मोटापा एवं नींद में रुकावट जैसी समस्याओं से जूझ रहे थे। जम्मू कश्मीर के राज्यपाल के तौर पर मलिक के कार्यकाल के दौरान ही पांच अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त कर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किया गया था। संयोग से, केंद्र के इस कदम के छह साल पूरे होने के दिन अंतिम सांस ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित अनेक नेताओं ने शोक संवेदना व्यक्त की है।

विदेशी सामान खरीदने से आतंकवाद और अस्थिरता को बढ़ावा : मुख्यमंत्री

योगी ने अलीगढ़ और आगरा से देशवासियों को किया सचेत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि विदेशी सामान खरीदने से आतंकवाद और अस्थिरता को बढ़ावा मिलता है। हमारा पैसा विदेशी हाथों में जाएगा तो आतंकवाद, धर्मांतरण, अव्यवस्था और विस्फोट के रूप में भारत को अस्थिर करने में इस्तेमाल किया जाएगा। योगी ने त्योहारों पर स्वदेशी सामान खरीदने और उपहार में देने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने अलीगढ़ में 958 करोड़ की विकास योजनाओं और आगरा में अटल पुरम की सौगात देने के बाद आयोजित कार्यक्रमों में देशवासियों को स्वदेशी अपनाने के लिए सचेत किया। कहा कि जब हम विदेशी सामान खरीदते हैं, तो उसका मुनाफा आतंकवाद, धर्मांतरण और देशविरोधी ताकतों को मिलता है। उन्होंने मुरादाबाद, फिरोजाबाद, भदोही, और मेरठ जैसे जिलों के ओडीओपी उत्पादों का उदाहरण देते हुए कहा कि ये स्थानीय कारीगरों की समृद्धि और रोजगार का आधार बन रहे हैं। स्वदेशी उत्पादों को अपनाना इसे बढ़ावा देना आज की जरूरत है। इसी से राष्ट्र को मजबूत कर सकते हैं। समारोह में मुख्यमंत्री ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, सहायता राशि, टैबलेट, आवास की चाबियां और आयुष्मान कार्ड वितरित किए। विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले अलीगढ़ और उत्तर प्रदेश दंगों और अराजकता से जूझ रहे थे। आज बेहतर कानून व्यवस्था के कारण विकास की नई संभावनाएं खुल रही हैं।

मुख्यमंत्री योगी आज बरेली और मुरादाबाद में देंगे अरबों की सौगात

बरेली/मुरादाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को मंडलीय समीक्षा कार्यक्रम के तहत बरेली और मुरादाबाद में रहेंगे। इस दौरान दोनों मंडलों के 9 जिलों के विकास कार्यों और कानून व्यवस्था के साथ ही अरबों रुपये के विकास कार्यों की सौगात भी देंगे। मुख्यमंत्री बरेली में करीब तीन घंटे रहेंगे, जबकि मुरादाबाद में रात्रि विश्राम भी करेंगे। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर दोनों ही जिलों में मंगलवार को दिन भर तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। मुख्यमंत्री बुधवार को समीक्षा दौरे पर बरेली में करीब तीन घंटे रहेंगे। वे सुबह 10:30 बजे बरेली पहुंचेंगे और सर्किट हाउस में मंडल भर के जनप्रतिनिधियों के साथ विकास कार्यों और कानून-व्यवस्था की समीक्षा करेंगे। इसके बाद बरेली कॉलेज मैदान पर रोजगार मेले में शिरकत करने के साथ ही जनसभा को संबोधित करेंगे। वह बरेली मंडल में 2262 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की सौगात देंगे। 10 छात्र-छात्राओं को टैबलेट, पांच अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र और किसान दुर्घटना बीमा के कई पात्रों को चेक भी देंगे। मुख्यमंत्री दोपहर 1:30 बजे मुरादाबाद के लिए प्रस्थान करेंगे। मुख्यमंत्री बरेली से राजकीय हेलीकॉप्टर से मुरादाबाद जिले की बिलारी तहसील के ग्राम पीपली के लिए उड़ान भरेंगे। वहां नवनिर्मित अटल आवासीय विद्यालय का लोकार्पण करेंगे। साथ ही करोड़ों रुपये की योजनाओं और परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे।

जज के आपराधिक केस सुनने पर सुप्रीम रोक, कहा- न्याय का मजाक बना दिया

- इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने दीवानी विवाद में आपराधिक समन रखा था कायम
- संबंधित जज पर सेवानिवृत्ति तक कायम रहेगी रोक, पीठ में वरिष्ठ जज के साथ बैठेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

एक अप्रत्याशित आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक न्यायाधीश को कार्यकाल समाप्त होने तक आपराधिक मामलों की सुनवाई से हटा दिया है। यह कार्रवाई तब की गई जब न्यायाधीश ने एक दीवानी विवाद में त्रुटिपूर्वक आपराधिक प्रकृति के समन को बरकरार रखा।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश द्वारा पारित आदेश पर कड़ा रुख अपनाते हुए न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने उनकी सेवानिवृत्ति तक उनके रोस्टर से आपराधिक मामलों को हटाने का निर्देश दिया और उन्हें एक खंडपीठ में वरिष्ठ न्यायाधीश के साथ बैठने का कार्य सौंपा। हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने एक कंपनी के खिलाफ मजिस्ट्रेट के समन आदेश को रद्द करने से इन्कार कर दिया था। इस कंपनी पर दीवानी प्रकृति के एक व्यापारिक लेनदेन में शेष राशि का भुगतान न करने का आरोप था।

यह अज्ञानता या कोई बाहरी प्रभाव

पीठ ने कहा, न्यायाधीश ने न केवल खुद के लिए अपमानजनक स्थिति उत्पन्न की है, बल्कि न्याय का मजाक भी बना दिया है। हम यह समझने में असमर्थ हैं कि उच्च न्यायालय के स्तर पर भारतीय न्यायपालिका के साथ क्या समस्या है। कभी-कभी हमे आश्चर्य होता है कि क्या ऐसे आदेश किसी बाहरी प्रभाव में दिए जाते हैं या यह कानून की सरासर अज्ञानता है। जो भी हो, ऐसे बेतुके और त्रुटिपूर्ण आदेश पारित करना अक्षम्य है। शीर्ष अदालत हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें 'मेसर्स शिखर केमिकल्स' द्वारा वाणिज्यिक लेनदेन के एक मामले में समन आदेश को रद्द करने के अनुरोध वाली याचिका को खारिज कर दिया गया था। इस मामले में, शिकायतकर्ता (ललिता टेक्सटाइल्स) ने 'शिखर केमिकल्स' को 52.34 लाख रुपये मूल्य का धागा बेचा था, जिसमें से 47.75 लाख रुपये का भुगतान किया गया लेकिन शेष राशि का भुगतान नहीं किया गया है। ललिता टेक्सटाइल्स ने शेष राशि की वसूली के लिए एक आपराधिक शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद, शिकायतकर्ता का बयान दर्ज किया गया और एक मजिस्ट्रेट अदालत ने आवेदक के खिलाफ समन जारी किया। 'मैसर्स शिखर केमिकल्स' ने इस आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय का रुख किया और तर्क दिया कि यह विवाद पूरी तरह से दीवानी प्रकृति का है। हालांकि, उच्च न्यायालय ने आवेदक की याचिका खारिज कर दी।

हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने कहा कि शिकायतकर्ता को राशि वसूलने के लिए दीवानी उपाय अपनाने के लिए कहना अनुचित है, क्योंकि इसमें बहुत समय लगता है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश के आदेश को त्रुटिपूर्ण बताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि न्यायाधीश ने यहां तक कह दिया कि शिकायतकर्ता को शेष राशि की वसूली के लिए आपराधिक कार्यवाही शुरू करने की अनुमति दी जानी चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि हाईकोर्ट का यह आदेश उनके न्यायाधीश के रूप में कार्यकाल के दौरान देखने में आया सबसे खराब और सबसे त्रुटिपूर्ण आदेशों में से एक था।

सत्यापन का भी अब शुल्क लेगा यूपी बोर्ड

प्रयागराज। यूपी बोर्ड अंकपत्र, प्रमाणपत्र के सत्यापन का अब शुल्क लेगा। बोर्ड के पांच क्षेत्रीय कार्यालय में प्रतिवर्ष 10 लाख से ज्यादा अंकपत्र, प्रमाणपत्र का सत्यापन होता है। जिस भी विभाग में यूपी बोर्ड के विद्यार्थी नौकरी पाते हैं। उनके प्रमाणपत्र का सत्यापन होता है। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि प्रारुप तैयार कर शासन को भेजा जा रहा है, मंजूरी मिलते ही लागू कर दिया जाएगा।

बौखलाहट — अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा- भारत एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं

ट्रंप बोले- 24 घंटे में भारत पर शुल्क में करेंगे भारी बढ़ोतरी

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि भारत एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं रहा है और वह अगले 24 घंटों में इस दक्षिण एशियाई देश पर शुल्क को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाएंगे।

ट्रंप ने सीएनबीसी स्क्वॉक बॉक्स को दिए साक्षात्कार में कहा कि भारत के बारे में लोग जो कहना पसंद नहीं करते, वह यह है कि वह सबसे ज्यादा शुल्क लगाने वाला देश है। उसका शुल्क किसी भी देश से ज्यादा है। हम भारत के साथ बहुत कम व्यापार करते हैं क्योंकि उसके शुल्क बहुत ज्यादा हैं। ट्रंप ने कहा कि भारत हमारे साथ काफी व्यापार करता है, लेकिन हम उसके साथ व्यापार नहीं करते। इसलिए हमने 25 प्रतिशत शुल्क पर समझौता किया, लेकिन मुझे लगता है कि मैं अगले 24 घंटों में इसे काफी बढ़ा दूंगा, क्योंकि वे रूस से कच्चा तेल खरीद रहे हैं। वे जंगी मशीन को ईंधन मुहैया करा रहे हैं। और अगर वे ऐसा करने जा रहे हैं, तो मुझे खुशी नहीं होगी। भारत के साथ व्यापार समझौते के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा कि भारत के साथ अड़चन यह है कि उसके शुल्क बहुत ज्यादा हैं। अब मैं यह कहूंगा कि भारत अब तक के सबसे ऊंचे शुल्क से आगे बढ़कर, हम पर शून्य शुल्क लगाएगा। लेकिन वे जो तेल के साथ कर रहे हैं, उसको देखते हुए यह पर्याप्त नहीं है।

भारत के पलटवार से तिलमिलाए ट्रंप

सोमवार को राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि वह भारत पर अमेरिकी शुल्क में खासी बढ़ोतरी करेंगे। उन्होंने भारत पर भारी मात्रा में रूसी तेल खरीदने और उसे बड़े मुनाफे पर बेचने का आरोप लगाया था। ट्रंप के बयान के कुछ ही घंटों बाद, भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद के लिए उसे अनुचित और अविवेकपूर्ण तरीके से निशाना बनाने को लेकर अमेरिका और यूरोपीय संघ पर पलटवार किया। भारत ने आलोचना को पुरजोर तरीके खारिज करते हुए अमेरिका और यूरोपीय संघ के रूस के साथ जारी व्यापारिक संबंधों की ओर ध्यान दिलाते हुए दोहरे मानदंड अपनाने की बात कही है।

रूस ने भारत के अधिकार का किया समर्थन

मास्को। रूस ने मंगलवार को कहा कि संप्रभु देशों को अपने हितों के आधार पर व्यापार और आर्थिक सहयोग में अपने साझेदार चुनने का अधिकार है। रूस ने यह बात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी के एक दिन बाद कही है। ट्रंप ने सोमवार को कहा था कि वह रूस से कच्चा तेल खरीदने की वजह से भारत पर अमेरिकी शुल्क में खासी बढ़ोतरी करने जा रहे हैं। रूस सरकार के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने भारत के संबंध में अमेरिका की चेतावनी पर कहा कि संप्रभु देशों को अपने हितों के आधार पर व्यापार साझेदार स्वयं चुनने और स्वतंत्र रूप से व्यापार और आर्थिक सहयोग के तरीकों को निर्धारित करने का अधिकार होना चाहिए।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 6 अगस्त 2025

पीडीए की पाठशाला नहीं सिलेबस पर हो रहा घमासान

वर्णमाला के राजनीतिक पाठ पर मचा है बवंडर, एक नई राजनीतिक सोशल इंजीनियरिंग कर रही समाजवादी पार्टी

अजय दयाल, लखनऊ

- आखिर कितनी कारगर है भाजपा सरकार की एफआईआर से काट

अमृत विचार: पीडीए पाठशाला को लेकर उत्तर प्रदेश में राजनीतिक घमासान है। सपा नेता पाठशाला लगाने से पीछे नहीं हट रहे तो वहीं व्यवस्था ऐसे नेताओं पर मुकदमा ठोकने से भी नहीं चूक रही। सपा अपने इस अभियान से प्राथमिक स्कूलों के मर्जर पर विरोध जता रही है, वहीं भाजपा सरकार इस तरीके को असमाजिक, कानून विरोधी ठहरा रही है। दोनों तरफ की कवायद राजनीति से परे नहीं लेकिन समझना यह है कि ऐसी पाठशाला कितनी कानून सम्मत है और गैरकानूनी है तो क्यों?

दरअसल, लड़ाई पीडीए की पाठशाला की नहीं, बल्कि इसमें पढ़ाए जाने वाले सिलेबस की है। घमासान भी वर्णमाला के राजनीतिक पाठ पर मचा है। पाठ पढ़ाया जा रहा है ए फॉर अखिलेश और डी फॉर डिंपल। इतना तो तय है कि आगामी चुनावों के मद्देनजर सपा एक नई राजनीतिक सोशल इंजीनियरिंग करने पर आमादा है। वहीं, राज्य सरकार का तर्क है कि पीडीए पाठशाला के जरिए सरकार विरोधी सामग्री का प्रचार किया जा रहा है। बच्चों की भावनाओं से राजनीतिक खेल किया जा रहा है जो कि कानून व्यवस्था के लिए चुनौती बन सकता है। ऐसे में एफआईआर तो होनी ही है।

> हमारी पार्टी यह अभियान राइट टू एजुकेशन के समर्थन में चला रही है। प्राथमिक स्कूलों का मर्जर कर सरकार इस कानून उल्लंघन कर रही है। यह लोकतंत्र, संविधान विरोधी है। हम परंपरागत अर्थ के बजाय वर्णमाला की पहचान सिखा रहे हैं। ए फॉर अखिलेश पढ़ाना क्हां से गलत है। हमारा अभियान गैरकानूनी कतई नहीं।
>
> – डॉ. रागिनी सोनकर, सपा विधायक

> प्राथमिक विद्यालयों के मर्जर के नाम पर पीडीए पाठशाला पूरी तरह सतही नाटक है, जो गैरकानूनी तो है ही, समाज में फूट डालने और अराजकता फैलाने का कुत्सित प्रयास है। सरकार सर्व शिक्षा अभियान चला रही है और ये पीडीए पाठशाला के नाम पर राजनीतिक षड्यंत्र कर रहे हैं। ए से अखिलेश पढ़ाकर, आप कैसा सन्देश देना चाहते हैं।
>
> – डॉ. नीरज बोरा, भाजपा विधायक

एफआईआर के विरोध में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, अंग्रेजों ने भी कभी पढ़ाई को लेकर किसी पर एफआईआर नहीं लिखवाई, लेकिन यह सरकार सोचती है कि पुलिस हमारी पाठशाला बंद करा देगी। वहीं उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि बच्चों और नौनिहालों के मन में राजनीति घुसाना घोर अपराध है। उन्होंने सपा पर बच्चों को राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाया और कहा कि आने वाले समय में सपा को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। इतना तो तय है कि पीडीए पाठशाला की सरगर्मी से उत्साहित सपा इस अभियान को आगे भी बढ़ाएगी। सपा इसको विधानसभा चुनाव के मैनिफेस्टो में शामिल कर सकती है।

समाजवादी पार्टी का तर्क समझें तो पाएंगे कि प्राथमिक स्कूलों में ज्यादातर पीडीए यानी पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक वर्ग से बच्चे पढ़ते हैं। स्कूलों के मर्जर से इनकी शिक्षा प्रभावित होगी, इसलिए उन्हें न्याय दिलाने को हम गांव-गांव, गली-गली पाठशाला लगा रहे हैं। इस तर्क से साफ है कि यूपी में स्कूल मर्जर के विरोध में शुरू की गई सपा की पाठशाला पीडीए वर्ग में पैठ बनाने का जरिया है। अब भाजपा इस अपने मुख्य विपक्षी दल के इस नये राजनीतिक हथियार की काट कैसे निकालती है यह तो वक्त ही बताएगा?

गांव में भी आशियाना बनाने को मिलेगा ऋण

अमृत विचार, लखनऊ : गांव में भी अपना आशियाना बनाने को ऋण मिलेगा। राजस्व, वित्त और न्याय समेत सभी संबंधित विभागों ने घरौनी कानून के प्रस्ताव को हरी झंडी दिखा दी है। इस प्रस्ताव को अब मंत्रिमंडल की बैठक में रखा जाएगा। इसके तहत आबादी के भीतर अविवादित जमीन पर ग्रामीणों को मालिकाना हक दिया जाएगा। प्रस्ताव के अनुसार, आबादी की ऐसी जमीन, जिस पर कोई विवाद नहीं है, लेखपाल मालिकाना हक को लेकर अपनी रिपोर्ट लगाएंगे। राजस्व रिकॉर्ड में इसे कानूनगो की लिखित स्वीकृति से दर्ज करवाया जा सकेगा। उत्तराधिकार, बैनामा, गिफ्ट डीड, और न्यायालय की डिक्री के आधार पर कानूनगो घरौनी तैयार कर सकेंगे।

न्यूज ब्रीफ

ओबीसी छात्रावासों की मरम्मत को 4.99 करोड़ स्वीकृत

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने पिछड़े वर्ग के जर्जर पड़े छात्रावासों को चमकाने के लिए शासन की ओर चार करोड़ 99 लाख रुपये स्वीकृत किये गए हैं। मरम्मत कार्य के तहत राजधानी स्थित राजकीय महिला पॉलीटेक्निक समेत प्रदेश के 10 छात्रावासों में कार्य होगा। शासन के अधिकारियों के अनुसार, राजकीय महिला पॉलीटेक्निक लखनऊ, इलाहाबाद एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट डीम्ड यूनिवर्सिटी प्रयागराज, राजकीय पॉलीटेक्निक हंडिया प्रयागराज, वीरभूमि राजकीय स्नात्कोत्तर महाविद्यालय महोबा, राजकीय इंटर कॉलेज हमीरपुर, लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय गोंडा, सर्वोदय इंटर कॉलेज मिहीपुरवा बहराइच, राजकीय केजीके होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज मुरादाबाद, काशीनरेश राजकीय महाविद्यालय ज्ञानपुर संत रविदासनगर 24 लाख और फैज-ए-आम इंटर कॉलेज मेरठ में मरम्मत कार्य कराया जाएगा।

बिजली दरों के प्रस्ताव पर जवाब तलब

अमृत विचार, लखनऊ : नई बिजली दरों की जनसुनवाई में उपभोक्ताओं की आपत्ति पर राज्य विद्युत नियामक आयोग ने उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन समेत सहायक वितरण निगमों से जवाब तलब किया है। आयोग ने सप्ताह भर में बिंदुवार जवाब पेश करने का निर्देश दिया है। बिजली दरों के निर्धारण को लेकर आयोग ने पिछले दिनों सभी निगमों के स्तर पर जनसुनवाई की थी। इस दौरान उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने दरों में बढ़ोतरी व निजीकरण के प्रस्ताव का सख्त विरोध किया था। उपभोक्ता परिषद ने ऊर्जा निगमों पर उपभोक्ताओं का 33,122 करोड़ सरप्लस निकल रही धनराशि के एवज में दरों में कमी किये जाने की मांग की थी। उपभोक्ता परिषद ने प्रदेश के सभी वितरण निगमों में बिजली दरों में एक मुश्त 45 प्रतिशत की कमी या अगले पांच वर्षों तक 9 प्रतिशत की कमी किये जाने की मांग रखी थी।

जटिल कैंसर का इलाज गोरखपुर में भी संभव

अमृत विचार, लखनऊ : कैंसर पीड़ितों को अब सर्जरी के लिए मुंबई या अन्य बड़े शहरों की भागदौड़ नहीं करनी पड़ेगी। जटिल और दुर्लभ कैंसर का इलाज अब गोरखपुर के महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में ही हो जाएगा। कन्याकुमारी से आए बुजुर्ग मरीज का विश्व प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी के नेतृत्व वाली मेडिकल टीम ने ऑपरेशन कर रेयर पैरोटिड ग्लैंड कैंसर को सफलतापूर्वक हटाया है।

बारिश बाद सड़कें होंगी गड्ढामुक्त ठेकेदार पर होगी सख्त कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने आगरा मंडल के जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

आगरा मंडल के मंत्रियों, सांसदों, विधायकों व विधान परिषद सदस्यों के साथ विकास कार्यों से संबंधित मंडलीय समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री योगी।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- जनप्रतिनिधियों की जमीनी समझ को विकास में शामिल करने पर जोर

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगरा मंडल की समीक्षा बैठक में विकास कार्यों की जमीनी हकीकत को परखा। बनते ही सड़कों के टूटने और बदहाली के मुद्दे पर विधायकों समेत अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। कहा कि बारिश बाद सड़कें गड्ढामुक्त करने की तैयारी शुरू कर दें। गारंटी में सड़कें टूटने और कार्य में लापरवाही पर ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

मंडलायुक्त कार्यालय में आयोजित बैठक में आगरा मंडल के चार जिलों, आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद और मैनपुरी के जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ अधिकारियों और विभिन्न विभागों के प्रमुख सचिव शामिल हुए। मुख्यमंत्री योगी हर विधायक से उनके निर्वाचन क्षेत्र की समस्याओं, जन अपेक्षाओं और विकास प्राथमिकताओं पर व्यक्तिगत रूप से चर्चा की। कहा कि जनप्रतिनिधियों की जमीनी समझ और अनुभवों को विकास कार्यों में शामिल करना है। विकास कार्यों के लिए धन के अभाव से जुड़े सवाल पर मुख्यमंत्री योगी ने स्पष्ट किया कि सरकार के पास विकास कार्यों के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध है। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे जनप्रतिनिधियों से समन्वय कर उनसे प्रस्ताव लें और विकास कार्यों के लिए प्राप्त संपूर्ण धनराशि का व्यय करें। उन्होंने चेताया कि समय से कार्य योजना, प्रस्ताव और स्वीकृति न होने पर कई विभागों का बजट वापस चला जाता है, जो सरकार की मंशा के खिलाफ है।

लोक निर्माण विभाग की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मंडल के सभी जनप्रतिनिधियों द्वारा विधानसभावार प्रस्तावित सड़कों, पुलों, फ्लाईओवरों, बाइपास और इंटर-स्टेट बॉर्डर कनेक्टिविटी के कार्यों को कार्ययोजना में शामिल किया जाए। उन्होंने बरसात के बाद युद्ध स्तर पर अभियान चलाकर सभी सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाने की तैयारी अभी से पूर्ण करने को कहा।

आगरा को मिली अटल पुरम की सौगात

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को आगरा में विकास को नई दिशा देते हुए 'अटल पुरम टाउनशिप' की शुरुआत की। यह परियोजना आगरा विकास प्राधिकरण (एडीए) द्वारा 36 वर्षों बाद विकसित की जा रही सबसे बड़ी आवासीय योजना है। यह योजना आगरा इनर रिंग रोड के पास 340 एकड़ भूमि पर बनाई जा रही है, जो सरकार की शहरी विस्तार और आधुनिक विकास की नीति का एक बड़ा प्रमाण है। तीन चरणों और 11 सेक्टरों में टाउनशिप विकसित होगी।

योगी ने बाढ़ क्षेत्रों का किया हवाई सर्वे कहा- सरकार पीड़ितों के साथ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश के 21 जिले बाढ़ से प्रभावित, तेजी से चल रहे राहत व बचाव कार्य
- मुख्यमंत्री ने औरैया में और टीम-11 ने जिलों में वितरित की बाढ़ राहत सामग्री

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को आगरा में आयोजित कार्यक्रमों के बाद औरैया बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण भी किया। पीड़ितों को राहत सामग्री और धनराशि देते हुए योगी ने कहा कि पूरी सरकार पीड़ितों के साथ खड़ी है। बताया कि यूपी के 21 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। सभी जगह तेजी से राहत-बचाव कार्य चल रहे हैं। एनडीआरएफ की 16, एसडीआरएफ की 18 और पीएसी फ्लड यूनिट की 31 टीमें तैनात की गई हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार कहा कि पिछले 10-15 दिन के अंदर अत्यधिक बरसात के कारण प्रदेश के 21 जिले बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में निरीक्षण और राहत कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ प्रभावी ढंग से सकुशल संचालन करने के लिए हर प्रभारी मंत्रियों की तैनाती की गई है। मंत्री अपनी देखरेख में जिला व पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर बाढ़ राहत कार्यों को तेजी से आगे बढ़ा रहे है।

सीएम ने कहा कि सरकार की संवेदना हर बाढ़ पीड़ित के साथ है। सरकार हर सहयोग करेगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि जिन किसानों की फसल को नुकसान हुआ है। उसके सर्वेक्षण के भी आदेश दिए गए हैं। रिपोर्ट आते ही तत्काल मुआवजा उपलब्ध कराया जाएगा। सीएम ने नागरिकों से अपील की कि अभी अगस्त का प्रथम सप्ताह है, इसलिए अलर्ट मोड पर रहना होगा, क्योंकि बाढ़ की आशंका सितंबर तक बनी रहती है।

बाढ़ में विलीन मकानों के मालिकों को मिलेंगे नए घर

सीएम योगी ने कहा कि जनहानि होने पर परिवार को आपदा राहत कोष से चार लाख रुपये, किसी परिवार का मकान बहने या नदी में विलीन होने पर मुख्यमंत्री आवास योजना से आच्छादित करने की कार्रवाई भी की जा रही है। पशुधन की हानि पर मुआवजा दिया जा रहा है। जगह-जगह स्वास्थ्य शिविर भी स्थापित किए गए हैं। इस सीजन में एंटी रैबीज वैक्सीन, सांप के काटने पर एंटी स्नेक वेनम की भी व्यवस्था सीएचसी, जिला अस्पताल में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराए गए हैं।

लाल किले पर ध्वजारोहण की साक्षी बनेंगी 14 लखपति दीदियां

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से ध्वजारोहण समारोह में प्रदेश की 14 लखपति दीदियां विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगी। समूहों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनी इन महिलाओं को केंद्र सरकार की ओर से विशेष सम्मान दिया जाएगा। देशभर से आ रही 700 से अधिक महिलाओं में सर्वाधिक प्रतिनिधित्व यूपी का रहेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सोच और योजनाओं के परिणामस्वरूप प्रदेश की लाखों महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनी हैं। ये महिलाएं घर पर ही घी, अचार, पापड़, नमकीन के उद्यम स्थापित करते हुए अन्य घरेलू उत्पाद तैयार कर न केवल अपना बल्कि अन्य महिलाओं का भी जीवन संवार रही हैं। इन्हीं प्रेरणादायक महिलाओं में से चयनित 14 लखपति दीदियां 15 अगस्त के राष्ट्रीय पर्व पर दिल्ली में लाल किले पर होने वाले समारोह की साक्षी बनेंगी।

मिशन निदेशक दीपा रंजन ने बताया कि प्रत्येक लखपति दीदी को उनके पति या किसी एक सहयोगी के साथ दिल्ली भेजा जाएगा। रक्षा मंत्रालय की ओर से ठहरने और भोजन की पूरी व्यवस्था की जाएगी।

16 करोड़ रुपये से कालिंजर किला बनेगा पर्यटन हब

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: 16 करोड़ रुपये की योजनाओं से कालिंजर किला पर्यटन हब बनेगा। बांदा स्थित कालिंजर का किला देशी-विदेशी पर्यटकों के प्रमुख आकर्षण का केंद्र है, जिसे राज्य सरकार और विकसित करने जा रही है। लगभग 800 फीट की ऊंचाई पर स्थित यह किला न केवल स्थापत्य कला का अद्भुत उदाहरण है, बल्कि भारत के सबसे विशाल और मजबूत किलों में भी गिना जाता है।

राज्य सरकार ने ऐतिहासिक कालिंजर किले में अवस्थापना सुविधाओं के विकास के लिए 12 करोड़ रुपए की परियोजना को मंजूरी दी है। इसके साथ ही कालिंजर-पन्ना एवं कालिंजर-बांदा मार्ग पर डेकोरेटिव पथ प्रकाश व्यवस्था के लिए 4 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। दोनों परियोजनाओं के लिए कुल 16 करोड़ रुपए राशि की स्वीकृति मिली है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि कालिंजर किला देखने वालों की संख्या में लगातार इजाफा हुआ है। वर्ष 2022 में कालिंजर आने वालों की संख्या 1,35,566 थी, जो 2023 में बढ़कर 4,54,177 हो गई। साल 2024 में पर्यटकों की संख्या लगभग 6,25,000 रही, तो मौजूदा वर्ष 2025 के जनवरी से जुलाई तक करीब 4,03,012 रही है।

सपा के वरिष्ठ नेता जनेश्वर मिश्र की 93वीं जयंती पर लखनऊ में उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करते पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव व अन्य। अमृत विचार

प्रदेशभर में मनाई गई जनेश्वर मिश्र की जयंती

अमृत विचार, लखनऊ : समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री जनेश्वर मिश्र की 93वीं जयंती राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जिलों एवं अन्य राज्यों में भी मनाई गई। मुख्य कार्यक्रम मंगलवार को गोमती नगर स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क में हुआ। यहां पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। जनेश्वर मिश्र ट्रस्ट स्थित उनकी प्रतिमा पर भी माल्यार्पण कर नमन किया गया।

जर्जर स्कूल भवनों के ध्वस्तीकरण का अभियान तेज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी की चेतावनी के बाद हर जिले में जर्जर भवनों की पहचान, मूल्यांकन व तत्काल ध्वस्तीकरण की तैयारी

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्त चेतावनी के बाद बेसिक शिक्षा विभाग ने परिषदीय विद्यालय परिसरों में स्थित जर्जर भवनों के खिलाफ निर्णायक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। बच्चों और शिक्षकों की सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए मंत्री संदीप सिंह और शासन के आला अधिकारियों ने सभी जिलों को निर्देशित किया है कि वे जर्जर ढांचों का तत्काल चिह्नांकन कर सत्यापन, मूल्यांकन और ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया को शीर्ष प्राथमिकता दें।

विभिन्न जिलों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर जर्जर भवनों की स्थिति को देखते हुए प्रत्येक जिले में जर्जर ढांचों का तत्काल चिह्नांकन कर तकनीकी समिति को सत्यापन एवं मूल्यांकन हेतु सूची सौंपी जाएगी। यह कार्य समयबद्धता के साथ सुनिश्चित कराना संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी होगी। पूर्व में चिह्नित ढांचों के भी शीघ्र सत्यापन और रिपोर्टिंग के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। कहा गया है कि जिन्हें ध्वस्त न किया जा सके, उन्हें 'निष्प्रयोज्य' घोषित कर सील किया जाएगा। छतों की सफाई और जल निकासी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह का कहना है कि बच्चों की सुरक्षा के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। यदि किसी जर्जर भवन के गिरने या किसी प्रकार की दुर्घटना की सूचना मिलती है, तो संबंधित अधिकारी को सीधे उत्तरदायी मानते हुए उसके विरुद्ध कठोर विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

सुरक्षित वैकल्पिक स्थानों पर होगी पढ़ाई

तकनीकी समिति द्वारा जर्जर घोषित किए गए भवनों में किसी भी प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियां संचालित नहीं की जाएंगी। विद्यार्थियों के पठन-पाठन की समुचित व्यवस्था अन्य सुरक्षित कक्षों, विद्यालय भवनों, पंचायत भवनों या ग्राम सचिवालय आदि में कराना जाना अनिवार्य किया गया है।

जर्जर भवनों से प्रभावित हुई छवि

निर्माण यूनिट के विशेषज्ञ श्यामकिशोर तिवारी ने कहा कि कई विद्यालय परिसरों में अब भी ऐसे ढांचे मौजूद हैं, जो अत्यंत जर्जर हो चुके हैं और कभी भी गिर सकते हैं। इससे बच्चों और शिक्षकों की जान को गंभीर खतरा बना रहता है। हालांकि, शासन स्तर से इस संबंध में पूर्व में कई निर्देश जारी किए गए थे, लेकिन हाल ही में कुछ समाचार पत्रों में प्रकाशित तस्वीरों ने विभाग की छवि को प्रभावित किया है।

तैयारी ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सुधारों को गति देने के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक

यूपी में डीक्रिमिनलाइजेशन विधेयक का तैयार हो रहा मसौदा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 98 प्रतिशत से अधिक कारावास संबंधी प्रावधान किए जाएंगे समाप्त
- प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सेवाएं व प्रक्रियाएं होंगी सरल

अमृत विचार : राज्य सरकार उत्तर प्रदेश में निवेशकों का विश्वास बढ़ाने के लिए दो ऐतिहासिक 'डीक्रिमिनलाइजेशन विधेयक' का मसौदा तैयार कर रही है, जिनके माध्यम से राज्य और समवर्ती सूची के अधिनियमों में 98 प्रतिशत से अधिक कारावास संबंधी प्रावधान समाप्त किए जाएंगे। ऐसे में व्यवसाय से जुड़े कानून इस कदर शिथिल कर दिए जाएंगे कि किसी व्यवसायी को अधिकांश प्रकरणों में जेल जाने की नौबत न आए। माना जा रहा है कि यह उत्तर प्रदेश को एक प्रगतिशील और व्यापार-अनुकूल विधिक ढांचा प्रदान करेगा।

मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (ईओडीबी) को और अधिक सुगम एवं निवेशकों के लिए सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से 'अनुपालन न्यूनीकरण एवं विनियमन शिथिलीकरण 2025' पहल की प्रगति की समीक्षा के लिए उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मंगलवार को इन्वेस्ट यूपी समेत विभिन्न विभागों के अधिकारियों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया और सुधारों की दिशा में हुई प्रगति तथा आगामी कार्ययोजना पर मंथन किया।

मुख्य सचिव ने समयबद्ध, समन्वित कार्रवाई और फीडबैक आधारित सुधारों पर बल दिया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश केवल व्यवस्थाएं ही सुधार नहीं रहा है, बल्कि उन्हें भविष्य के लिए पुनर्परिभाषित कर रहा है। उन्होंने कहा कि सभी सुधारों को वर्षांत तक निवेश मित्र 3.0 के साथ पूर्ण रूप से एकीकृत किया जाए, ताकि निवेशकों को समग्र और सरल अनुभव मिल सके।

उद्योगों में महिलाओं पर लगे पुराने प्रतिबंध हटाने पर मंथन

बैठक में कुछ दूरदर्शी सुझावों पर भी चर्चा हुई, जैसे- भवन उपविधियों में संशोधन कर भूमि की बर्बादी रोकना, उद्योगों में महिलाओं पर लगे पुराने प्रतिबंध हटाना और फैक्ट्री, व्यापार लाइसेंस नवीनीकरण की प्रक्रिया को सरल बनाना। साथ ही द्विभाषी फॉर्म, डीआईवाई (डू-इट-योरसेल्फ) वीडियो ट्यूटोरियल्स, रिस्पॉन्सिव कॉल सेंटर और जागरूकता अभियान जैसे सुधारों पर भी जोर दिया गया।

बैठक करते मुख्य सचिव एसपी गोयल।

सीईओ इनवेस्ट यूपी विजय किरण आनंद ने राज्य की सिंगल विंडो प्रणाली 'निवेश मित्र 3.0' के उन्नत संस्करण पर प्रस्तुतीकरण दिया, जो वर्ष अंत तक शुरू होगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में यह पोर्टल 44 से अधिक विभागों की 525 सेवाएं प्रदान करता है। नए संस्करण के माध्यम से सेवा प्रदायगी की समय सीमा में 30 प्रतिशत की कमी, आवेदन एवं स्वीकृति प्रक्रियाओं को सरल बनाने तथा दस्तावेजों की आवश्यकता को आधा करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे निवेशकों को त्वरित, पारदर्शी और उपयोगकर्ता-केंद्रित अनुभव मिलेगा।

कनेक्शन देने में हीलाहवाली पर हटाए गए मुख्य अभियंता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : बिजली उपभोक्ता को 40 किलोवाट का कनेक्शन देने में हीलाहवाली पर गाजियाबाद के मुख्य अभियंता अशोक कुमार को हटा दिया गया है। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। अध्यक्ष ने इस प्रकरण से संबंधित अन्य कार्मिकों पर भी कार्रवाई के निर्देश दिये हैं।

अध्यक्ष को उपभोक्ता के जरिये गाजियाबाद में बिजली आपूर्ति की तकनीकी खराबी समय पर दूर न कराये जाने व बिजली कनेक्शन देने में विलंब की शिकायत मिली थी। बताया गया कि बीती 30 अप्रैल को 40 किलोवाट के कनेक्शन के लिये आवेदन किया गया। इसके लिए 27,615 रुपये जमा कराये गए। भुगतान करने के बाद भी कनेक्शन नहीं दिया गया। साथ ही, लाल कुआं बिजली उपकेंद्र में बीती 24-25 जुलाई को रात में आई तकनीकी खराबी को दो दिन तक ठीक नहीं कराया गया। इस दौरान क्षेत्र के लोग निरंतर बिजली संकट का सामना करते रहे। दोनों घटनाओं पर अध्यक्ष ने कड़ी नाराजगी जताई। मुख्य अभियंता को पर्यवेक्षकीय शिथिलता का दोषी पाया गया। उन्हें प्रशासनिक आधार पर गाजियाबाद से स्थानांतरित कर पावर कॉरपोरेशन से सम्बद्ध किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

सांसद संजय सिंह के केस में सुनवाई टली

सुलतानपुर, अमृत विचार : आदर्श चुनाव आचार संहिता और महामारी अधिनियम का उल्लंघन करने के मामले में अभियोजन गवाह वादी मुकदमा तत्कालीन एसओ प्रवीण कुमार के न आने से सुनवाई मंगलवार को 25 अगस्त तक टल गई। राज्यसभा सांसद संजय सिंह समेत 13 पर त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दौरान 13 अप्रैल 2021 को हसनपुर में आम आदमी पार्टी की जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी सलमा बेगम पत्नी मकसूद अंसारी के पक्ष में जनसभा करने का आरोप में तत्कालीन एसओ प्रवीण कुमार यादव ने केस दर्ज कराया था।

सर्वोदय विद्यालयों में मनेगा तिरंगा अभियान

लखनऊ, अमृत विचार : समाज कल्याण विभाग की ओर से संचालित जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में 'हर घर तिरंगा अभियान' भव्य रूप से मनाया जाएगा। समाज कल्याण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार असीम अरुण ने मंगलवार को इस सिलसिले में बैठक की और अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किये।

वादा करने के बाद प्रेमी का विवाह न करना अपराध नहीं

कोर्ट ने विवाहिता के आरोप से उन्मोचन के आदेश को रखा बरकरार

विधि संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने अपने एक निर्णय में स्पष्ट किया है कि विवाहित महिला से उसके प्रेमी द्वारा कथित तौर पर वादा करने के बावजूद विवाह न करना कोई अपराध या अवैधानिकता नहीं है, विशेष तौर पर तब जबकि उक्त स्त्री का अपने पति के साथ विवाह विच्छेद भी नहीं हुआ है। न्यायालय ने इस टिप्पणी के साथ सत्र अदालत के उस आदेश को विधिपूर्ण करार दिया है जिसमें अदालत ने अभियुक्त को दुराचार व भ्रूण हत्याके आरोप से उन्मोचित कर दिया था।

याचिका में सत्र अदालत के 2 जून 2025 के आदेश को चुनौती दी गई थी, उक्त आदेश द्वारा अदालत

ने अभियुक्त को दुराचार और भ्रूणहत्या के आरोप से उन्मोचित कर दिया। न्यायालय ने पाया कि नवंबर 2023 में पीड़िता द्वारा लिखायी गई एफआईआर में कहा गया था कि सात साल पूर्व पीड़िता के अभियुक्त से प्रेम संबंध हो गए । इस दौरान दोनों के बीच बने संबंधों से पीड़िता गर्भवती भी हुई लेकिन अभियुक्त ने दवा देकर उसका गर्भपात करा दिया, तत्पश्चात पीड़िता का अन्यत्र विवाह हो गया लेकिन अभियुक्त उसे विवाह का झांसा देता रहा। सत्र अदालत ने अभियुक्तको उन्मोचित करते हुए अपने आदेश में कहा कि रिकॉर्ड पर उपलब्ध साक्ष्यों से यह स्पष्ट है कि पीड़िता ने अपनी मर्जी से अभियुक्त के साथ सम्बंध बनाए, इसमें दुराचार जैसी कोई घटना नहीं घटित हुई। सत्र अदालत ने भ्रूण हत्या के आरोप पर पाया कि अल्ट्रासाउंड दाखिल किया गया है लेकिन उस पर तिथि नहीं अंकित है, पीड़िता शादीशुदा है, ऐसे में यही मानाजाएगा कि पीड़िता अपने पति से गर्भवती हुई थी।

सत्र अदालत ने प्रश्नगत आदेश में यह भी टिप्पणी की कि पीड़िता ने शादीशुदा होते हुए,बिना विवाह विच्छेद कराए, अभियुक्त से सम्बंध बनाए, यदि आईपीसी की धारा 497 असंवैधानिकन घोषित हुयी होती तो पीड़िता पर इसके तहत अपराध कारित करने का आरोप होता।

अचानक आई तबाही, छोड़े खौफनाक निशान

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: उत्तराकाशी जिले की तहसील भटवाड़ी के धराली बाजार में तबाही ही तबाही के साथ आर्मी कैंप हर्षिल और सुक्खी टॉप में भी जलसैलाब प्रलय के खौफनाक निशान छोड़ गया।

मंगलवार दोपहर करीब 1:50 बजे खीर गाढ़ में अतिवृष्टि के बाद नदी ने भारी जल सैलाब और मलबे के साथ ऐसा तांडव मचाया कि पर्वतीय अंचल में बसा खूबसूरत धराली क्षेत्र और उसका बाजार देखते ही देखते जल समाधि ले गया। इस प्राकृतिक आपदा का खौफनाक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर तेजी से वायरल हो गया। ऊपर से आ रहा जलसैलाब इतनी तीव्र गति से आ रहा था कि लोगों को बचाव का मौका तक नहीं मिला और सैलाब जान बचाते लोगों के साथ मकान, दुकान, होटल, पेड़ जो भी बीच में आया उसे अपने आगोश में लेते हुए गुजर गया। इस

उत्तरकाशी के धराली में खीर गाड़ क्षेत्र में बादल फटने से आई बाढ़ के बाद पूरा क्षेत्र देखते ही देखते मलबे और पानी में समा गया।

भयावह मंजर को होता देख रहे सुरक्षित स्थान पर मौजूद लोग मदद के लिए चिल्ला रहे थे। तबाही का तांडव यही नहीं रुका और उसके करीब एक से डेढ़ घंटे के अंतराल में हर्षिल और गंगनानी के बीच सुक्खी टॉप और हर्षिल आर्मी कैंप के पास भी एक के बाद एक बादल फटे।

किसी भी जानकारी के लिए हेल्पलाइन नम्बर

जिला आपातकालीन परिचालन केन्द्र, उत्तरकाशी में स्थापित हेल्पलाइन नम्बर।
01374222722 7310913129 7500737269
टोल फ्री -1077, ईआरएसएस टोल फ्री -112
2- राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र, देहरादून में स्थापित हेल्पलाइन नम्बर
01352710334, 2710335, 8218867005, 9058441404, टोल फ्री-1070

मोबाइल फोन बेचने के नाम पर करोड़ों की ठगी

नोएडा, एजेंसी

नोएडा के सेक्टर-39 थाने में एक व्यक्ति ने एक कंपनी के 10 हजार मोबाइल फोन खरीदने के लिए हुए सौदे में दो लोगों पर उससे करोड़ों रुपये की ठगी करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। सेक्टर-39 थाने के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात को गौरव वेद ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह मोबाइल फोन की खरीद-फरोख्त का देश-विदेश में काम करता है। उसकी मैसर्स सिया किया ट्रेडिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक अभिषेक जैन और सोधर्म जैन से एक कंपनी के 10 हजार मोबाइल खरीदने का सौदा हुआ था।

उन्होंने बताया कि पीड़ित के अनुसार आरोपियों से उसका सौदा तय हुआ कि वे मोबाइल के एवज में सात करोड़ 30 लाख रुपये अग्रिम भुगतान करेंगे। पीड़ित के अनुसार उसने 28

- पोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है पुलिस

फरवरी 2025 को आरोपियों को अग्रिम भुगतान कर दिया। पीड़ित के अनुसार, पैसे देने के बाद उसका सामान एक से दो दिन में आ जाना चाहिए था, लेकिन आरोपियों ने कहा कि मोबाइल फोन की संख्या अधिक है इसलिए थोड़ा समय लगेगा। लेकिन, बाद में भी उन्होंने माल नहीं भेजा और आरोपी बहाना बनाने लगे। पीड़ित का आरोप है कि ये लोग सीधे-सादे लोगों को अपने जाल में फंसाकर मोबाइल फोन बेचने के नाम पर ठगी करते हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गंगा में नहाने गये पांच दोस्त, तीन डूबे

प्रयागराज, अमृत विचार: प्रयागराज के थरवई थानाक्षेत्र के भीमकुंडा मंदिर के पास बढ़ी गंगा में आज दोपहर गंगा नहाने गये पांच किशोर दोस्त नहाने के दौरान डूबने लगे। शोर सुनकर आसपास के लोग , एनडीआरएफ और जल पुलिस ने बचाव कार्य शुरू किया जिसमें दो किशोर को किसी तरह बचाया गया जबकि तीन दोस्त बढ़ी गंगा में डूब गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

थरवई थानाक्षेत्र के पांच दोस्त मनसैता निवासी राजनपाल (14) ,लकी पाल (15),उत्कर्ष पाल (16), शिवम पाल (14) और अमनपाल (18) नहाते समय सभी गहरे पानी में डूबने लगे। आसपास के लोगों ने शोर मचाया तो एनडीआरएफ, जल पुलिस और आसपास नाव चला रहे नाविक बचाव कार्य में लगे जिसमें राजन पाल, लकी पाल और उत्कर्ष पाल की डूबने से मौत हो गयी जबकि शिवम् और अमन किसी तरह से बचाए जा सके।

हल्द्वानी में बरेली निवासी लापता बच्चे की हत्या, शव दफनाया

संवाददाता, हल्द्वानी

- आरोपी ने बच्चे का सिर और हाथ भी काट डाला
- सीसीटीवी में कैद हुआ संदिग्ध हिरासत में, पूछताछ जारी

अमृत विचार : काठगोदाम थाना क्षेत्र से सोमवार को लापता हुए 10 वर्षीय अमित मौर्या की नृशंसता से हत्या कर दी गई। हत्यारे ने बच्चे का सिर और हाथ काटकर शव को आम के पेड़ के नीचे दफना दिया था। मंगलवार को पुलिस ने बच्चे का शव बरामद किया, लेकिन सिर और हाथ नहीं मिले। सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए एक संदिग्ध को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

मूलरूप से आमोर गांव, थाना मीरगंज, बरेली निवासी खूबकरन मौर्या काठगोदाम थाना क्षेत्र स्थित गौलापार के पश्चिम खेड़ा इलाके में रहकर जमींदार के खेत पर बंटाईदार का काम करता है। परिवार में पत्नी और बेटी के अलावा उनका 10 साल का बेटा अमित मौर्या भी था। खूबकरन के मुताबिक, अमित सोमवार दोपहर करीब 12:30 घर से कोल्ड ड्रिंक लेने निकला था लेकिन लौटा नहीं। खूबकरन ने घर से सौ मीटर दूर रहने वाले एक नशेड़ी युवक पर बेटे को अगवा करने का शक जाहिर किया। मंगलवार को पुलिस आरोपी के घर के पास पहुंची। सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर बच्चा आरोपी के साथ नजर आया। फॉरेंसिक एक्सपर्ट और डॉग स्क्वाड भी बुला लिया गया।

खोजबीन में पुलिस आरोपी के घर के पीछे स्थित आम के पेड़ के पास पहुंची। यहां जमीन खोदी नजर आई। खोदाई शुरू की गई तो गड्ढे से कट्टे में बंद अमित की लाश मिली, लेकिन सिर और हाथ गायब था। काफी तलाश के बाद भी सिर और हाथ नहीं मिला।

आरोपी के घर से पुलिस ने खून से सने कपड़े बरामद किए हैं, जिसके बाद आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी गई। एसएसपी प्रह्लाद नारायण मीणा का कहना है कि सोमवार को गुमशुदगी दर्ज करने के साथ बच्चे की तलाश शुरू कर दी थी। पुलिस जांच कर रही है, जल्द मामले का पर्दाफाश होगा।

नोएडा में 14 वर्षीया छात्रा ने की आत्महत्या

नोएडा, एजेंसी: नोएडा के सेक्टर 49 थाना क्षेत्र के एक गांव में निजी स्कूल में पढ़ने वाली नाबालिग छात्रा ने रविवार रात को अपने घर में पंखे से फंदा लगाकर कथित रूप से आत्महत्या करने का प्रयास किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि छात्रा की मां उसे लेकर नोएडा के जिला अस्पताल पहुंची हालांकि उसे बचाया नहीं जा सका और सोमवार को उसकी मौत हो गई।

सेक्टर 49 के थाना प्रभारी निरीक्षक अनुज कुमार सैनी ने बताया कि बरौला गांव के हिंडन विहार में रहने वाली 14 वर्षीया किशोरी कहकशा ने रविवार रात को अपने घर में पंखे से फंदा लगा लिया। थाना प्रभारी ने बताया कि उसकी मां ने उसे फंदे से लटके हुए देखा तो शोर मचाया और आसपास के लोगों की सहायता से उसे फंदे से उतार कर नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

प्रधानाध्यापक पर छात्राओं को अश्लील वीडियो दिखाने में रिपोर्ट दर्ज

कौशांबी, एजेंसी

- बेसिक शिक्षा अधिकारी ने आरोपी शिक्षक को निलंबित किया

जिले के मंझनपुर थाना क्षेत्र के एक प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक पर छात्राओं ने अश्लील वीडियो दिखाने का आरोप लगाया है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी प्रधानाध्यापक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है, वहीं जिले के बेसिक शिक्षा अधिकारी ने आरोपी शिक्षक को निलंबित कर दिया है।

क्षेत्राधिकारी (मंझनपुर) शिवांक सिंह ने बताया कि सरसवा विकास खंड के खेरवा गांव स्थित कंपोजिट विद्यालय की छात्राओं ने प्रधानाध्यापक पर सोमवार को टैबलेट पर अश्लील वीडियो दिखाने का आरोप लगाया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस संबंध में एक वीडियो पोस्ट किया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को संज्ञान में लेते हुए मंझनपुर थाना पुलिस ने संबंधित छात्राओं से तहरीर प्राप्त कर आरोपी प्रधानाध्यापक के विरुद्ध सोमवार को मुकदमा दर्ज किया। इस मामले की जांच और विधिक कार्यवाही की जा रही है।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कमलेन्द कुशवाहा ने बताया कि इस मामले में अभिभावकों की शिकायत पर खंड शिक्षा अधिकारी (सरसवा) से जांच कराई गई थी, जिसमें आरोप सही पाए जाने पर प्रधानाध्यापक नंदलाल सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए उच्च प्राथमिक विद्यालय (चक माझियारी विकास खंड) से संबद्ध कर दिया गया है।

देवीधुरा धाम में बग्वाल मेला हुआ शुरू

संवाददाता, टनकपुर/देवीधुरा

अमृत विचार : उत्तर भारत के सुप्रसिद्ध धार्मिक, ऐतिहासिक और पौराणिक मेले देवीधुरा बग्वाल मेले (आषाढ़ी मेला) का चम्पावत जनपद के ऐतिहासिक देवीधुरा धाम में शुभारंभ हो गया। 11 दिवसीय मेला 16 अगस्त तक श्रद्धा, संस्कृति और सुरक्षा के समन्वय के साथ संपन्न होगा। मंगलवार को मुख्य अतिथि जिलाधिकारी मनीष कुमार ने मां बाराही देवी मंदिर परिसर के निकट मुख्य द्वार पर फीता काटकर मेले का विधिवत उद्घाटन किया।

ढोल-नगाड़ों, पारंपरिक छोलिया नृत्य और कलश यात्रा के माध्यम से अतिथियों का भावपूर्ण स्वागत किया गया। मुख्य बाजार से मंदिर मंडल तक निकाली गई शोभायात्रा में महिलाओं और छात्राओं ने पारंपरिक वेशभूषा में भाग लेकर लोक आस्था का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत

देवीधुरा में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे। • अमृत विचार

किया।डीएम ने मां बाराही देवी के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना कर जनपदवासियों की समृद्धि, स्वास्थ्य और शांति की कामना की। बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। बग्वाली वीरों के लिए खेल मैदान का सुदृढ़ीकरण कराया गया है। साथ ही श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए सुव्यवस्थित बैठने की व्यवस्था एवं परिक्रमा मार्ग का निर्माण भी किया गया है। मेला क्षेत्र को विभिन्न सेक्टरों में विभाजित कर प्रत्येक सेक्टर के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेटों की नियुक्ति की गई है, ताकि निगरानी व्यवस्था प्रभावी रहे। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी उपस्थितजनों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अमृत विचार

बरेली , बुधवार,6 अगस्त 2025

ग्लेन कैंसर सेन्टर एण्ड मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल

डा. रितु भुटानी
कैंसर रोग विशेषज्ञ
Ex. TATA MEMORIAL HOSPITAL, MUMBAI
Ex. RAJEEV GANDHI CANCER INSTITUTE, DELHI

कैंसर लाइलाज नहीं है
A PLACE OF HELP, HOPE AND UNDERSTANDING

24 घण्टे आई.सी.यू./ इमरजेंसी सुविधा उपलब्ध
02, शक्ति नगर, निकट रुहेलखण्ड यूनिवर्सिटी पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली
Contact Us:-
9311198889
9045599027
Email: bhutaniritu@gmail.com
Website: www.gleancancercentre.com

अमीर नगर में भारी बरसात से देवहा नदी पुल पर सड़क धंस गई । ● अमृत विचार

बहेड़ी में नगर पालिका की मीना बजार में रोड पर जलभराव । ● अमृत विचार

चेयरमैन के घर के पास नाला धंसा, घरों में पानी

देवहा नदी का जलस्तर बढ़ने से ग्रामीण भयभीत, फरीदपुर और बहेड़ी में घरों-दुकानों में भरा पानी

संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : लगातार हो रही भारी बारिश ने नगर पालिका की तैयारियों की पोल खोल दी है। नदियों के बढ़ते जलस्तर और सड़कों के धंसने के बीच शहर के कई मोहल्लों में जलभराव की स्थिति बन गई है। सोमवार को फरीदपुर चेयरमैन के घर के सामने जलभराव पर नगर पालिका की टीम ने बारिश के बीच ही सफाई शुरू कर दी, लेकिन यह कार्यवाही उलटी पड़ गई। जल्दबाजी में की गई सफाई के दौरान नाला टूट गया, जिससे आनंद विहार और कश्यप कालोनी के सैकड़ों घरों में गंदा पानी भर गया। कई घरों में पानी घुसने से फर्श और दीवारें खराब हो गईं, तो वहीं लोगों का घरेलू सामान भीग गया। सबसे ज्यादा परेशानी बच्चों और बुजुर्गों को उठानी पड़ी।

फरीदपुर दो दिन से हो रही बारिश के बाद नगर पालिका की सफाई व्यवस्था की पोल खुल गई है। पूरे साल सफाई व्यवस्था की ओर ध्यान नहीं देने का खामियाजा जनता को भुगतना पड़ रहा है। मिर्धान मोहल्ला, परा और परा जाटवान मोहल्ले के घरों में पानी भरा ही था कि चेयरमैन ने अपने मोहल्ले को जलभराव से मुक्त कराने के लिए बीसलपुर रोड होली चौराहे के पास एक बड़े तालाब से जुड़े टूटे हुए नाले को साफ करने भेजा तो समस्या बढ़ गई। नाला टूटने से आनंद विहार और कश्यप कालोनी के घरों में पानी भरना शुरु हो गया।

मोहल्लेवासी पालिका कार्यालय पहुंचे। नगर पालिका अध्यक्ष शराफत जरीवाला से शिकायत की तो अध्यक्ष ने सफाई व्यवस्था में अपनी भूमिका न होने की बात कहते हुए पल्ला झाड़ लिया। सफाई निरीक्षक सुरजीत सिंह चौहान एवं अन्य कर्मचारियों ने उच्च अधिकारियों से शिकायत करने की सलाह दी। सभासद निर्दोष जायसवाल, मोहम्मद देवेंद्र सिंह टोनी, संजीव उर्फ़ दन्नू, रंजीत सिंह चौहान सहित लगभग सभी सभासदों ने नगर में भीषण जल भराव की स्थिति से पालिका अध्यक्ष को अवगत कराया। मंगलवार को हुई मूसलाधार बारिश ने अधिवक्ताओ के चैंबर परिसरों में भी पानी घुस गया सड़क जलमग्न हो गई। अधिशासी अधिकारी पुनीत कुमार ने बताया कि मामले को संज्ञान में लेकर समाधान किया जा रहा है। वार्ड 15 के सभासद अजीम मियां ने बताया कि बोर्ड की सबसे पहली बैठक में पानी की समस्या का मुद्दा उठाया, लेकिन पालिका अध्यक्ष सुनने को तैयार नहीं है। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से देवहा नदी का जलस्तर बढ़ गया है।

फरीदपुर नगर पंचायत चेयरमैन के आवास के पास साई मंदिर के नजदीक मोहल्ले में भरा पानी। ● अमृत विचार

दो दिन की बारिश से अमीर नगर का मुख्य मार्ग धंसा

भदपुरा, अमृत विचार : दो दिन से हो रही जलभराव के साथ साथ सड़कों के कटने का सिलसिला शुरु हो गया है। इस दौरान अमीर नगर में देवहा नदी पर बने पुल की सड़क धंसगई है। यह वहीसड़क है जो पिछले साल भी धंसी और लोक निर्माण विभाग ने यहां पर कट्टे डाल दिये थे। तब कहा गया था कि बरसात के बाद सड़क को दुरुस्त किया जाएगा लेकिन साल भर बाद भी विभाग ने सुध नहीं ली और अब फिर उसी जगह से सड़क धंसने लगी है। विकासखंड के सीमावर्ती गांव अमीरनगर देवहा नदी के तट पर बसा है। गांव से निकलने के लिए कोई रास्ता नहीं था तो तत्कालीन विधायक केसर सिंह गंगवार ने नाबार्ड योजना से नदी पर पुल का निर्माण कराया था । पुल को जोड़ने के लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़क का निर्माण किया गया लेकिन लोक निर्माण विभाग ने सड़क बनाने में खेलकर दिया और सड़क को नीचा बना दिया। सड़क के किनारे पिचिंग का काम भी नहीं कराया इससे कटान कटान की समस्या बनी है। दो दिन हुई बरसात से फिर सड़क धंस गई है। गांव वालों का कहना है कि देवहा नदी का जलस्तर बढ़ता है तो कटान से सड़क पर असर पड़ेगा और रास्ता बंद हो जाएगा। इससे गांव का संपर्क मुख्यालय से कट जाएगा। एसडीम उदित सिंह पवार ने बताया सड़क के कटान का मामला संज्ञान में नहीं है। इसे शीघ्र दिखवा कर कार्यवाही की जाएगी

● अधिवक्ताओं के चैंबरों में भरा बारिश का पानी

बरसात में मेन रोड सहित मीना बाजार हुआ जलमग्न

बहेड़ी, अमृत विचार : मंगलवार को हुई मूसलाधार बारिश से पूरा नगर जलमग्न हो गया। मेन रोड सहित नगर के मीना बाज़ार में जल भराव से दुकानदारों और ग्राहकों को परेशानी हुई। व्यापारियों का कहना था, कि मीना बाज़ार में जलभराव की समस्या काफी समय से चलती आ रही है । लेकिन अब तक इस ओर कोई ध्यान नही दिया गया है। मीना बाज़ार व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों एवं व्यापारियों ने नगर पालिका से मीना बाजार के जलभराव की समस्या का समाधान कराने की मांग की है। बाजार में जलभराव होने से दुकानों के अंदर पानी घुस जाता है जिससे दुकानों में रखा सामान खराब हो जाता है। मंगलवार को हुई मूसलाधार बारिश से मीना बाजार पानी भरने पर मीना बाज़ार के अध्यक्ष सलीम रहबर ने कहा कि जलभराव होने पर यहां से गुजरने वाले वाहनों से बरसात का गंदा पानी दुकानों में घुस जाता है। नगर पालिका जलभराव की समस्या पर बिल्कुल ध्यान नहीं दे रही है जिसका खामियाजा दुकानदारों को उठाना पड़ रहा है।

फाल्ट से क्षुब्ध सभासद ने उपकेन्द्र पर डाला ताला

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : नगर के स्टेशन मार्ग पर बिजौरिया मन्दिर के पास से गुजर रही विद्युत लाइन में रोजाना हो रहे फाल्ट पर मंगलवार को बस्ती के लोगों का आक्रोश फूट पड़ा और सभासद अनुज पाठक के साथ पहुंचे बस्ती के लोगों ने उपकेन्द्र पहुंच कर ताला जड़ दिया । भीड को देख उपकेन्द्र पर मौजूद जेई की सूचना पर पहुंची पुलिस ने समझा बुझा कर ताला खुलवाया, जिसके बाद ही बस्ती की आपूर्ति सुचारु की जा सकी ।

सभासद का आरोप है कि जेई ने घरेलू लाइन से ही इस रोड पर स्थित दो उद्योगों का कनेक्शन जोड़ रखा है इससे लोड बढ़ने पर हर रोज फाल्ट हो रहा है और इससे आपूर्ति ठप हो जाती है । कई बार शिकायत के बाद भी विभाग द्वारा कोई कार्यवाही नहींहोने पर यह कदम उठाना पड़ा। ताला बंदी व भीड़ को देखकर जेई साबिर ख़ान मौके से खिसक लिए

सभासद ने बताया कि अब भी लाइन में सुधार न कर मात्र कुछ कनेक्शन हटा कर वैकल्पिक सुधार किया गया है ।

बिजली व्यवस्था 20 घंटे से ध्वस्त

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : रविवार से हो रही बारिश से क्षेत्रवासी बीते 20 घंटे से विद्युत कटौती से जूझ रहे हैं। मामूली फाल्ट को भी कर्मचारी घंटों में सही नहीं कर पा रहे हैं। नगर समेत क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था चौपट हो गई है। बीती रविवार की सुबह से हुई बारिश के बाद सोमवार की देर शाम से क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था ठप हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि 33 केवी लाइन में आए फाल्ट को सही करने के लिए मंगलवार सुबह से लगे कर्मचारी देर शाम तक फाल्ट दूर नहीं कर पाए। क्षेत्र में तारों की लाइनें व खम्भे जर्जर हालत में है । बिजली घर पर सप्लाई की ट्रालियों की हालत जहां दयनीय है वहीं बिजली के तारों का भी यही हाल है। 24 घंटे ट्रिपिंग व खराबी से ही लोग जूझते रहते है। बारिश के चलते जगह-जगह जल भराव की स्थिति भी बनी है ।

चोर ने दिनदहाड़े कर दी हजारों की नकदी साफ

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : रिमझिम बरसात का लाभ उठाते हुए एक शातिर ने छत पर चढ़कर हजारो की नकदी साफ कर दी ।

ग्राम रिछोला किफायतुल्ला वासी हाजी नत्थू बख्श आज दोपहर में दूसरी मंजिल पर स्थित अपने कमरे में ताला लगाकर नमाज पढ़ने गये थे। घर में पुत्रवधू रबीना अकेली थी। वह नीचे कमरे में लेटी थी। बारिश होने से अकेले कमरे में होने से उन्हें कब झपकी लग गई उसका आभास नहीं हुआ। इस बीच दोपहर में शातिर जीने से होकर ऊपर पहुंच गया और कमरे का ताला तोड़कर कमरे से 13 हजार पांच सौ व सूटकेस में रखे 16 हजार रुपए लेकर चम्पत हो गया । नमाज से लौटकर जब हाजी जी छत पर पहुंचे तो कमरे का ताला टूटा सारा सामान बिखरा पड़ा देखा। जाकेट व सूटकेस से रुपए गायब थे ।

चोरी के बाद टूटा ताला ।

फंदे पर लटका मिला छात्रा का शव

संवाददाता, सिरौली

अमृत विचार : संदिग्ध परिस्थितियों में बीए की छात्रा का शव घर में फंदे से लटका मिला है। पुलिस और फोरेंसिक टीम जांच में जुटी है। शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया गया है।

पुलिस चौकी नबाबपुरा के गांव व्योंधन बुजुर्ग की पूनम बीए तृतीय वर्ष की छात्रा थी। उसके पिता और भाई दिल्ली में काम करते हैं। वह मां के साथ गांव में रहती हैं। मंगलवार की दोपहर में छात्रा को घर में फंदे पर लटका देखा मां ने शोर मचा दिया शोर सुनकर आसपास के लोग एकत्र हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पूछताछ की । परिजन पोस्टमार्टम को मना करने लगे। पुलिस ने देर शाम शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया।

खाताधारकों के खाते से निकाले लाखों रुपये, रिपोर्ट

संवाददाता, भमोरा

अमृत विचार : एक बैंक की मिनी ब्रांच संचालक ने खाताधारकों के खाते से धोखाधड़ी कर लाखों रुपए का चूना लगाया है। बैंक पहुंचने पर धोखाधड़ी की हुई जानकारी के बाद मुकदमा दर्ज कराया गया है।

थाना क्षेत्र के गांव मिलक मझारा निवासी ओम प्रकाश आदि लोगों ने दी तहरीर में बताया कि भमोरा स्थित एक राष्ट्रीयकृत बैंक की मिनी शाखा गांव में थी इसका संचालन गांव निवासी धर्मवीर पुत्र रेवती कर रहा था। इसने ग्रामीणों के खाते की केवाईसी के नाम पर दो दर्जन खातों से लाखों रुपये निकाल लिये। ग्रामीण खातों की जानकारी लेने बैंक गये तो पता चला कि उक्त ब्रांच ढाई साल पहले ही बैंक द्वारा बंद की गई है। ग्रामीणों ने इसकी जानकारी धर्मवीर से की तो उसके पिता रेवती ने कहा कि वह रिटायर्ड दरोगा हैं कहीं शिकायत की तो झूठे मुकदमें में फंसा दूगा। थाना पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की बात कही। चर्चा है कि ढाई साल पहले शाखा बंद हो गई और कोई ग्रामीण इतने समय तक बैंक नहीं गया।

● गांव में खुली थी बैंक शाखा, क्षेत्र का व्यक्ति करता था संचालन
● शाखा ढाई साल पहले बंद हुई व्यक्ति निकालता रहा पैसा

ट्रक की टक्कर से गाय की मौत

फतेहगंज पश्चिमी अमृत विचार: ट्यूलिया अंडरपास के पास ट्रक की टक्कर से आवारा गाय की मौत हो गई। मंगलवार को रामपुर की ओर जा रहे ट्रक ने रोड पर मौजूद गाय को टक्कर मार दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गाय को जेसीबी से गड्ढा कराकर जमीदोज कर दिया।

Lifelines OF BAREILLY
MEDICAL
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

यू डायस पर डाटा न भरने पर वेतन रोका

संवाददाता, देवरनियां

अमृत विचार: ब्लाक दमखोदा में विद्यालय में अध्यनरत छात्र-छात्राओं का डाटा यू डायस पोर्टल पर न भरने, पर बीएसए ने रिछा ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय बालपुर के इंचार्ज प्रधानाध्यापक का वेतन रोकते हुए, जबाव तलब किया है।

डायस पोर्टल पर शैक्षिक सत्र 2025-26 के लिए विद्यालयों में अध्यनरत छात्र-छात्राओं का स्टूडेन्ट प्रोग्रेशन का कार्य 13 जुलाई तक पूरा करने के निर्देश दिए गए थे। ब्लॉक रिछा (दमखोदा) के प्राथमिक विद्यालय बालपुर के इंचार्ज प्रधानाध्यापक द्वारा इस कार्य को पूरा नहीं किया गया है।

बीएसए ने लापरवाही मानते हुए बालपुर विद्यालय के इंचार्ज प्रधानाध्यापक राजप्रकाश गंगवार पर कार्रवाई करते हुए उनका माह अगस्त का वेतन अग्रिम आदेशों तक रोक दिया है।

गौकशी कर अवशेष फेंके , जांच को भेजा

संवाददाता, देवरनियां/ भोजीपुरा

अमृत विचार: थाना भोजीपुरा की पुलिस चौकी धौंराटांडा क्षेत्र के ग्राम कुआंडाडा- धिमनी मार्ग पर गौकशों ने सोमवार की रात्रि गौकशी करके उसके अवशेष मार्ग पर फेंक दिए। सुबह राहगीरों के गुजरने पर मामला सामनेआया। मौके पर पहुंची पुलिस ने अवशेष परीक्षण को भेजने के साथ, जांच में जुट गई है।

अवशेष मिलने की सूचना धौराटांडा चौकी पुलिस को दी गई, जिस पर चौकी प्रभारी संजय सिंह मय स्टाफ मौके पर पहुंचे । जिस जगह पर यह अवशेष पाए गए, वहां नगर पंचायत धौंराटांडा का कचरा डाला जाता है, हो सकता है गौकशी करने वालों द्वारा बरसात व कचरे का फायदा उठाकर वहां अवशेष डाल गए हो ताकि किसी को पता ना चल सके। घटना की सूचना पर उक्त गांव के लोग वहां उपस्थित हो गए।

पुलिस ने तत्काल अवशेष की परीक्षण के लिए भेज दिया है। शेष अवशेष को दफन करवा दिया गया है। घटना की जानकारी होते ही हिंदू जागरण मंच के हिमांशु पटेल ने ट्वीट कर प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। गांव के आदेश कुमार, विक्की समेत अन्य ग्रामीणों ने भी इसका पता लगाकर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों का कहना है, कि नगर पंचायत प्रशासन जबरन हमारे क्षेत्र में कचरा डलवा रहा है, जिससे वहां दुर्गंध आती है। उन्होंने इसको तत्काल हटाए जाने की मांग की है। इसपर नगर पंचायत अध्यक्ष नदीम उल हसन ने आश्वस्त किया है, कि अब वहां कूड़ा नहीं डलवाया जाएगा। देवरनियां पुलिस भी इस घटना से सतर्क हो गई है।

● आंवछनीय तत्व अशांति फैलाने को हुए सक्रिय, पुलिस जांच में जुटी

भागवत में कृष्ण विवाह का प्रसंग सुनाया

संवाददाता, बहेड़ी

अमृत विचार : श्री रामलीला प्रांगण में चल रही सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के छठे दिन श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह का प्रसंग सुनाया गया। कथावाचक पंडित मधुर गोपाल दास शास्त्री ने कहा कि महारास में पांच अध्याय हैं। उनमें गाये जाने वाले पंच गीत भागवत के पंच प्राण हैं जो भी ठाकुरजी के इन पांच गीतों को भाव से गाता है वह भवसागर पार हो जाता है। उन्हें वृंदावन की भक्ति सहज प्राप्त हो जाती है।

कथा में भगवान का मथुरा प्रस्थान, कंस का वध, महर्षि संदीपनी के आश्रम में विद्या ग्रहण करना, ऊधव द्वारा गोपियों को अपना गुरु बनाना, द्वारका की स्थापना एवं रुक्मणी विवाह के प्रसंग का संगीतमय भावपूर्ण पाठ किया। इस दौरान भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणी के विवाह की झांकी ने सभी भक्तों को खूब आनंदित किया।कहा कि जो भक्त ईश्वर प्रेम में आनंदित होते हैं और श्रीकृष्ण तथा रूक्मिणी के विवाह में शामिल होते हैं, उनकी समस्या हमेशा के लिए समाप्त हो जाती है। कथा के दौरान श्री शास्त्री जी ने कहा कि महारास में भगवान श्रीकृष्ण ने बांसुरी बजाकर गोपियों का आह्वान किया और महारास लीला के द्वारा जीवात्मा परमात्मा का मिलन हुआ। जीव और ब्रह्म के मिलने को ही महारास कहते है। कोतवाल संजय तोमर,अजय सिंह, चौकी प्रभारी विजयपाल सिंह व अंकित चौहान आदि का व्यास पीठ से राधा कृष्ण का चित्र भेंट कर सम्मान किया। इस दौरान केसर चीनी मिल के सीईओ शरत मिश्रा,सभासद रमेश सिंह,तरुण कालरा, ह्रदेश पंडित ,अवधेश सक्सेना,सुन्दर रस्तोगी,पूर्व सभासद रीता सिह, रंजना सक्सेना, राज कुमारी यादव, दीपा सिसौदिया आदि रहे।

● श्री रामलीला परिसर में चल रही भागवत कथा

चरन सिंह हत्याकांड के आरोपी को जेल

क्योलडिय़ा, अमृत विचार : रंजिश केचलते गाड़ी चढ़ाकर व्यक्ति की हत्या के आरोपी को पुलिस ने आज गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

रंजिश के चलते एक अगस्त को आरोपी ने चरन सिंह को क्योलडिया की बाजार में देखा और उसकी हत्या करने का मन बना लिया। शाम को गांव बिजासिन के पास शाम को चरन सिंह बाइक पर आता दिखाई दिया। पास से गुजरने के बाद आरोपी ने बाइक में पीछे से जोरदार टक्कर मारी, जिससे वह गिर पड़ा फिर कार को आगे पीछे करके हत्या कर दी।

FOCUS नेत्रालय
RAJENDRA NAGAR, BAREILLY 731-098-7005
"ARTIFICIAL INTELLIGENCE" ASSISTED EYE SURGERIES
DR. KANUPRIYA AGARWAL
Fellow- Shroff Eye Hospital, New Delhi
Ex. Safdarjung Hospital, New Delhi
ALL MAJOR INSURANCE ACCEPTED
AYUSHMAN / ECHS / CGHS / TPA EMPANELLED

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
7906732664, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मुझे राम किशोर व राम बाबू दोनों नामों से जाना व पहचाना जाता है तथा यह दोनों नाम मेरे ही है। **रामकिशोर पुत्र श्री शेर सिंह निवासी 15घ, सेंधा मेहम्मदपुर पथरा मोहम्मदपुर, बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

सिटी ब्रीफ

अज्ञात वाहन की टक्कर से साइकिल सवार की मौत

सिरौली, अमृत विचार : रामनगर शाहाबाद स्टेट हाइवे पर साइकिल सवार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौत हो गयी। संग्रामपुर निवासी ग्रामीणों ने बताया कि सोमवार की देर शाम गांव निवासी किशोरी लाल (42) साइकिल से गये थे। वह देर रात तक वापस नहीं लौटे। सुबह ग्रामीण खेतों पर काम करने जा रहे थे। इसी दौरान उन्होंने सडक किनारे किशोरी लाल को मृत अवस्था में पडा हुआ देखा। सूचना पर पहुंचे परिजन ने उन्हें पीएचसी ले गये जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सड़कों पर बढ़ी गौवंश की संख्या किसान परेशान

आंवला, अमृत विचार : दो तीन दिन से हो रही बारिश से सडकों पर गौवंश की संख्या में इजाफा हुआ है। भारी संख्या में गोवंश सड़क पर बैठे अथवा घूमते नजर आ रहे हैं। इससे किसानों को धान की फसल को लेकर चिंता सताने लगी है। आंवला भमोरा स्टेट हाईवे के गांव आसपुर, बिलौरी, रामनगला, मोहम्मदपुर पथरा, मोतीपुरा, सेंधा, कुड्डा में बीच सडक पर गोवंश झुंड में बैठे रहते हैं, अथवा झुंड में ही सडक पर घूमते नजर आते हैं। सडक पर गोवंश के होने से हादसों की भय बना रहता है।

कार से साइलेंसर स्टेपनी चोरी, रिपोर्ट

कैंट, अमृत विचार : घर के बाहर खड़ी कार से अज्ञात चोर साइलेंसर और स्टेपनी चोरी कर ले गये है। मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। कांधरपुर सब्जी मंडी निवासी अमित यादव ने बताया, कि उ नकी कार घर के खड़ी थी। मंगलवार सुबह कार स्टार्ट की तो पता चला कि अज्ञात चोरों द्वारा कार का साइलेंसर तथा स्टेपनी चोरी कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच कर रहीहै। सीसीटीवी खंगाल रही है।

वृद्ध की ईंट मारकर हत्या

बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र के परसिया गांव में नशेड़ी ने की वारदात

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार: घर से पशुशाला जाने के दौरान एक बुजुर्ग की गांव के ही युवक ने हत्या कर दी। गाली गलौज का विरोध करने पर आरोपी ने ईंट से मुंह पर कई वार किए थे। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेज दिया है। मृतक के बेटे ने आरोपी के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई । वृद्ध की हत्या से गांव में सनसनी मच गई।

ढाकनलाल।

सोमवार रात कोतवाली क्षेत्र के ग्राम परसिया निवासी ढाकनलाल (60) घर से गांव में नहर के पास स्थित पशुशाला के पास बने घेर में सोने जा रहे थे। इसी दौरान उन्हें नहर के पास गांव का रामपाल उर्फ पप्पू मिला, जो नशे में गाली गलौज कर रहा था। जब उसे गाली देने से मना किया तो वह बुजुर्ग पर हमलावर हो गया। आरोपी ने ईंट से वृद्ध के मुंह पर कई वार करके हत्या कर दी। वारदात की जानकारी लगते ही मौके पर भीड़ जमा हो गई। परिवार वाले भी आ गए थे। सूचना पुलिस को दी गई। कोतवाल संजीव कुमार शुक्ला पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। सीओ प्रगति चौहान भी रात में ही मौके पर पहुंची और घटनास्थल को देखा। परिजन से पूरे प्रकरण की जानकारी की गई। मंगलवार को शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रात में ही आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी गई थी। हत्या की घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मचा रहा।

> घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर गई थी। शव का पोस्टमार्टम कराया जा गया है। मृतक के पुत्र की ओर से रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की गई है।
> – **संजीव कुमार शुक्ला**, कोतवाल बीसलपुर

लोगों को देखकर भागा आरोपी

घटना के बाद पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई में जुटी है। मृतक के पुत्र हरपाल की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। जिसमें बेटे ने बताया कि सोमवार रात जब वह पिता के पास जा रहे थे। उस दौरान गांव के ही विषपाल और महेश कुमार भी साथ थे। इस दौरान देखा कि आरोपी पिता के चेहरे और सिर पर ईंट से ताबड़तोड़ वार रहा था। उन्हें देखकर ही आरोपी मौके से भाग गया था। हालांकि बाद में पुलिस ने उसे धर दबोचा।

कांवड़ यात्रा सम्पन्न होने पर कोतवाल ने कराया भंडारा

नवाबगंज ,अमृत विचार: कावड़ यात्रा सकुशल सम्पन्न होने पर मंगवार को कोतवाल अरुण कुमार श्रीवास्तव ने मनोकामना बालाजी मंदिर पर भंडारा कराया ।इस भंडारे में विधायक डॉक्टर एम पी आर्य, डा. एके गंगवार, नीरेंद्र सिंह राठौर,सभासद आशीष गुप्ता, राजीव सक्सेना, हरपाल गंगवार,बाबूराम गंगवार, मोहन स्वरूप गंगवार, अरविन्द शुक्ला, प्रेम प्रकाश रस्तोगी , कृष्ण गोपाल शर्मा व राजीव शुक्ला आदि आदि रहे।

नवाबगंज में भंडारे में शामिल प्रमुख लोग।

पुल पर गड्ढों से गुजर रहे वाहन

नवाबगंज में कैलाशा नदी पर बने पुल पर गड्ढों की भरमार से हर रोज वाहन पलटते हैं। अफसरों का ध्यान इस तरफ नहीं है। मंगलवार को हुई बारिश के बाद इन गड्ढों में पानी भर गया तो दिन में कई रिक्शा पलट गये। सवारियां भी अपने को बचाती रहीं।

बहेड़ी में दोबारा होगी धोबी तालाब की पैमाइश

बहेड़ी, अमृत विचार: धोबी तालाब के बाद अब राम तालाब पर अवैध कब्जे के खिलाफ लगातार उठ रही आवाजों के बीच प्रशासन ने तालाब की दोबारा पैमाइश ्रकराने का निर्णय लिया है।

धोबी तालाब की जमीन पर अवैध पटान करने के मामले में पूर्व में भी कार्रवाई की गई थी । लेकिन राजनीतिक दबाव के चलते मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। आरटीआई एक्टिविस्ट ब्रजेश शर्मा ने इस मामले को लेकर बरेली के वरिष्ठ अधिकारियों को शिकायती पत्र भेजा था। आरोप है, कि महानगर भाजपा से जुड़े एक बड़े नेता की शिकायत पर डीएम के आदेश पर प्रशासन और नगर पालिका की संयुक्त टीम ने पुलिस के साथ अवैध पटान पर छापेमारी की थी। इस दौरान पूर्व सभासद और उसके चार साथियों को हिरासत में लिया था। टीम ने पूर्व सभासद से साढ़े आठ लाख रुपये की नकदी भी बरामद की थी। पूर्व सभासद के पास बरामद साढ़े आठ लाख रुपये की नकदी की जांच का जिम्मा अब आयकर विभाग को सौंपा गया है।

इस्पेक्टर संजय तोमर ने बताया कि नकदी की सूचना आयकर विभाग को दे दी गई है।

उपजिला अधिकारी बहेडी रत्निका श्रीवास्तव ने कहा कि मुख्यमंत्री के दौरे के बाद प्रशासनिक टीम का गठन कर मजिस्ट्रेट की निगरानी में तालाब की पैमाइश कराई जाएगी। यदि किसी के पास अवैध कब्जे की कोई जानकारी है । तो वह प्रशासन को सूचना दे सकता है। मैंने नगर पालिका ईओ को तालाब के सुंदरीकरण का प्रस्ताव भी तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

मीटर में छेड़छाड़ बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज

रिठौरा, अमृत विचार : मोहल्ला ठाकुरद्वारा में त्रिलोक कुमार के घर में लगे बिजली कनेक्शन के मीटर में छेड़छाड़ कर बिजली जलाने का मामला विभाग ने पकड़ा है। यह बिजली चोरी की श्रेणी में आता है। यह मामला तब पकड़ा जब उपभोक्ता के घर सोलर पैनल लगने पर उसका मीटर विभाग ने जमा कर लिया और नया मीटर लगाया। परीक्षण के दौरान विभाग ने पाया उक्त मीटर में टेम्पर पाया गया। जो बिजली चोरी की श्रेणी में आता है। इस पर अजय कुमार जेई, परविन्द्र कुमार एई (मीटर) रमेश चंद्र जेई (मीटर) आशीष कुमार कुशवाह टीजीटी -टू की चार सदस्यीय टीम ने मीटर परीक्षण कर उपभोक्ता के खिलाफ बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज करवाया है।

गोशालाओं के आसपास न हो जलभराव लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: मंडल में कई दिनों से हो रही बारिश की वजह से गोवंशीय पशुओं की सुरक्षा और देखभाल को लेकर पशुपालन विभाग सतर्क हो गया है। मंगलवार को अपर निदेशक ग्रेड-2 पशुपालन मदनपाल सिंह ने मंडल के सभी सीवीओ के साथ ऑनलाइन बैठक की और गोवंश आश्रय स्थलों का निरीक्षण के निर्देश दिए। इस दौरान गोवंशीय पशु आश्रय स्थलों पर जलभराव की समीक्षा भी की। सभी जिले में स्थापित नियंत्रण कक्ष से सभी गोशालाओं की निगरानी करने के सीवीओ को निर्देश दिए।

बैठक में सभी उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारियों और पशु चिकित्साधिकारियों ने बताया कि बारिश के मद्देनजर स्थिति पर प्रभावी नियंत्रण के लिए गोशालाओं का भौतिक निरीक्षण किया जा रहा है। अब तक किसी भी गोशाला में जलभराव की स्थिति नहीं मिली है। सीवीओ ने बताया कि गोवंशीय पशुओं के भरण-पोषण के लिए भूसा, हरा चारा और पशु आहार पर्याप्त मात्रा में है। पशुपालन विभाग की टीमें किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने को पूरी तरह से तैयार है। बाढ़ से बचाव के लिए भी पशु पालन विभाग पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है। बाढ़ में सर्वाधिक पशु गला घोटू रोग से प्रभावित होते हैं, जिसके बचाव के लिए पूर्व में ही टीकाकरण करा दिया गया है।

अपर निदेशक ने मीरगंज की गोशालाओं का निरीक्षण भी किया, इनमें दो गोशालाओं में कीचड़ और थोड़ा बहुत जलजमाव की स्थिति मिलने पर संबंधित पंचायत के प्रधान और सचिव को व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

पशु चिकित्साधिकारियों के साथ ऑनलाइन बैठक करते अपर निदेशक मदनपाल सिंह।

घरेलू नौकर ने चुराईं सोने की तीन अंगूठियां छह पर रिपोर्ट

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार नगर के मोहल्ला मुन्नूगंज में एक घर में घरेलू काम करने वाली ने बहाना बनाकर अपने बेटे को भेजा, जिसने मौका पाकर सोने की तीन अंगूठियां चुरा लीं। घटना में छह के नामजद रिपोर्ट दर्ज हुई है।

मोहल्ला मुन्नूगंज निवासी इस्लाम खान की पत्नी मोनी खान ने कहा है कि घरेलू काम करने के लिए हसीनबानो को नौकरानी रखा था। पांच छह माह पूर्व उसने काम छोड़ दिया। जून में फिर उसने काम करने की इच्छा जताई और अपने पुत्र साजन को काम करने के लिए भेज दिया, चार जुलाई को दोपहर दो बजे साजन ने अलमारी खोली खटपट की आवाज सुनकर मोनी आईं तो वह मालकिन को देखकर भाग गया।जब उन्होंने अलमारी देखी तो उसमें सोने की 10-10 तोला की तीन अंगूठी गायब थीं।

राज्यकर कर्मियों ने काली पट्टी बांधकर किया विरोध

कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन करते राज्यकर विभाग के कर्मचारी। ● अमृत विचार

बरेली, अमृत विचार: यूपी राज्यकर मिनिस्ट्रीयल स्टाफ एसोसिएशन के जोनल मंत्री रविन्द्र कुमार ने कहा कि विभिन्न मांगों को लेकर प्रांतीय आह्वान पर आंदोलन शुरू कर दिया गया है।

7 अगस्त तक राज्यकर विभाग के कर्मचारी काली पट्टी बांधकर काम करेंगे। इस दौरान निरीक्षण के कार्यों का भी बहिष्कार होगा। उन्होंने कहा कि जून में लिपिक संवर्ग और आशुलिपिक संवर्ग के कर्मचारियों के प्रदेशव्यापी स्थानान्तरण, जीएसटी कैडर पुनर्गठन, कर्मचारियों को जीएसटी में कार्य और उनके दायित्वों की मांग और कर्मचारियों की पदोन्नति में अनावश्यक होने वाले विलंब को लेकर विरोध जारी रहेगा। जिलाध्यक्ष विकास गौतम ने कहा कि जब तक कर्मचारियों की मांगे पूरी नहीं हो जातीं, इसी तरह से आंदोलन की रणनीति को प्रभावी बनाया जाएगा।

कर्मचारियों ने जोनल अध्यक्षा शर्मिला बंसल, जिलाध्यक्ष विकास गौतम, जोनल मंत्री, राहुल प्रताप सिंह के नेतृत्व में कार्यक्रम को सफल बनाने के भोजनवकाश के समय गेट मीटिंग भी की। प्रमोद सागर, अदनान बेग, अंशुमान बाजपेई, अनीता गंगवार, राजेन्द्र कुमार, वीर सिंह आदि मौजूद रहे।

सदर बाजार में युवक पर झोंका फायर बाल-बाल बचा

कैंट, अमृत विचार : सदर बाजार में युवक को रोककर मारपीट करने से क्षुब्ध युवक वहां से बचकर आया और साथियों के साथ रात में मारपीट करने वाले युवक के घर पहुंचकर फायर कर दिया। गोली की आवाज सुनकर मोहल्ले के लोग एकत्र हो गये तो युवक जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गये।

थाना क्षेत्र के आजाद मोहल्ला निवासी इमरान ने बताया, कि वह सोमवार रात नौ बजे गोल मार्केट गया था। इसी दौरान गोल बाजार निवासी इमरान उर्फ पठान ने रास्ते में उसे रोक लिया। गाली गलौच करते हुए मारपीट शुरू कर दी। वह उससे बचकर घर आ गया। इसके बाद रात करीब 11 बजे इमरान उर्फ पठान अपने तीन अज्ञात साथियों को लेकर दोबारा उसके घर पहुंच गया और उस पर फायर कर दिया। जिससे वह बाल-बाल बचा। गोली की आवाज सुनकर लोग इकट्ठा हो गए। तभी आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।

पुलिस मुठभेड़ में 50 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

संवाददाता, मितौली

अमृत विचार: थाना मितौली पुलिस व स्वॉट टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए गैंगस्टर एक्ट में वांछित 50 हजार रुपये के इनामी अपराधी को मुठभेड़ में पैर में गोली लगने के बाद गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से अवैध तमंचा, एक खोखा व एक कारतूस बरामद हुआ है। उसके एक पैर में गोली लगी है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सीओ मितौली जितेंद्र सिंह परिहार ने बताया कि मितौली सोमवार की रात पुलिस और क्राइम ब्रांच की स्वॉट टीम वांछित अपराधियों की तलाश में थी। मैनहन रोड नवोदय विद्यालय से पिरई नदी को जाने वाले रास्ते पर पुलिस टीम को संदिग्ध युवक दिखाई दिया। पुलिस ने घेरकर पकड़ने की कोशिश की तो उसने पुलिस टीम पर गोली चला दी।

मुठभेड़ में घायल बदमाश इरफान को पकड़कर ले जाती पुलिस। ● अमृत विचार

- **तमंचा-कारतूस बरामद, चंदौली के थाना सैयदराजा से गैंगस्टर एक्ट में वांछित था आरोपी**

जवाबी फायरिंग में गोली आरोपी के पैर में लगी और वह गिर गया, जिसे गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया है।

पकड़े गए बदमाश की पहचान इरफान निवासी गुलरा टांडा थाना मझगईं लखीमपुर खीरी के रूप में हुई है। वह चंदौली जनपद के थाना सैयदराजा में पंजीकृत गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में वांछित था। उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। इरफान पर विभिन्न थानों में छह आपराधिक मामले दर्ज हैं। आरोपी के खिलाफ मितौली थाने में कार्रवाई की जाएगी।

पिता-पुत्र ने किसान और भाई को लाठी से पीटा

भुता,अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव बरखेड़ा में पिता पुत्र ने रंजिश में गांव के धर्मेंद्र को लाठी डंडों से मारपीट की, बीच बचाव में आये उसके भाई दीपक को भी घायल कर दिया । मामले की रिपोर्ट हमलावरों के विरुद्ध दर्ज कराई गई है।

ग्राम बरखेड़ा निवासी धर्मेंद्र ने बताया, कि वह खेत में काम कर रहा था। तभी महेंद्र पाल व उनका बेटा प्रमोद आ गए, और गालियां देने लगे। विरोध करने पर उसके गले में गमछा डाल जान से मारने का प्रयास करने लगे।

रूहेलखण्ड कमिश्नरी का प्रथम विधि विद्यालय
SHRIJI INSTITUTE OF LEGAL Vocational Education & Research
Estd. 2003
(SILVER LAW COLLEGE)
(Approved by BCI & Affiliated to MJPRU)
ADMISSION OPEN 2025-26
DIRECT ADMISSION
LL. B. 3 Yrs. Course After Graduation
B.A. LL.B. 5 Yrs. Course After 12th
College Code : 119
General 45%, OBC 42%, SC/ST 40%
(in Intermediate & Graduation)
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :
9837485855, 9411472001
7983811321, 7906220708, 9068232656
Email.: ravibhatnagar.slcbly@gmail.com
Add : Vill. Barkhapur, PO. Mudia Ahamad Nagar,12th Km. Pilibhit Road, Bareilly

सरदार बल्लभ भाई पटेल डिग्री कॉलेज
भोजीपुरा रेलवे स्टेशन से पूर्व की ओर
Contact No. 9412287776, 9412288876, 9412288878, 9457507777
नि:शुल्क प्रवेश सत्र 2025-26 स्नातक प्रथम वर्ष
B.A. B.Sc. B.Com. B.Sc. (Home Science) B.B.A. B.C.A.
अन्य संचालित कोर्स
M.A. M.Sc. M.Sc. (Home Science) M.A. (Home Science) M.A. (Drawing & Painting)
D.PHARMA BTE CODE 2143 B.Ed. BTC D.El.Ed. B.EL.ED
सरदार वल्लभ भाई पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी
भोजीपुरा, बरेली BTE CODE - 2143
B.El.Ed. (इंटरमीडिएट के पश्चात 4 वर्षीय बी.टी.सी.) College Code 148
डी.एस.आर. कॉलेज ऑफ फार्मेसी
BTE CODE-2079
रिछा-जहानाबाद रोड पिपरानाकार बहेड़ी, बरेली
Contact No. 9719807777, 9719817777, 9719827777, 9719837777, 9719847777
चेयरमैन डा. हरीशंकर गंगवार, Mob No : 9412287777

आयोजन

आरके इंस्टिट्यूट में डॉ . सुमित ने सीपीआर की दी जानकारी

सीपीआर जैसी जीवन रक्षक प्रणाली सबके लिए जरूरी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- **बरेली आर्थोपेडिक एसोसिएशन की ओर से प्रशिक्षण कार्यक्रम**
- **आईएमए के सहयोग से आयोजित किया गया प्रशिक्षण**

अमृत विचार: बरेली ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन की ओर से मंगलवार को आरके इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) का विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित हुआ। जिसमें छात्रों को सीपीआर की विधि सिखाई गई।

आईएमए यूपी के पूर्व अध्यक्ष एवं संस्था के चेयरमैन डॉ. रवि मेहरा, बरेली ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन के प्रेसिडेंट डॉ. संजय गुप्ता, वाइस प्रेसिडेंट ओपी भास्कर और सेक्रेटरी डॉ. सुमित मेहरा ने प्रशिक्षण संबंधी उपाय बताए। नर्सिंग कॉलेज के निदेशक डॉ1 शिव शंकर त्यागी, कॉलेज ऑफ फार्मेसी के निदेशक डॉ. अजीत यादव, रजिस्ट्रार थॉमस कुरियन, मार्केटिंग हेड विवेक मिश्रा, आकाश सक्सेना एवं नर्सिंग, फार्मेसी एवं आयुर्वेदिक कॉलेज के छात्र छात्राएं समेत अन्य ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। डॉ. सुमित मेहरा ने बताया कि सीपीआर एक महत्वपूर्ण जीवन रक्षक तकनीक है, जिसे हर स्वास्थ्य कर्मी समेत सभी को आना चाहिए।

यह प्रशिक्षण आईएमए के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य छात्रों को आपातकालीन परिस्थितियों में जान बचाने की तकनीक सिखाना रहा। इस सत्र में विशेषज्ञ डॉ. ज्ञानेंद्र लाल गुप्ता, डॉ. आरके भास्कर व डॉ. डीपी गंगवार समेत अन्य ने पैरामेडिकल स्टाफ ने छात्रों को हार्ट अटैक, सांस रुकने जैसी स्थिति में प्राथमिक उपचार देने की सही विधि सिखाई। छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया, जिसमें डमी मॉडल्स के माध्यम से सीपीआर देना सिखाया गया।

आरके इंस्टिट्यूट में सीपीआर का प्रशिक्षण देते डॉक्टर ।

अचानक सांस रुकने पर दें सीपीआर

- **फ्यूचर यूनिवर्सिटी में दीक्षारंभ के अवसर पर बीएलएस कार्यशाला का आयोजन**

बरेली, अमृत विचार: फ्यूचर यूनिवर्सिटी में नव प्रवेशित छात्रों के दीक्षारंभ समारोह के अवसर पर बीएलएस (बेसिक लाइफ सपोर्ट) कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) और एईडी (स्वचालित बाहरी डिफिब्रिलेटर) के प्रति छात्र-छात्राओं को जागरूक करने के साथ ही अचानक सांस रुकने पर आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित निर्णय लेने के तरीके बताए गए।

मेदांता मेडिसिटी गुरुग्राम और नोएडा के सहयोग से आयोजित कार्यशाला का संचालन मैनेजर शिवम अग्निहोत्री और इंस्ट्रक्टर माधवी ने किया। प्रो-वाइस चांसलर डॉ. पंकज कुमार मिश्रा ने कहा कि मेदांता अस्पताल आपात चिकित्सा सेवाओं, ट्रांसप्लांट, न्यूरोलॉजी और कार्डियक केयर में अग्रणी है। बीएलएस कार्यशालाएं केवल अकादमिक नहीं, बल्कि मानवीय जिम्मेदारी की भावना जगाने का कार्य करती हैं। आज का छात्र यदि एक जीवन बचा सके तो यह शिक्षा का सर्वोच्च उद्देश्य सिद्ध होता है। चांसलर मुकेश गुप्ता ने कहा कि हर छात्र को सीपीआर और बेसिक लाइफ सपोर्ट जैसी तकनीकों का ज्ञान होना अनिवार्य है। यह स्वास्थ्य विज्ञान के छात्रों के लिए, बल्कि हर इंसान के लिए आवश्यक मानवीय कौशल हैं। इस कार्यशाला का सफल संयोजन डॉ. अभिषेक, डीन, फैकल्टी ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन ने किया।

सीपीआर की जानकारी देतीं विशेषज्ञ।

न्यूज ब्रीफ

हादसे में बाइक सवार पिता-पुत्र की मौत

छजलैट, अमृत विचार : छजलैट-कांठ हाईवे पर एक कार नीलगाय से टकरा कर अनियंत्रित होकर सामने से आ रही बाइक से टकरा गई। बाइक सवार दंपती एवं बालक घायल हो गए। इलजा के दौरान बाइक पर सवार युवक एवं उसके बेटे की मौत हो गई। जबकि महिला गंभीर है। मृतक के छोटे भाई ने थाना छजलैट में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। आरोपी कार चालक हादसे के बाद मौके पर कार छोड़कर भाग गया। अमरोहा के थाना अमरोहा देहात के ग्राम सिरसा खुमार निवासी सफी मोहम्मद (40) पत्नी शायदा व पुत्र सयान (4) के साथ 3 अगस्त को थाना छजलैट क्षेत्र के ग्राम भागीजोत में ससुराल आए हुए थे। जो मंगलवार 5 अगस्त को बाइक से कांठ से छजलैट जा रहे थे। सुबह 10 बजे के करीब जैसे ही वह छजलैट कांठ हाईवे पर फूलपुर तिराहे पर पहुंचे तो सामने से आ रही कार नीलगाय से टकराकर अनियंत्रित होकर बाइक में टकरा गई। जिससे तीनों घायल हो गए, इलाज के दौरान पिता- पुत्र की मौत हो गई।

शारदा उफान पर, घरों-दुकानों में भरा पानी

फसलों में भरा पानी, रास्ते, आवास, तालाब और स्कूल हो रहे लबालब, बझेड़ा गांव का अस्तित्व खतरे में

संवाददाता, मूड़ा सवारान/भानपुर

बझेड़ा गांव में बांध के ऊपर चल रहा बाढ़ का पानी।

अमृत विचारः तराई क्षेत्र में लगातार दो दिन से हो रही बारिश और बनबसा बैराज से छोड़े गए पानी के बाद शारदा नदी एक बार फिर रौद्र रूप में आ गई है। नदी का जलस्तर इतनी तेजी से बढ़ा कि बझेड़ा गांव में बना बांध तक पानी पार कर गया, जिससे ग्रामीणों के घरों में पानी घुस गया और सड़कों से लेकर खेतों तक सब कुछ डूब गया। जिससे बाढ़ प्रभावित गांवों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने बताया कि स्थिति देखकर यह लगता है कि इस बार बझेड़ा गांव का अस्तित्व मिट जाएगा।

तहसील गोला क्षेत्र में बह रही शारदा नदी इस समूचे क्षेत्र को दशकों से प्रभावित करती चली जा रही है। फिर चाहे वह गांव हो या फिर सैकड़ों एकड़ जमीन सभी कुछ शारदा के आगोश में प्रतिवर्ष समाता रहता है। कुछ गांव ऐसे हैं जिन पर हर वर्ष बाढ़ की त्रासदी कहर बरपाती है। सोमवार से हो रही बारिश और बैराज से छोड़े गए पानी से शारदा का जलस्तर बढ़ने के साथ ही नदी एक बार फिर उफना गई है। खेत जलमग्न हो गए हैं। शारदा नदी का पानी तटवर्तीय गांवों में घुस गया है। गांवों तक पहुंचने वाले सभी संपर्क मार्ग जलमग्न हो गए हैं। स्कूलों में पानी भर गया है।

गांव जौहरा, गुजारा, सिंधिया, रामनगर कलां, मेहंदी, रूरा सुल्तानपुर, बेलहा, सिकटिहा, हजूर पुरवा, रेवतीपुरवा, बेचेपुरवा, दौलतापुर, दंबल टांडा आदि गांवों के ग्रामीणों की धड़कनें बढ़ गई हैं। करसौर गांव में अब तक दर्जनों मकान नदी में समा चुके हैं। ग्रामीण पलायन करने को विवश हैं। शारदा नदी के बढ़ते जलस्तर को देखकर प्रशासन अलर्ट मोड में है। ग्रामीणों ने बताया कि अगर नदी का जल स्तर शीघ्र ही कम न हुआ तो खेतों में फसलें बर्बाद हो जाएंगी। मंगलवार को गोला एसडीएम युगांतर त्रिपाठी, तहसीलदार भीमसेन, कानूनगो सर्वेश यादव, लेखपाल राजीव वर्मा आदि ने मौका मुआयना कर बाढ़ पीड़ितों के लिए भोजन आदि की व्यवस्था कराई है।

ट्रांस शारदा क्षेत्र में नदी की तेज धार से स्पर हो रहे क्षतिग्रस्त : शारदा नदी के बढ़े जलस्तर के बाद पूरनपुर तहसील के ट्रांस शारदा क्षेत्र में भी बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। यहां ग्रामीणों का कहना है कि यदि बारिश लगातार जा रही तो यहां आने वाले दिनों में बाढ़ आ सकती है। फिलहाल ट्रांस शारदा क्षेत्र के श्रीनगर गांव के पास नदी का बहाव काफी तेज देखा जा रहा है। यहां नदी की तेज धार बाढ़ खंड द्वारा बनवाए गए स्परों को अपना निशाना बना रही है। कुछ ग्रामीणों ने इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताते हैं कि यहां बाढ़ खंड द्वारा बचाव कार्य किए जा रहे थे। जलस्तर बढ़ने के बाद बचाव कार्य भी रोक दिए गए हैं। तहसीलदार हबीब उर रहमान ने बताया कि स्थिति अभी सामान्य है। ट्रांस शारदा क्षेत्र में लेखपालों की टीम लगाई गई है।

दूसरे दिन 1.14 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा

पीलीभीत, अमृत विचार : शारदा नदी में लगातार दूसरे दिन 1.14 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया। इससे पूरनपुर एवं कलीनगर तहसील क्षेत्र में नदी किनारे बसे आबादी इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। हालांकि दोपहर से नदी के जलस्तर में गिरावट देखी जा रही है। प्रशासन का दावा है कि नदी के जलस्तर पर लगातार नजर रखी जा रही है। अभी स्थिति सामान्य है। संबंधित एसडीएम भी बाढ़ग्रस्त इलाकों पर पूरी नजर रखे हुए हैं। बाढ़ चौकियां भी अलर्ट मोड में हैं।पहाड़ों समेत मैदानी इलाकों में बारिश लगातार जारी है। लगातार बारिश से नदियों के जलस्तर में भी बढ़ोत्तरी देखी जा रही है। एक दिन पूर्व बनबसा बैराज से 1.59 लाख क्यूसेक पानी शारदा नदी में छोड़ा गया था। इससे नदी किनारे बसे इलाकों में बाढ़ की संभावना जताई जा रही थी। कुछ जगहों पर तो ग्रामीणों ने सुरक्षित स्थानों पर जाने की तैयारी शुरू कर दी थी। हालांकि शाम को नदी के जलस्तर में गिरावट देखी गई थी। इधर मंगलवार को भी बनबसा बैराज पर दवाब बढ़ने के बाद शारदा नदी में सुबह करीब आठ बजे 1.14 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। इससे शारदा नदी एक बार फिर उफना गई। शारदा नदी के जलस्तर में उतार चढ़ाव के चलते कलीनगर एवं पूरनपुर तहसील क्षेत्र में नदी किनारे बसे आबादी इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ता दिखाई दे रहा है। हालांकि प्रशासन का दावा है कि अभी बाढ़ जैसी स्थिति नहीं है। बाढ़ प्रभावित इलाकों पर लगातार नजर रखी जा रही है। टीमों और बाढ़ चौकियों को अलर्ट किया गया है।

विधायक के ऑडियो ने खोली भ्रष्टाचार की पोल

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार: भाजपा विधायक रोमी साहनी के वायरल ऑडियो ने नगर पालिका परिषद के भ्रष्टाचार की पोल खोल दी है। दरअसल, मामला सड़कों के निर्माण में घपलेबाजी और पूर्व सभासद की ओर से डंपर और स्ट्रीट लाइट खरीद में लाखों का कमीशन लिए जाने की मुख्यमंत्री और डीएम से शिकायत की है। खबरें चलीं और मीडिया ने विधायक से सवाल किए, जिस पर उन्होंने जेई से बातचीत करते हुए चेतावनी दी।

वायरल ऑडियो में विधायक जेई को फटकार लगाते हुए स्पष्ट कह रहे हैं कि नगर की सड़कों के निर्माण में धांधली की जा रही है। जनता हाय तोबा कर रही है, हमारी पार्टी की बदनामी हो रही है और पानी अब सिर से ऊपर हो चला है। मैं धृतराष्ट्र बनकर अब चुप नहीं रह सकता। वायरल ऑडियो में जब विधायक नगर पालिका के जेई से एक सड़क के निर्माण में की गई धांधली के बारे में पूछते हैं तो जेई उस सड़क के निर्माण में पुरानी ईंट लगाए जाने की बात स्वीकारते हुए ठेकेदार का भुगतान रोकने की बात कहते हैं। इसके बाद विधायक और नाराज हो जाते हैं और वह जेई से कहते हैं कि उन्होंने अभी तक किसी का कोई नुकसान नहीं किया है, किंतु यदि कमीशन लेकर ऐसी सड़क का भुगतान किया तो समझ लेना कि मैं डीएम से नहीं, सीधे मुख्यमंत्री से शिकायत करुंगा।

लाइटों की खरीद में 40 लाख की अनियमितता

पूर्व सभासद नजर अहमद ने जिलाधिकारी सहित राज्यपाल, मुख्यमंत्री, नगर विकास मंत्री, निकाय निदेशक, मंडल आयुक्त आदि को शपथ पत्र पर भेजा है। ससाक्ष्य शिकायत में नगर पालिकाध्यक्ष पलिया द्वारा डंपर व स्ट्रीट लाइट की खरीद में 10 लाख की अनियमितता की जांच कराकर कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने लिखा है कि पॉलीकैप 150 बॉट की स्ट्रीट लाइट का बाजार मूल्य जीएसटी सहित 3,363 रुपये प्रति लाइट है। आरोप है पालिका ने इन्हीं लाइटों के लिए 14,984 रुपये प्रति लाइट भुगतान किया। इस तरह 350 लाइटों की खरीद में 40 लाख रुपये की अनियमितता की गई।

बअदालत श्रीमान न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम, बरेली
मुकदमा नं. 450/2024

श्रीमती समरीन बी पुत्री श्री अब्दुल साबिर निवासी ग्राम मन्डनपुर, थाना मीरगंज, जिला बरेली। .....वादिनी बनाम

1. शम्शुद्दीन आयु लगभग 65 वर्ष पुत्र सन्नू (ससुर) 2. श्रीमती महनाज आयु लगभग 60 वर्ष पत्नी शम्शुद्दीन (सास) 3. नसरूद्दीन आयु लगभग 35 वर्ष पुत्र शम्शुद्दीन (पति) 4. ताजउद्दीन, आयु लगभग 25 वर्ष पुत्र शम्शुद्दीन (देवर) 5. सकलैन आयु लगभग 19 वर्ष शमशुद्दीन (देवर) 6. कु. शहीना आयु लगभग 22 वर्ष पुत्री शम्शुद्दीन (ननद) 7. कु. सकीना आयु लगभग 20 वर्ष पुत्री शम्शुद्दीन (ननद) — विपक्षीगण

दरख्वास्त मुसम्मी श्रीमती समरीन बी वास्ते हुक्म सरटीफिकिट वसूल दर्ज व किफायत जाये या फतावी मुसम्मी 1. शम्शुद्दीन, 2. श्रीमती महनाज, 3. नसरूद्दीन, 4. ताजउद्दीन 5. सकलैन, 6. कु. शहीना, 7. कु. सकीना मुतवर्फा अपने व मुजाबि एक्ट 7 सन् 1889 ई. व कैद....

हरगाह मुसम्मी श्रीमती समरीन बी ने दरख्वास्त हुक्म सरटीफिकेट और तारीख 23.5.25 वास्ते समायत दरख्वास्त हाजा के मुकर्रर की है लिहाजा इश्तहार जारी किया जाता है कि जिस किसी को दरख्वास्त हाजा के निस्वत कोई उजर हो असालतन या वकालतन बतारीख 08.08.25 पेश होकर दरख्वास्त हाजा की निसवत उजर पेश करें दरसूरत इनकामे तारीख मुकर्रर कोई उजर निस्वत दरख्वास्त सुना नहीं जायेगा और मुनासिब हुक्म निस्वत दरख्वास्त हाजा सादिर होगा। आज तारीख 11.07.2025 मेरे दस्तखत व मोहर अदालत से जारी किया गया।

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम, बरेली

कार्यालय नगर पंचायत बरखेड़ा जनपद पीलीभीत

पत्रांक: 72/न.पं.ब./2025-26 दिनांक: 04.08.2025

ई-निविदा सूचना

नगर पंचायत बरखेड़ा जनपद पीलीभीत द्वारा वर्ष 2025-26 में 15 वां वित्त आयोग (अनटाईड) ग्रान्ट की धनराशि से नगर पंचायत बरखेड़ा में इन्टरलॉकिंग रोड आदि के निर्माण कार्यो को कराने हेतु निर्माण कार्यो की निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र उ.प्र. की ई-प्रक्योरमेंट की वेबसाइट http/etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। निविदा खोले जाने की तिथि में यदि अवकाश होगा तो निविदा अगले दिन कार्य दिवस में खोली जायेगी।

बिड प्रकाशित होने की तिथि	06.08.2025	प्रातः 08:00 बजे
ऑनलाइन बिड अपलोड करने की तिथि	06.08.2025	प्रातः 10:00 बजे
बिड अपलोड करने की अन्तिम तिथि	13.08.2025	प्रातः 10:00 बजे तक
बिड खुलने की तिथि	13.08.2025	अपरान्ह 02:00 बजे

नागेन्द्र पाण्डेय
उपजिलाधिकारी बीसलपुर/
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत बरखेड़ा (पीलीभीत)

श्याम बिहारी भोजवाल
अध्यक्ष
नगर पंचायत बरखेड़ा
(पीलीभीत)

छेड़छाड़ के विरोध में कांवड़ियों से मारपीट

संवाददाता, शाहजहांपुर/ मदनापुर,

अमृत विचार: सावन के महीने में जलाभिषेक कर लौट रहे कांवड़ियों के साथ मदनापुर थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात किन्नर से छेड़छाड़ के विवाद में मारपीट की गई। जिसके विरोध में आक्रोशित कांवड़ियों ने थाना गेट पर ट्रैक्टर-ट्रालियों से कटरा-मदनापुर मार्ग जाम कर दिया। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों के आश्वासन के बाद देर रात जाम समाप्त हुआ।

गांव रघुनाथपुर के करीब दो दर्जन से अधिक कांवड़िया, ट्रैक्टर-ट्राली से गोला गंगा स्नान और जलाभिषेक करके लौट रहे थे। उनके साथ एक किन्नर भी था, जिसने पार्वती का रूप धारण कर रखा था। ट्रॉली पर डीजे बज रहा था और सभी भक्तिमय माहौल में लीन थे। जैसे ही ट्रॉली मदनापुर क्षेत्र के एक गांव के पास पहुंची, वहां कुछ लोग शराब के नशे में झूमते मिले। उन्होंने कांवड़ियों की ट्राली रोक ली और किन्नर से अश्लील हरकतें करने लगे। विरोध करने पर उन्होंने कांवड़ियों के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि कांवड़ियों के मोबाइल छीन लिए गए।

पुल पर बच्ची को बैठाकर नदी में कूदी मां

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: थाना खमरिया क्षेत्र में मंगलवार की शाम दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। शाम करीब 4:30 बजे पीलीभीत-बस्ती हाईवे पर जसवंतनगर पुल पर पहुंची एक महिला ने एक वर्षीय मासूम बच्ची को पुल के फुटपाथ पर छोड़ दिया। पास में ही अपनी चप्पलें और दोनों पैरों की पायल उतार दीं और नदी में छलांग लगा दी। इससे वहां हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस गोताखोरों को नदी में उतारकर महिला की तलाश करा रही है, लेकिन देर शाम तक कोई पता नहीं चल सका है। महिला कहां की रहने वाली है। उसका नाम क्या है। पुलिस इसका पता लगा रही है।

खमरिया थाना क्षेत्र के लुधौनी जसवंतनगर गांव के बीच शारदा नदी के पुल का नजारा दिल दहला देने वाला था। भीड़ थी, शोर था, लेकिन सबकी निगाहें बस एक तस्वीर पर टिकी थीं। एक मासूम बच्ची, जो न कुछ बोल रही थी, न रो रही थी। वो फुटपाथ पर बैठी थी, अकेली... बेसहारा। उसके बगल में चांदी की पायलें और एक महिला की चप्पलें पड़ी थीं। कुछ ही देर पहले उसकी मां ने उसे वहीं छोड़कर नदी में छलांग लगा दी थी।

पुल पर महिला की चप्पलें, पायलें और बैठी उसकी मासूम बच्ची।

स्थानीय कुछ लोगों ने महिला को पुल की रेलिंग पर चढ़ते देखा भी था। कुछ पल बाद वह पानी में समा गई। न चीख, न पुकार। बस एक

- **जसवंतनगर पुल पर मां की चप्पल पकड़कर बैठी मासूम**

खामोशी। जैसे कोई दर्द था जो बोल नहीं पा रहा था, कोई बोझ था जिसे अब और ढोया नहीं जा सका। सूचना पर मौके पर पहुंची खमरिया पुलिस ने बच्ची को सुरक्षा में लेकर महिला सिपाही को सौंप दिया है।

थानाध्यक्ष ओपी राय ने बताया कि बच्ची लगभग एक साल की है। अभी तक उसकी पहचान नहीं हो सकी है। उसकी तस्वीर सोशल मीडिया और पुलिस चैनलों के जरिए वायरल की गई है, ताकि कोई उसे पहचान सके, कोई उसका अपना सामने आए। पुलिस की टीमें नदी में महिला की तलाश में जुटी हैं। आसपास के थानों से संपर्क किया जा रहा है। लेकिन सवाल है कि क्या मजबूरी रही होगी जो एक मां को अपनी मासूम को छोड़ इस तरह खुद को मिटा देने पर मजबूर होना पड़ा?

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से दो कांवड़ियों की मौत

संवाददाता,शाहजहांपुर

अमृत विचार: परौर थाना क्षेत्र के कुंडरिया गांव में मंगलवार रात 9:30 बजे कांवड़ियां गंगाजल लेने के लिए पांचाल घाट जाने की तैयारी कर रहे थे, ट्रैक्टर ट्रॉली पर डीजे था। हाईटेंशन लाइन पर तार छू जाने पर दो लोग झुलस गए। दोनों को फर्रुखाबाद सरकारी अस्पताल में भेज दिया गया, जहां दोनों को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया फर्रुखाबाद के सरकारी अस्पताल में सुखबीर और जसवीर की मौत हुई है, कोई अन्य नहीं झुलसा है।

धोखाधड़ी कर 20 लाख का लोन लेने की कोशिश

कुंदरकी ,अमृत विचार : कुंदरकी थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव निवासी किसान की जमीन से अवैध तरीके से फर्जी दस्तावेज और आईडी तैयार कराकर बैंक से लोन लेने की कोशिश का मामला प्रकाश में आया है। ग्राम अब्दुल्लापुर थाना कुंदरकी निवासी किसान जुम्मा ने बताया उसके पास करीब 10 एकड़ जमीन है। 31 जुलाई को पीएनबी शाखा बिलारी के मैनेजर जांच करने के लिए उसके घर पर पहुंचे और बताया कि आप अपनी जमीन पर 20 लाख रुपये का लोन ले रहे हैं। किसान ने कहा कि उसने किसी लोन के लिए बैंक में आवेदन नहीं किया है।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, शेरगढ़, बरेली

पत्रांक : 11475/लेखा/निविदा/क्षे.पं./2025-26 दिनांक : 05 अगस्त 2025

निविदा सूचना

एतद्द्वारा समस्त ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग जिला पंचायत राजकीय विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि विकास खण्ड शेरगढ़ बरेली को प्राप्त क्षेत्र पंचायत के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 व 2025-26 में पंचम राज्य वित्त/15वां केन्द्रीय वित्त की प्राप्त धनराशि से निम्न कार्य के निर्माण हेतु (आइटम रेट) पर सीलबंद निविदायें आमंत्रित की जा रही है। निविदायें दिनांक 21.06.2025 को मध्यान्ह 12:00 बजे तक विकास खण्ड शेरगढ़ मुख्यालय बरेली में रखे निविदा बाक्स में नियत तिथि एवं समय तक डाली जा सकती है जो उसी दिनांक 21.08.2025 अपरान्ह 03:00 बजे निविदादाता अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष सार्वजनिक रूप से गठित कमेटी के द्वारा खोली जायेगी।

क्र.सं.	कार्य का नाम	माप	स्वीकृति धनराशि (जी.एस.टी. सहित)	निविदा शुल्क	धरोहर राशि	पूर्ण करने का समय
1.	ग्राम नियामतपुर में विशनस्परूप के घर से पंचायत घर तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	200 मी.	980000	1500	20000	90 दिन
2.	ग्राम मवईजरेल में हेमराज के घर से नोनीराम के घर तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	190 मी.	983200	1500	20000	90 दिन
3.	ग्राम काबरखास में बी.पी.आर.सी. केन्द्र मिटिंग हाल का निर्माण कार्य	1 वर्क	992300	1500	20000	90 दिन
4.	ग्राम ढकियाठाकुरान में होली चौराहे से मन्दिर तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	180 मी.	995600	1500	20000	90 दिन
5.	ग्राम मनूनागर में हरिशंकर के घर से आंगनबाड़ी केन्द्र की ओर नाला निर्माण कार्य	200 मी.	994083	1500	20000	90 दिन
6.	ग्राम सिसौना में राजपाल की दुकान से धर्मवीर के घर तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	205 मी.	876600	1500	20000	90 दिन
7.	ग्राम मानपुर में रमेश के घर से मेन रोड तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	160 मी.	999700	1500	20000	90 दिन
8.	ग्राम म्यूड़ी बुजुर्ग में पी.डब्लू.डी. रोड से बलीरजा के घर तक मिट्टी व खडन्जा निर्माण कार्य	400 मी.	990000	1500	20000	90 दिन
9.	ग्राम लखा में सरकारी टंकी से कब्रिस्तान तक नाला निर्माण कार्य	220 मी.	994083	1500	20000	90 दिन
10.	ग्राम पिपरिया में मेनरोड से प्राईमरी स्कूल तक सी.सी. व नाली निर्माण	110 मी.	711000	1430	14220	90 दिन
11.	ग्राम पिपरिया में उमाशंकर के मकान से शिशुपाल के घर से होकर व मोहन लाल के घर से रामौतार के घर तक सी.सी. व नाली निर्माण कार्य	105 मी.	616000	1240	12320	90 दिन
12.	ग्राम चठिया से अमरकान्त के घर के सामने से मुकेश बाबू के घर से होते मुनेन्द्र बाबू एवं राधेश्याम के घर तक सी.सी. व नाली निर्माण कार्य	170 मी.	999000	1500	20000	90 दिन
13.	ग्राम पंचायत गौटिया न्याजनगर में नत्थू लाल के घर व सद्दीक अहमद के घर की ओर सी.सी. व नाली निर्माण कार्य	170 मी.	559500	1120	12000	90 दिन
14.	शाहपुर में बाबूराम के घर से राम किशोर की जगह तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	165 मी.	896000	1500	18000	90 दिन
15.	मानपुर में धाराजीत के घर से कमलेश के घर से होते हुए यशपाल के घर तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	160 मी.	996755	1500	20000	90 दिन
16.	सुल्तानपुर में मंगली के घर से विनोद की जगह तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	180 मी.	901882	1500	20000	90 दिन
17.	सिमरावा में यमपाल की बैठक से सेवाराम के घर तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	190 मी.	996348	1500	20000	90 दिन
18.	आकलाबाद में गिरीश कुमार के घर से सोमपाल के घर की ओर सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	168 मी.	995151	1500	20000	90 दिन
19.	जाफरपुर में मेनरोड से नरेन्द्र की घर की ओर सी.सी. व नाली निर्माण कार्य	165 मी.	996760	1500	20000	90 दिन
20.	ग्राम मानपुर चौकी पर प्याऊ निर्माण कार्य	1 कार्य	330000	400	20000	90 दिन
21.	गनुनगला में मन्दिर पर प्याऊ निर्माण कार्य	1 कार्य	330000	400	6600	90 दिन
22.	मानपुर इण्टर कॉलेज पर प्याऊ निर्माण कार्य	1 कार्य	330000	400	6600	90 दिन
23.	औरंगाबाद में मन्दिर पर प्याऊ निर्माण कार्य	1 कार्य	330000	400	6600	90 दिन
24.	पंडरी मन्दिर पर प्याऊ कार्य	1 कार्य	330000	400	6600	90 दिन
25.	कस्बापुर मन्दिर पर प्याऊ कार्य	1 कार्य	330000	400	6600	90 दिन
26.	सिंहौर में मन्दिर पर प्याऊ कार्य	1 कार्य	330000	400	6600	90 दिन
27.	बनईया में मन्दिर पर प्याऊ कार्य	1 कार्य	330000	400	6600	90 दिन
28.	कबरा किशनपुर में मजरा डूंगपुर में देवस्थान पर प्याऊ कार्य	1 कार्य	330000	400	6600	90 दिन
29.	कनकपुरी में मन्दिर पर प्याऊ कार्य	200 मी.	330000	400	6600	90 दिन

1. निविदा प्रपत्र को शुल्क बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से स्वीकार होगा जो खण्ड विकास अधिकारी, शेरगढ़ के पक्ष में देय होगा। 2. समस्त ठेकेदारों को पंजीयन प्रमाण पत्र, हैसियत प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र, जी.एस.टी. रजि. एवं लेवर डिपार्टमेन्ट रजि. व पैन कार्ड की प्रमाणित छायाप्रति संलग्न करनी होगी। 3. निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त वित्तीय वर्ष 2025-26 के अन्दर कोई मूल्य परिवर्तन मान्य नहीं होगा। 4. निविदा को स्वीकृत करने अथवा निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा। 5. प्रत्येक निविदादाता द्वारा रूपये 100/- के स्टाम्प पेपर पर शपथ पत्र व 10/- स्टाम्प पेपर पर 90 दिन वेलिडीटी निविदा के साथ संलग्न कराना होगा। 6. सार्वजनिक निर्माण कार्य में प्रयुक्त होने वाले उपखनिजों पर रायल्टी का भुगतान सुनिश्चित किये जाने का विषय भूतत्व एवं खनिज कर्म अनुभाग के शासनादेश संख्या 3885/65-2015-292/2015 दिनांक 15.10.2015 का अनुपालन सुनिश्चित करना अनिवार्य होगा। 7. पंजीकृत ठेकेदारों को ठेका दिये जाने के पश्चात कभी भी संज्ञान में आता है कि ठेकेदार सक्रि रूप से माफिया गतिविधियों में असामाजिक कार्यो एवं संगठित आपराधिक गतिविधियों में लिप्त है तो उस प्रदान किया गया कार्य का ठेका नोटिस जारी कर सक्षम अधिकारी द्वारा ठेका निरस्त कर दिया जायेगा। 8. किसी भ वाद विवाद की स्थिति में जनपद न्यायालय बरेली ही मान्य होगा। 9. निविदा फार्म क्रय किये जाने सामग्री से सम्बन्धित दिशा निर्देश अधोहस्ताक्षरी कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, शरेगढ़ से दिनांक 06.08.2025 से दिनांक 21.08.2025 मध्यान्ह 12:00 बजे तक निविदा मूल्य बैंक ड्राफ्ट/डिमाण्ड ड्राफ्ट जमा कर प्राप्त किये जा सकते हैं। 10. निविदा प्रपत्र भरकर उसके साथ धरोहर की राशि का राष्ट्रीयकृत बैंक की एफ.डी.आर./एन./एस.सी. जो खण्ड विकास अधिकारी, शेरगढ़ बरेली के पक्ष में बन्धक हो मोहरबन्द लिफाफे में निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न कराना अनिवार्य है तथा 5 प्रतिशत जमानत राशि की एफ.डी.आर./एन.एस.सी. जो खण्ड विकास अधिकारी शेरगढ़ बरेली के पक्ष में बन्धक हो निविदा स्वीकृत उपरान्त अनुबन्ध के समय जमा करनी होगी जोकि कार्य समाप्ति के बाद कार्य की गुणवत्ता ठीक होने पर एक वर्ष उपरान्त वापस की जायेगा।

खण्ड विकास अधिकारी
शेरगढ़, बरेली

ब्लाक प्रमुख
विकास खण्ड शेरगढ, बरेली

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बीसलपुर-पीलीभीत

पत्रांक: 158/न.पा.परि.बी./2024-25 दिनांक: 02.08.2025

ई-निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद बीसलपुर द्वारा कान्हा गौशाला एवं बेसहारा पशु आश्रय योजना के अन्तर्गत निर्माण कार्य की लागत के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य विवरण निम्नवत् है:-

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत जी.एस.टी. सहित (लाख रू. में)	बिड सिक्योरिटी 2 प्रतिशत पूर्णांक में	निविदा मूल्य +18 प्रतिशत जी.एस.टी.	कार्य पूर्ण करने की अवधि
01.	नगर पालिका परिषद बीसलपुर के अन्तर्गत कान्हा गौशाला (चारा गोदाम, टीन शेड, चरही, पानी का टैंक, बाउण्ड्री वॉल, समर सेवल पम्प, वेटेनरी डॉ. कक्ष, चपरासी कक्ष, एम.एस. गेट, खडंजा, बिजली व्यवस्था, गोबर गैस प्लांट शेफ कटर, कैटल कश आदि) का निर्माण कार्य।	1,90,39000.00	3,22,710.00	22500.00	12 माह

1. वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि 6.8.2025 को प्रातः 11:00 बजे से।
2. ई-निविदा के माध्यम से निविदा अपलोड के लिए अन्तिम तिथि/समय 26.08.2025 को अपरान्ह 05:00 बजे ।
3. ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय 27.08.2025 को प्रातः 10:00 बजे से।
4. निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज-9 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।
5. निविदा प्रपत्र शुल्क और 2 व प्रतिशत धरोहर धनराशि (जी.एस.टी. सहित) पालिका के आई.सी.आई.सी.आई. में खताा सं. 321005500073 IFSC- ICIC0003210 में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. द्वारा हस्तान्तरित कर पावती की मूल प्रति स्कैन करके ई-निविदा के साथ अपलोड करना अनिवार्य होगी।
6. अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट http//etender.up.nic.in पर लॉगइन करें तथा बिड डॉक्यूमेन्ट को अपलोड करें।
7. टेण्डर स्वीकृति होने के उपरान्त शेष 8 प्रतिशत धरोहर धनराशि नगर पालिका परिषद बीसलपुर के उपरोक्त खाते में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. के द्वारा अथवा नियमानुसार एफ.डी.आर./एन.एस.सी. द्वारा जमा कर मूल प्रति जमा कर निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त तीन दिवस के अन्दर नगर पालिका परिषद बीसलपुर के कार्यालय में हार्डकॉपी के साथ जमा करनी होगी।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
बीसलपुर (पीलीभीत)

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
बीसलपुर (पीलीभीत)

जफर अली सहित 4 नामजद और 50-60 अज्ञात पर मुकदमा

संभल, अमृत विचार : जेल से छूटने के बाद जुलूस निकालना जामा मस्जिद कमेटी के सदर जफर अली व उनके समर्थकों को भारी पड़ा है। पुलिस ने निषेधाज्ञा का उल्लंघन कर जुलूस निकालने के आरोप में जफर अली सहित 4 नामजद और 50-60 अज्ञात समर्थकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

संभल हिंसा मामले में गिरफ्तार किए गए जामा मस्जिद कमेटी के सदर जफर अली एडवोकेट जमानत के बाद 1 अगस्त को जेल से रिहा हुए थे। जेल से रिहाई के बाद वे कार में सवार होकर संभल पहुंचे तो समर्थकों ने जुलूस निकालकर स्वागत किया और आतिशबाजी की थी। निषेधाज्ञा लागू होने के बावजूद जुलूस निकाले जाने को लेकर अब पुलिस ने कार्रवाई की है। सत्यव्रत पुलिस चौकी के प्रभारी आशीष कुमार तोमर ने जामा मस्जिद कमेटी सदर जफर अली एडवोकेट, सरफराज एडवोकेट, ताहिर एडवोकेट व हैदर एडवोकेट को नामजद करने के साथ ही 50-60 अज्ञात समर्थकों के खिलाफ कोतवाली में निषेधाज्ञा की धारा 163 की शर्तों का उल्लंघन करने को लेकर मुकदमा दर्ज कराया है। कोतवाली प्रभारी गजेंद्र सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है

3.5 क्विंटल भैंस का मांस बरामद

भोजपुर, अमृत, विचार : कस्बा चौकी इंचार्ज ने गस्त के दौरान कार से साढ़े तीन क्विंटल भैंसवंशीय मांस बरामद किया है। पुलिस ने वाहन चालक को गिरफ्तार कर 3 मांस तस्करों पर पशु क्रूरता अधिनियम में रिपोर्ट दर्ज कर बरामद मांस को गड्ढे में दबा दिया। मंगलवार को उप निरीक्षक बृजपाल सिंह हेड कांस्टेबल कुलदीप अत्रि एवं कांस्टेबल कपिल के साथ लेकर गस्त कर रहे थे। पुलिस को मुखबिर ने कार से मांस टांडा को लेकर जाने की सूचना दी।

नेशनल ब्रीफ

एलपीजी उपभोक्ताओं की संख्या 33.05 करोड़

नई दिल्ली। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बताया कि कुल सक्रिय घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं की संख्या एक अप्रैल, 2014 को 14 .51 करोड़ थी जो एक जुलाई, 2025 तक बढ़ कर 33 .05 करोड़ हो गई है, जिसमें प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के 10 .33 करोड़ लाभार्थी शामिल हैं। पुरी ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में राज्यसभा को यह भी बताया, इससे पता चला है कि स्वच्छ ईंधन तक पहुंच बढ़ाने के लिए सरकार के प्रयास सफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए वितरण और सब्सिडी हस्तांतरण प्रणाली को पारदर्शी, समावेशी और प्रभावी बनाने हेतु निरंतर उपाय कर रही है।

नीट अभ्यर्थी का दोबारा मूल्यांकन का निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने नीट-स्नातक 2025 परीक्षा के उस अभ्यर्थी की उत्तर पुस्तिका का 'मैन्युअल' मूल्यांकन करने का मंगलवार को निर्देश दिया, जिसने अपने प्रश्नपत्र में पृष्ठ क्रम में त्रुटि का आरोप लगाया था। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति के .वी विश्वनाथन की पीठ ने मूल्यांकन परिणाम को रिकॉर्ड में दर्ज करने का आदेश दिया। पीठ ने कहा, याचिकाकर्ता को अपनी उत्तर पुस्तिका को मैन्युअल तरीके से जांचे जाने पर संतोष होगा। अभ्यर्थी ने नीट-यूजी प्रश्नपत्र में पृष्ठों का क्रम गलत होने का दावा किया था।

नोएडा: 18251 लोगों को जुलाई में कुत्तों ने काटा

नोएडा। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सटे नोएडा में गत माह 18251 लोगों को आवारा और पालतू कुत्तों ने काटा है, जबकि गत दो महीने में बंदरों और बिल्लियों ने दो हजार से ज्यादा लोगों को अपना शिकार बनाया है। नोएडा जिला अस्पताल अस्पताल के एसीएमओ टीकम सिंह ने मंगलवार को बताया कि नोएडा की सड़कों पर आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ रहा है। पिछले सात महीने में लाखों लोगों को आवारा और पालतू कुत्तो ने काटा है। पिछले दो महीने में नोएडा और ग्रेटर नोएडा में कुत्तों ने लगभग 32000 लोगों को काटा है।

विवाद: भाजपा की पूर्व प्रवक्ता हाईकोर्ट में जज

मुंबई। कांग्रेस और राकांपा (शरदचंद्र पवार) के नेताओं ने वकील आरती साठे की मुंबई उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति पर मंगलवार को आपत्ति जताते हुए दावा किया कि वह महाराष्ट्र भाजपा की प्रवक्ता रह चुकी हैं जो न्यायिक प्रणाली की निष्पक्षता को प्रभावित करेगा। विपक्ष के दावे को खारिज करते हुए भाजपा की राज्य इकाई के मुख्य प्रवक्ता केशव उपाध्याय ने कहा कि साठे ने पिछले साल पार्टी से इस्तीफा दे दिया था।

विपक्ष के हंगामे के बीच गोवा में एसटी के लिए सीट आरक्षित करने का विधेयक पारित

नई दिल्ली, एजेंसी

• विपक्षी सांसदों ने एसआईआर के विरोध में जमकर की नारेबाजी

विपक्षी दलों के सांसदों ने बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर मंगलवार को भी लोकसभा में हंगामा किया, जिससे सदन की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद अपराह्न 2.15 बजे दिनभर के लिए स्थगित हो गई। हंगामे के बीच ही 'गोवा राज्य, सभा निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जनजाति प्रतिनिधित्व का पुनः समायोजन विधेयक, 2024' को चर्चा एवं पारित करने के लिए प्रस्तुत किया। इसमें गोवा विधानसभा में अनुसूचित जनजाति के लिए सीट आरक्षित करने का प्रावधान है। सदन ने कुछ मिनट के अंदर विपक्ष के संशोधन खारिज करते हुए शोरशराबे के बीच ही विधेयक को मंजूरी दे दी। पीठासीन सभापति संध्या राय ने विपक्षी दलों से शांत रहने का आग्रह किया, लेकिन हंगामा न थमने पर बैठक बुधवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दी। इससे पहले सुबह 11 बजे सदन आरंभ होने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने तीन पूर्व सदस्यों शिबू सोरेन, तिलकधारी प्रसाद सिंह और रामरती बिंद के निधन के बारे में सूचित किया और उनके राजनीतिक जीवन का संक्षिप्त विवरण दिया।

राज्यसभा में विपक्ष के हंगामे के बीच अपनी बात रखते केंद्रीय मंत्री किरेन रिजीजू।

राज्यसभा : मणिपुर में राष्ट्रपति शासन बढ़ाने संबंधी प्रस्ताव पारित

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण सहित कई मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण मंगलवार को राज्यसभा की बैठक एक बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बज कर पंद्रह मिनट पर पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामे के बीच ही मणिपुर में राष्ट्रपति शासन छह महीने और बढ़ाने के प्रावधान वाले सांविधिक संकल्प को ध्वनिमत से मंजूरी दी गई। लोकसभा इसे पहले ही मंजूरी दे चुकी है।

सदन की बैठक पूर्वाह्न 11 बजे जब शुरू हुई तो बीते सप्ताह राज्यसभा में सदन के अंदर मार्शलों की जगह सीआईएसएफ के जवानों की तैनाती तथा बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण

सहित विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों ने हंगामा किया। उपसभापति हरिवंश और सरकार दोनों ने ही सदन में मार्शलों की जगह सीआईएसएफ की तैनाती संबंधी विपक्ष का दावा सिरे से खारिज कर दिया। हरिवंश ने सदन को सूचित किया कि नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बीते सप्ताह राज्यसभा में सीआईएसएफ की तैनाती को लेकर उन्हें पत्र लिखा था। उन्होंने अफसोस जताया कि खरगे का वह पत्र मीडिया के पास पहुंच गया। इसी दौरान विपक्षी दलों के सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। हरिवंश ने इन सदस्यों से शांत रहने और उनकी बात सुनने की अपील की। उन्होंने कहा आपको आसन का पक्ष सुनना चाहिए। हरिवंश ने कहा कि सदन में बार-बार व्यवधान उत्पन्न किए जा रहे हैं और यह सवाल उठाया कि नारेबाजी करना, आसन के समक्ष आना और अन्य सदस्यों को बाधित करना कैसे लोकतांत्रिक विरोध का हिस्सा हो सकता है। खरगे ने कहा कि उन्होंने पत्र की जानकारी सदस्यों के हित में प्रेस नोट के जरिए साझा की। उन्होंने उन्होंने सवाल किया, सीआईएसएफ को सदन में लाया जा रहा है। क्या हम आतंकवादी हैं।

बड़ी परियोजनाओं को पूर्व पर्यावरणीय मंजूरी से छूट का केंद्र का फैसला रद्द

अगली पीढ़ी के लिए सुरक्षित रहने चाहिए प्राकृतिक संसाधन: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की 29 जनवरी की अधिसूचना को मंगलवार को बरकरार रखा, लेकिन बड़ी इमारत एवं निर्माण परियोजनाओं को पूर्व पर्यावरणीय मंजूरी से छूट देने वाला उसका विवादास्पद उपबंध खारिज कर दिया।

प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि 20,000 वर्ग मीटर से अधिक निर्मित क्षेत्र वाली परियोजनाओं को, चाहे वे औद्योगिक हों, शैक्षणिक हों या अन्य, पर्यावरण प्रभाव आकलन 2006 व्यवस्था से छूट नहीं दी जा सकती। शीर्ष कोर्ट स्पष्ट किया कि यह अधिसूचना केरल पर भी लागू होगी। सीजेआई ने आदेश सुनाते हुए कहा, यह लगातार माना गया है कि प्राकृतिक संसाधन को अगली पीढ़ी के लिए सुरक्षित रखा जाना चाहिए। साथ ही, अदालतों ने हमेशा विकास गतिविधियों को भी ध्यान में रखा है और देश इसके बिना प्रगति नहीं कर सकता।

सीजेआई ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने हमेशा सतत विकास पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने कहा, "अदालत ने यह सुनिश्चित करते हुए कि विकास की अनुमति दी जाए, यह भी आवश्यक सावधानी बरती है कि पर्यावरण को कम से कम नुकसान हो और यहां तक कि ऐसी विकास गतिविधियों के लिए भरपायी करने का भी आदेश दिया है।

पीसीबी पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति कर सकते हैं लागू

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में पर्यावरणीय क्षति के लिए प्रतिपूर्ति और प्रतिपूरक हर्जाना लगाने के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारों को बरकरार रखा और कहा कि रोकथाम एवं निवारक उपाय पर्यावरणीय प्रशासन के अधीन होने चाहिए। न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि जल अधिनियम और वायु अधिनियम के प्रावधानों के तहत प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड संवैधानिक और वैधानिक रूप से वास्तविक या संभावित पर्यावरणीय क्षति के लिए हर्जाना लगाने का अधिकार रखते हैं। न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने फैसले में लिखा, भारतीय पर्यावरण कानूनों को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों पर विचार करने के बाद कहा, हमारा मानना है कि जल और वायु अधिनियमों के तहत शक्तियों का प्रयोग करने वाले पर्यावरण नियामक यानी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड पर्यावरणीय क्षति रोकने के लिए निश्चित राशि के रूप में क्षतिपूर्ति या प्रतिपूरक हर्जाना लगा सकते हैं और वसूल सकते हैं या पूर्व उपाय के रूप में बैंक गारंटी प्रस्तुत करना आवश्यक कर सकते हैं।

धर्मार्थ संस्था पर वाद के लिए पूर्व अनुमति जरूरी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि दीवानी प्रक्रिया संहिता के सार्वजनिक धर्मार्थ संस्थाओं से संबंधित प्रावधान के तहत वाद दायर करने के लिए अदालत की पूर्व अनुमति आवश्यक है, क्योंकि यह कदम जनहित में और सार्वजनिक लाभार्थियों की ओर से शुरू किया जाता है। शीर्ष अदालत ने कानूनी मुद्दों पर दिशा-निर्देश जारी किए और उस अपील को खारिज कर दिया, जो 1860 के सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम के तहत पंजीकृत एक सोसाइटी द्वारा दायर की गई थी। इस अपील में सीपीसी की धारा 92 के तहत उस वाद की पोषणीयता को चुनौती दी गई थी, जो सोसाइटी के खिलाफ दायर किया गया था। सीपीसी की धारा 92 सार्वजनिक धर्मार्थ या धार्मिक ट्रस्ट से संबंधित मुकदमों से संबंधित है और यह उन मामलों में कानूनी कार्रवाई की अनुमति देती है, जहां भरोसा तोड़ने या ट्रस्ट के प्रशासन के लिए अदालत के निर्देश की आवश्यकता होती है।

सिर्फ आचरण के आधार पर दोषसिद्धि उचित नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हत्या के मामले में एक व्यक्ति को बरी करते हुए मंगलवार को कहा कि ठोस और विश्वसनीय साक्ष्य के अभाव में केवल आरोपी के आचरण के आधार पर दोषसिद्धि को उचित नहीं ठहराया जा सकता। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जनवरी के आदेश के विरुद्ध आरोपी की अपील स्वीकार कर ली। पीठ ने कहा, संक्षेप में कहा जाए तो, ठोस और विश्वसनीय साक्ष्य के अभाव में केवल आरोपी का आचरण ही दोषसिद्धि को उचित नहीं ठहरा सकता।" निचली अदालत ने आरोपी को हत्या का दोषी ठहराया था, लेकिन उच्च न्यायालय ने अपराध को गैर-इरादतन हत्या में बदल दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि उच्च न्यायालय का फैसला कई आधार पर "गलत" था। पीठ ने कहा, पहली गलती यह थी कि उच्च न्यायालय ने रिकॉर्ड पर मौजूद चिकित्सा साक्ष्य की विस्तार से जांच की और फिर अपीलकर्ता द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी की विषय-वस्तु के साथ सीधे उसकी पुष्टि करने की कोशिश की।

बेबस महिलाओं के यौन उत्पीड़न संबंधी मामलों में संवेदनशील बनें अदालतें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को असहाय महिलाओं के यौन उत्पीड़न के मामलों में संवेदनशीलता बरतने की आवश्यकता पर जोर दिया और यौन अपराधों से बच्चों की रोकथाम (पॉक्सो) के मामले में एक व्यक्ति की सजा बरकरार रखी। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने कहा कि निचली अदालत द्वारा दोषसिद्धि और दी गई सजा को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय का बरकरार रखना पूरी तरह से न्यायोचित था। पीठ ने कहा, "असहाय महिला से जुड़े यौन उत्पीड़न के आरोपों से निपटते समय अदालत को संवेदनशील बने रहना चाहिए।" शीर्ष अदालत ने फैसले में अपने पिछले निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि बलात्कारी "न केवल पीड़िता की निजता और सम्मान को चोट पहुंचाता है, बल्कि इस प्रक्रिया में अनिवार्य रूप से गंभीर मनोवैज्ञानिक और शारीरिक नुकसान भी पहुंचाता है।

ग्रेटर नोएडा के युवक के एकाउंट में जमा हुए 11.13 लाख करोड़ रुपये, बैंक ने कहा- ऐप में हुई गड़बड़ी

नोएडा। दनकौर के निवासी दिलीप उस समय हैरान रह गए जब उनके खाते में 14 अंकों की रकम जमा हो गई। हालांकि, उनकी यह खुशी ज्यादा देर तक नहीं चली।

एक अगस्त को, 20 वर्षीय दिलीप को एक संदेश मिला कि उनके बैंक खाते में 11.13 लाख करोड़ रुपये जमा हुए हैं। बेरोजगार दिलीप दौड़े-दौड़े अपने बैंक गए, जहां उन्हें बताया गया कि यह अप्रत्याशित धनराशि नावी यूपीआई ऐप में हुई गड़बड़ी के कारण जमा हुई और उनके खाते में अब भी एक भी पैसा नहीं है। दिलीप ने दो महीने पहले ही एक निजी बैंक में खाता खुलवाया था। उनके माता-पिता नहीं हैं।

असम: 105 करोड़ के घोटाले में पूर्व आईएएस अफसर के ठिकानों पर ईडी छापे

गुवाहाटी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने असम राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) में 105 करोड़ रुपये के कथित घोटाले के सिलसिले में मंगलवार को सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सेवाली देवी शर्मा और अन्य के खिलाफ छापेमारी की।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि एससीईआरटी की पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष एवं निदेशक शर्मा एवं उनके कुछ कथित सहयोगियों के कम से कम आठ परिसरों पर धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत छापे मारे गए। धनशोधन का यह मामला असम के मुख्यमंत्री के विशेष सतर्कता प्रकोष्ठ के निर्देश पर पुलिस द्वारा मई 2023 में दर्ज की गई एक प्राथमिकी पर आधारित है। शिकायत दर्ज होने के कुछ दिन बाद ही असम पुलिस ने उन्हें राजस्थान से गिरफ्तार किया था। सूत्रों के अनुसार, शर्मा के खिलाफ पुलिस ने 5.7 करोड़ रुपये की आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोप में आरोपपत्र दाखिल किया था।

ऑपरेशन सिंदूर के लिए राजग ने मोदी को किया सम्मानित

राजग के संसदीय दल की बैठक में भाग लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। एजेंसी

नई दिल्ली, एजेंसी

• बेजोड़ साहस के लिए सशस्त्र बलों की भी की गई प्रशंसा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसदों को मंगलवार को एक साल के बाद संबोधित करते हुए स्वाभाविक और जैविक गठबंधन के रूप में पहचान स्थापित करने पर जोर दिया। मोदी ने कहा, भाजपा और सहयोगी दलों को सत्तारूढ़ गठबंधन के हिस्से के रूप में कई क्षेत्रों में ताकत से परे जाकर कार्यक्रमों में हिस्सा लेना चाहिए।

मंगलवार को हुई राजग की बैठक में मोदी को पहलगाम हमले के बाद भारत की प्रतिक्रिया को व्यवस्थित करने में उनके असाधारण नेतृत्व के लिए सम्मानित किया गया और एक प्रस्ताव में ऑपरेशन सिंदूर और महादेव के दौरान सशस्त्र बलों की भी उनके बेजोड़ साहस और अटूट प्रतिबद्धता के लिए प्रशंसा की गई। मोदी ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह उनके मंत्रालय में सबसे लंबे समय तक रहने वाले मंत्री बन गए हैं, उन्होंने 1998 में राजग के सह-संस्थापक भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को पीछे छोड़ दिया है। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने बाद में बताया कि प्रधानमंत्री ने राजग की सफल यात्रा के संदर्भ में बात की और कहा कि 2019 में दूसरी बार सरकार बनने के बाद से शाह 6 साल 65 दिन से गृह मंत्री हैं। उनके कार्यकाल में अनुच्छेद 370 को हटाना और सफल नक्सल विरोधी अभियान हैं।

ब्रह्मोस से बराक-1 तक भारत का युद्ध कवच बनेगा मजबूत

रक्षा खरीद परिषद ने 67000 करोड़ रुपये की ड्रोन और मिसाइल परियोजनाओं को दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को लंबी दूरी तक उड़ान भरने वाले ड्रोन और मिसाइल प्रणालियों की खरीद समेत प्रमुख सैन्य परियोजनाओं को मंजूरी दे दी, जिनपर लगभग 67,000 करोड़ रुपये की लागत आयेगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा खरीद परिषद (डीएसी) ने इन परियोजनाओं को मंजूरी दी, जिनका लक्ष्य भारत की सैन्य क्षमता को बढ़ाना है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि डीएसी ने लगभग 67,000 करोड़ रुपये की लागत के विभिन्न प्रस्तावों को मंजूरी दी।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि भारतीय नौसेना के लिए 'कॉम्पैक्ट ऑटोनॉमस सरफेस क्राफ्ट', 'ब्रह्मोस फायर कंट्रोल सिस्टम' और 'लांचर' की खरीद और 'बराक-1 प्वाइंट डिफेंस मिसाइल सिस्टम' के उन्नयन को मंजूरी दी गई। इसने

कहा कि 'कॉम्पैक्ट ऑटोनॉमस सरफेस क्राफ्ट' की खरीद से भारतीय नौसेना को पनडुब्बी-रोधी युद्ध अभियानों में खतरों का पता लगाने, उनका वर्गीकरण करने और उन्हें बेअसर करने की क्षमता मिलेगी। इसने कहा कि भारतीय वायुसेना के लिए, पर्वतीय रडार की खरीद और सक्षम/स्पाइडर हथियार प्रणाली के उन्नयन को मंजूरी दी गई।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि पर्वतीय रडार की खरीद से पर्वतीय क्षेत्र में सीमाओं पर नजर रखने के साथ-साथ हवाई निगरानी क्षमता में वृद्धि होगी। इसने कहा कि एकीकृत वायु कमान और नियंत्रण प्रणाली के साथ एकीकरण के लिए सक्षम/स्पाइडर प्रणाली के उन्नयन से वायु रक्षा क्षमता में वृद्धि होगी। मंत्रालय ने कहा कि तीनों सेनाओं के लिए मध्यम ऊंचाई पर लंबी दूरी के (मेल) 'रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट (आरपीए)' की खरीद के लिए 'आवश्यकता की स्वीकृति' या प्रारंभिक स्वीकृति भी प्रदान की गई। प्रस्तावित 'मेल आरपीए' कई सामग्री और हथियार ले जा सकते हैं तथा लंबी दूरी के मिशनों के लिए लंबी दूरी पर काम कर सकते हैं। त्रालय ने एक बयान में कहा कि इससे सशस्त्र बलों की चौबीसों घंटे निगरानी और युद्ध क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

नाइट साइट से लैस होंगे लड़ाकू वाहन

इसके अलावा, डीएसी ने सी-17 और सी-130जे बेड़े के रखरखाव के लिए प्रारंभिक स्वीकृति और एस-400 लंबी दूरी की वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली के व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध को भी मंजूरी दी है। भारतीय सेना के लिए, बीएमपी इंफैंट्री (पैदल सेना) लड़ाकू वाहनों के लिए 'थर्मल इमेजर-आधारित ड्राइवर नाइट-साइट (बहुत कम रोशनी में देखने में मददगार यंत्र)' की खरीद के लिए प्रारंभिक स्वीकृति प्रदान की गई। मंत्रालय ने कहा कि इससे बीएमपी की रात्रिकालीन ड्राइविंग क्षमता बढ़ेगी।

सड़कों का हाल

हैदराबाद में बंजारा हिल्स में नाले पर बनी रोड नंबर 1 धंसने से पानी का एक टैंकर उसमें समा गया। एजेंसी

बंगाल: भाजपा नेता शुभेंदु के काफिले पर हमला

कूचबिहार, एजेंसी

प. बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर कूचबिहार जिले में प्रदर्शन के दौरान टीएमसी कार्यकर्ताओं ने हमला किया, जिससे जिले के खगराबाड़ी इलाके में तनाव फैल गया। जिस वाहन में अधिकारी और पूर्व केंद्रीय मंत्री निशिथ प्रमाणिक बैठे थे, उसके बुलेटप्रूफ शीशे तोड़ दिए गए। एक पुलिस वाहन की खिड़की के शीशे टूट गए। हालांकि, टीएमसी ने इन आरोपों को नाटक करार दिया।

कूचबिहार में एसपी कार्यालय के बाहर भाजपा की रैली और प्रदर्शन का नेतृत्व करने तथा एसपी

• तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर लगाया हमले का आरोप

को ज्ञापन सौंपने के लिए शुभेंदु अधिकारी उत्तर बंगाल जिले की यात्रा पर थे। टीएमसी कार्यकर्ताओं ने भाजपा शासित राज्यों में बंगालियों के उत्पीड़न और एनआरसी लागू करने के प्रयास का विरोध करने के लिए 19 स्थानों पर धरना दिया। इनमें से अधिकतर अधिकारी के रास्ते में थे।

इंडिया गठबंधन ने कहा- राहुल पर कोर्ट की टिप्पणी अनुचित

नई दिल्ली, एजेंसी

• विपक्ष ने कहा- विफल सरकार को जवाबदेह ठहराना नैतिक कर्तव्य

विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों को मंगलवार को ''अनुचित'' करार दिया और कहा कि राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर टिप्पणी करना राजनीतिक दलों की ज़िम्मेदारी है।

विपक्ष के कई दलों के सदन के नेताओं ने सुबह संसद परिसर में बैठक की जिसमें सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों पर चर्चा की गई। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी मौजूद थे। कांग्रेस ने एक बयान में कहा कि 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों के सभी नेता इस बात पर सहमत थे कि एक न्यायाधीश ने असाधारण टिप्पणी की है जो राजनीतिक दलों के लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए अनुचित है।

बयान में कहा गया है, राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर टिप्पणी करना राजनीतिक दलों, खासकर विपक्ष के नेता की ज़िम्मेदारी है। मुख्य विपक्षी दल ने कहा, जब कोई सरकार हमारी सीमाओं की रक्षा करने में इतनी बुरी तरह विफल हो जाती है, तो उसे जवाबदेह ठहराना हर नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। राहुल गांधी ने इस मौके पर कहा कि वे मिलकर जनहित से जुड़े मुद्दे संसद में उठाते रहेंगे।

न्यायाधीश तय नहीं करेंगे कौन सच्चा भारतीय

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने उच्चतम न्यायालय द्वारा राहुल गांधी के सेना से संबंधित एक बयान को लेकर नाखुशी जताए जाने के एक दिन बाद मंगलवार को कहा कि कोई न्यायाधीश अथवा न्यायपालिका यह तय नहीं कर सकते कि कौन सच्चा भारतीय है। उन्होंने यह भी कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष होने के कारण राहुल गांधी का यह कर्तव्य है कि वह सरकार से सवाल पूछें। प्रियंका गांधी ने यह भी कहा कि उनके भाई सेना का बहुत सम्मान करते हैं, लेकिन उनकी टिप्पणी को गलत ढंग से उद्धृत किया गया। शीर्ष अदालत ने दिसंबर 2022 में 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान सेना के बारे में की गई टिप्पणी को लेकर लखनऊ की एक अदालत में राहुल के खिलाफ जारी कार्यवाही पर सोमवार को रोक लगा दी। हालांकि, न्यायालय ने लोकसभा में विपक्ष के नेता से नाखुशी जाहिर करते हुए कहा कि अगर वह सच्चे भारतीय हैं, तो ऐसी बात नहीं कहेंगे। प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, कौन सच्चा भारतीय है और कौन नहीं, यह तय करना न्यायपालिका के दायरे में नहीं आता। यह कोई न्यायाधीश तय नहीं करेंगे। मैं यह बात न्यायपालिका का पूरा सम्मान करते हुए कह रही हूं।

मप्र के कुबरेश्वर धाम में भीड़ के दौरान झड़प, दो की मौत

सीहोर, एजेंसी

• कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा से जुड़ा हुआ है कुबरेश्वर धाम

• क्षमता से अधिक लोगों के आने से फैली अव्यवस्था

मध्यप्रदेश के सीहोर जिले में स्थित कुबरेश्वर धाम में मंगलवार को भीड़ बढ़ने के बाद हुई झड़प में दो लोगों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना दोपहर 12 बजे हुई जब कांवड़ यात्रा में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्र हुए थे।

कुबरेश्वर धाम प्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा से जुड़ा हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बुधवार को कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया था, जिसके लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु धाम पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि क्षमता से अधिक लोगों के पहुंचने के बाद कुछ लोगों में कथित तौर पर झड़प हो गई जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) सुनीता रावत ने दो लोगों की मौत की पुष्टि करते हुए कहा कि उनकी पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। मौके पर पुलिस तैनात कर दी गई है।

अमृत विचार

बुधवार, 6 अगस्त 2025

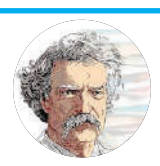

अगर आप सच बोलते हैं तो आपको कुछ भी याद रखने की जरूरत नही है। – मार्क ट्वेन

आपदा और आफत

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में बादल फटने की भयावह घटना स्थानीय लोगों के लिए बड़ी आपदा बनकर आई है। अथाह जल राशि के तेज वेग के साथ बहकर आए मलबे में पलक झपकते ही सारा इलाका तबाह हो गया। मकान ताश के पत्तों की तरह ढह गए। बाजार, बस्ती, इंसान और मवेशी सभी बह गए। पहाड़ों पर पिछले कुछ समय से बादल फटने की बढ़ती घटनाएं लगातार विचलित कर रही हैं। ऐसे प्राकृतिक हादसे अधिकतर मानसून की बारिश में ही होते हैं। बादल फटने का मतलब होता है, सीमित अंतराल और दायरे में अचानक काफी भारी बारिश होना। इसके पीछे भौगोलिक और परिस्थितिजन्य कारणों के अलावा विशेषज्ञ जलवायु परिवर्तन, अनियोजित विकास, अवैध निर्माण, जंगलों की आग, पेड़ों की अंधाधुंध कटान और कचरा जलाने को जिम्मेदार ठहराते हैं। वजह कुछ भी हो, बादल फटने से जीवन और संपत्ति का जिस तरह बड़ा नुकसान उठाना पड़ता है, उसे देखते हुए जरूरी हो गया है कि ऐसी घटनाओं की रोकथाम के उपाय खोजने के साथ लोगों को पहले से अलर्ट करने वाले इंतजाम खोजने ही पड़ेंगे। हालांकि बरसात का मौसम केवल पहाड़ों के लिए आफत भरा है, ऐसा भी नहीं है।

मुसीबत मैदानी इलाकों में भी कम नहीं है, जहां कुछ घंटे की बारिश में सारा विकास धुल जाता है, जगह-जगह पानी भर जाता है। कहीं सड़क तो कहीं पुल-पुलिया बह जाती है। सब कुछ डूब जाता है। नाले-नाली और रोड के बीच का फर्क खत्म हो जाता है। यह कहानी हर साल की तब है, जब शहरों में जल निकासी को लेकर लाखों-करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं। सीवेज लाइन, नालियां बनाई जाती हैं। हर बार दावा किया जाता है कि अबकी बारिश में जलभराव नहीं होगा। फौरी तौर पर लगता भी है कि समस्या का समाधान हो गया है, लेकिन जरा सा ज्यादा पानी बरसने पर जल निकासी के प्रबंध पूरी तरह फेल हो जाते हैं या नाला-नाली की सफाई में हुई लापरवाही की भेंट चढ़ जाते हैं। एक और बड़ी बेपरवाही यह भी है कि हर कहीं नगर निगम, पालिका या जल, विद्युत और सड़क निर्माण विभाग अलग-अलग काम करते हैं। इसके चलते सड़कें बनते ही फिर खोद दी जाती हैं। सीवेज और ड्रेनेज सिस्टम को बर्बाद होने का यह भी बड़ा कारण है। दरअसल, शहरों में नई और ऊंची इमारतें तो धड़ल्ले से बन रही हैं, लेकिन ड्रेनेज मैनेजमेंट या सिस्टम को लेकर कोई खास काम नहीं हो रहा है, जबकि हर शहर की आबादी, रियायशी इलाकों और कम से कम आगे के 30 सालों की परिस्थिति आकलन करके योजना तैयार की जानी चाहिए। वर्ना बादल फटने जैसी घटना तो कुछ हद तक प्राकृतिक आपदा कही जा सकती है लेकिन शहरों को डुबाने का गुनाह तो हमारा ही है। बाढ़ से निपटने के लिए जल निकासी की मजबूत व्यवस्था बनाने के लिए अगर जिम्मेदार गंभीर नहीं होंगे तो बरसात का मौसम आफत बनकर जन-जीवन की मुश्किलें बढ़ाता ही रहेगा।

प्रसंगवश

वनाधिकार कानून के पालन में पिछड़ा राजस्थान

राजस्थान 19 साल बाद भी वनाधिकार कानून के पालन करने और आदिवासियों को उनकी जमीन का हक देने में पीछे है। अपने लचर प्रदर्शन के कारण वह टॉप 10 में भी नहीं है। प्रदेश के आदिवासी अभी भी अपने ही जंगलों में मेहमान की तरह जीवन जीने को मजबूर हैं। देश में वनाधिकार कानून 2006 को लागू हुए 19 साल हो चुके हैं, लेकिन राजस्थान में आदिवासी अभी भी अपने ही जंगलों में मेहमान की तरह जीवन जीने को मजबूर हैं। आंकड़ों के मुताबिक,

अमित बैजनाथ गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार

राजस्थान में इन 19 सालों में केवल 51,766 वन अधिकार पट्टे ही वितरित किए गए हैं, जिनमें से 49,215 व्यक्तिगत और मात्र 2,551 सामुदायिक अधिकार हैं।

ये आंकड़े दर्शाते हैं कि यहां के आदिवासी अब भी अपने कानूनी अधिकार पाने में बहुत पीछे हैं, जबकि मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और ओडिशा जैसे राज्य आदिवासियों को कानूनी हक देने में काफी आगे बढ़ चुके हैं। देश में वनाधिकार के पट्टों के लिए दावों के निपटारे में सबसे अधिक 65 प्रतिशत दावों को मंजूरी देकर ओडिशा पहले पायदान पर है। वहीं केरल में 64.69 प्रतिशत और त्रिपुरा में 63.79 प्रतिशत मामलों में वन पट्टे प्रदान किए गए हैं। चौथे नंबर पर झारखंड है, जहां 55.95 प्रतिशत मामलों में वन पट्टे वितरित कर दिए गए हैं। अपने लचर प्रदर्शन के कारण राजस्थान टॉप 10 में भी नहीं है।

वन अधिकार अधिनियम (एफआरए) का उद्देश्य आदिवासी समुदायों और वन्य-वन (ओटीएफडी) के साथ हुए अन्याय को दूर करना, उनकी भूमि पर स्वामित्व, आजीविका और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना और वनों के संरक्षण की व्यवस्था को मजबूत करना है। साल 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को वन अधिकार अधिनियम के तहत दावों की अस्वीकृति की समीक्षा करने का निर्देश दिया था। 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान में 13 प्रतिशत से अधिक आदिवासी आबादी है। यह आबादी राज्य के अधिकांश दक्षिण जिलों उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, सिरोही और चित्तौड़गढ़ में निवास करती है। वन अधिकार अधिनियम एक अहम कानून है, जो यह सुनिश्चित करता है कि सामुदायिक अधिकारों और व्यक्तिगत अधिकारों के संदर्भ में आदिवासी समुदायों और ओटीएफडी के अधिकारों की रक्षा की जाए। राजस्थान सरकार के आंकड़ों के अनुसार, उसे कुल 99,506 दावे प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 43,326 खारिज कर दिए गए हैं। वहीं अब तक 40,015 स्वीकृत किए गए हैं और 16,165 लंबित चल रहे हैं।

वहीं राजस्थान में 310,151 एकड़ वन भूमि पर आदिवासियों को अधिकार दिया गया है, जो सुनने में एक बड़ा आंकड़ा लगता है। पर यह उन आदिवासियों के लिए बहुत कम है, जो राजस्थान में पीढ़ियों से जंगल पर निर्भर हैं। महाराष्ट्र में 38.32 लाख एकड़ और मध्य प्रदेश में 23.67 लाख एकड़ वन भूमि पर आदिवासियों को अधिकार दिए गए हैं। इससे यह सवाल उठता है कि क्या आदिवासियों के जीवन, उनकी संस्कृति और परंपराओं की कोई अहमियत है? क्या यही है जनजाति सशक्तिकरण, जिसका वादा सरकारें करती हैं।

वहीं राजस्थान में आदिवासी छात्रों को दी जाने वाली प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्तियों की स्थिति भी चिंताजनक है। 2022-23 में जहां 2.36 लाख छात्रों को पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति मिली थी, वहीं 2023-24 में यह घटकर 1.68 लाख रह गई। इस बारे में आदिवासी संगठन पूछते हैं कि यह गिरावट क्या प्रशासनिक उदासीनता का परिणाम है या फिर बजट की कमी की वजह से हो रही है? केंद्र सरकार के अनुसार, देश भर में बैकलॉग के 1.15 लाख एसटी पद भरे जा चुके हैं, लेकिन राजस्थान में इसका कोई स्वतंत्र डाटा उपलब्ध नहीं है। राज्य सरकार की यह चुप्पी आदिवासियों के अधिकारों की ओर गंभीरता की कमी को दर्शाती है। केरल में ट्राइबल प्लस योजना के तहत आदिवासियों को अतिरिक्त रोजगार मिल रहा है। वहीं राजस्थान में ऐसी कोई योजना शुरू नहीं हुई है।

हिरोशिमा की राख से उठते कुछ सवाल

हिरोशिमा दिवस आज

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

6 अगस्त 1945, इतिहास में यह तारीख उस भयावह क्षण के रूप में अंकित है, जब विज्ञान की शक्ति ने मानवता की सीमा लांघ दी थी और विनाश का नया अध्याय शुरू हुआ था। यही वह दिन था, जब अमेरिका ने जापान के शांत और सांस्कृतिक शहर हिरोशिमा पर 'लिटिल ब्वाय' नामक परमाणु बम गिराया था। उस एक विस्फोट ने लगभग एक लाख चालीस हजार लोगों की जान ले ली थी और लाखों अन्य को पीड़ा, विकलांगता, कैंसर, मानसिक संताप और सामाजिक बहिष्करण के लंबे दौर में धकेल दिया था। हिरोशिमा केवल एक शहर नहीं था, जो जलकर राख हुआ, वह मानव विवेक, चेतना और सहअस्तित्व की अवधारणा पर लगा एक ऐसा स्थायी घाव था, जो आज भी रिस रहा है।

हर साल 6 अगस्त को मनाया जाने वाला 'हिरोशिमा दिवस' पूरी दुनिया को यह याद दिलाता है कि जब वैज्ञानिक उपलब्धियां नियंत्रण से बाहर होती हैं तो वे मानव सभ्यता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन जाती हैं। हिरोशिमा पर गिराया गया बम कोई आम हथियार नहीं था। वह लगभग 15 किलोटन यानी 15 हजार टन टीएनटी विस्फोटक के बराबर शक्ति रखता था और उसकी विभीषिका ने केवल शहर की इमारतों को नहीं बल्कि वहां की मिट्टी, जल, वायु और मानव शरीर तक को रेडियोधर्मी विकिरण से बुरी तरह प्रभावित किया। बम विस्फोट के तुरंत बाद लगभग 80 हजार लोग मारे गए और वर्ष के अंत तक यह संख्या 1.4 लाख के पार पहुंच गई। वहां की संतानों में जन्म दोष, कैंसर, मानसिक विकार और सामाजिक कलंक के ऐसे दाग लगे, जो पीढ़ियों तक नहीं मिट सके।

परमाणु बम से बच निकले लोगों को जापान में 'हिबाकुशा' कहा गया। इन लोगों ने केवल शारीरिक पीड़ा ही नहीं, सामाजिक तिरस्कार और मानसिक आघात भी सहा। जिन लोगों ने त्रासदी झेली, उन्हें अक्सर हीन दृष्टि से देखा गया। यही त्रासदी कुछ ही दिन बाद, 9 अगस्त को नागासाकी में भी दोहराई गई, जब अमेरिका ने 'फैट मैन' नामक बम गिराया और एक बार फिर करीब 70 हजार लोगों की जानें चली गईं। उन दो हमलों के बाद द्वितीय विश्वयुद्ध भले ही समाप्त हुआ, लेकिन मानवता की चेतना पर जो चोट पड़ी, उसकी भरपाई आज तक नहीं हो पाई है। उन बम हमलों ने वैश्विक राजनीति को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया। उसके बाद युद्ध केवल सैनिकों और हथियारों का खेल नहीं रह गया बल्कि एक ऐसी होड़ में तब्दील हो गया, जिसमें विनाश की क्षमता को ही शक्ति का मानक माना जाने लगा।

हिरोशिमा और नागासाकी की विभीषिका के बाद परमाणु हथियारों की दौड़ शुरू हुई। अमेरिका के बाद सोवियत संघ, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल जैसे देशों ने परमाणु बम बनाए और धीरे-धीरे यह शस्त्र राजनीतिक शक्ति और रणनीतिक नियंत्रण का प्रतीक बन गया। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) और व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि (सीटीबीटी) जैसे प्रयासों के बावजूद परमाणु खतरा कम नहीं हुआ। कुछ देशों ने इन संधियों को स्वीकार नहीं किया, कुछ ने औपचारिकता निभाई और कुछ ने गुपचुप परमाणु जखीरा बढ़ाया।

भारत ने 1974 में 'स्माइलिंग बुद्धा' के नाम से पहला परमाणु परीक्षण किया और 1998 में पोखरण-2 द्वारा स्वयं को परमाणु संपन्न राष्ट्र के रूप में स्थापित किया। भारत ने 'नो फर्स्ट यूज' यानी पहले हमला नहीं करने की नीति अपनाई, जो एक जिम्मेदार परमाणु राष्ट्र की पहचान है, लेकिन पाकिस्तान, जिसने 1998 में अपने परमाणु परीक्षणों से ताकत दिखाई, बार-बार इस नीति को चुनौती देता रहा है। भारत-पाक के बीच जब-जब तनाव बढ़ा, चाहे वह कारगिल युद्ध हो, पठानकोट हमला हो, बालाकोट स्ट्राइक हो या पुलवामा अथवा पहलगाम जैसे आतंकी हमले, विश्व समुदाय ने परमाणु टकराव की आशंका के साथ चिंताओं का इजहार किया।

आज हिरोशिमा दिवस की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है, क्योंकि विश्व फिर से उन्हीं खतरों की छाया में जी रहा है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध, जिसमें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकियां दी गई हैं, इस बात को स्पष्ट करती हैं कि परमाणु बम केवल संग्रहालय की वस्तु नहीं हैं। उत्तर कोरिया का मिसाइल परीक्षण, ईरान का परमाणु कार्यक्रम, चीन का परमाणु शस्त्रागार बढ़ाने का प्रयास हमें बार-बार इस सच्चाई से अवगत कराते हैं कि हिरोशिमा जैसे दृश्य दोहराए जाने की आशंका कभी भी पैदा हो सकती है।

आज जब विश्व जलवायु परिवर्तन, वैश्विक महामारी, जैविक हथियारों और साइबर युद्ध जैसी नई चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब परमाणु हथियारों का अस्तित्व एक ऐसा छिपा हुआ विस्फोटक है, जो केवल एक गलत निर्णय, एक तकनीकी विफलता या एक गलतफहमी से ही धरती को विनाश के गर्त में धकेल सकता है। कई विशेषज्ञ मानते हैं कि हम अब परंपरागत युद्धों की नहीं बल्कि 'साइबर स्पेस', 'ड्रोन स्ट्राइक्स' और 'परमाणु धमकी' जैसे अस्थिर और अनिश्चित युद्धों के युग में प्रवेश कर चुके हैं।वर्ष 2021 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा परमाणु हथियारों को प्रतिबंधित करने के लिए 'ट्रीटी ऑन द प्रोहिबिशन ऑफ न्यूक्लियर वेपन्स' पारित की गई।

आज हिरोशिमा दिवस की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है, क्योंकि विश्व फिर से उन्हीं खतरों की छाया में जी रहा है।

आमने

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण का काम अत्यंक चिंताजनक है और इस पर संसद में चर्चा कराने की मांग करते हुए सरकार से सवाल पूछे जा रहे हैं लेकिन सरकार जवाब देने को तैयार नहीं है, इसलिए हथकंडे अपनाने पड़ रहे हैं। सरकार को संसद में जवाब देना चाहिए।

सामने

राज्यसभा में सदन के नेता जे. पी. नड्डा ने मंगलवार को कांग्रेस सदस्यों पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रभावी विपक्ष बनने के लिए उन्हें ट्यूशन लेनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस अगले कुछ दशकों तक सत्ता से बाहर रहेगी। नड्डा ने विपक्ष पर 'अराजक' होने का भी आरोप लगाकर कहा- राज्यसभा में सभापति की अनुमति से बोल रहे सदस्यों को बाधित करना लोकतंत्र नहीं है।

स्त्री-स्वास्थ्य नीतिगत दोलन का शिकार

जय प्रकाश पांडेय
स्वतंत्र लेखक

हम एक ऐसी राष्ट्र-कल्पना में जी रहे हैं, जिसकी सांस्कृतिक चेतना स्त्री को मातृ रूप में प्रतिष्ठित करती है, किंतु विडंबना यह है कि राष्ट्र की यही मातृ रूपा प्रतीक-संरचना, स्वयं उसी स्त्री की अवहेलना में अपनी जड़ें खोजती है। परिणाम स्वरूप, जहां 'माता' शब्द ध्वनि की पवित्रतम आवृत्ति में गूंजता है, किंतु जब उसी 'मां' के हीमोग्लोबिन की चर्चा आती है, तो नीति-पत्रों की गलियों में 'अस्थायी सुझाव' का बोर्ड लटकता दिखता है। इस प्रकार यह प्रतीकात्मक राष्ट्रवत्ता अपने आदर्श से ही पहला विचलन प्राप्त करती है और यह चेतना, जो मां को पूज्य मानती है, उसी मां की वास्तविक सामाजिक उपस्थिति से मुंह मोड़ लेती है।

स्त्री-स्वास्थ्य का विमर्श भारत में आज भी एक ऐसी नीतिगत दोलन अवस्था में है, जहां जनसंख्या नियंत्रण और मातृत्व प्रोत्साहन दो परस्पर-विरोधी ध्रुव नहीं, बल्कि दो वैकल्पिक आंकड़े हैं, जिनके बीच स्त्री की देह एक अनुपस्थित इकाई की तरह झूलती रहती है। जिस शरीर को राज्य, जनसंख्या रेखाओं के ग्राफ़ में नियोजित करता है, उसी शरीर की थकान, पीड़ा और पुनर्निर्माण का कोई स्वतंत्र विमर्श नहीं है। विडंबना यह है कि इस अपूर्ण और लक्ष्य केंद्रित विमर्श को ही हम 'स्वास्थ्य नीति' के नाम से स्वीकृति देते हैं, मानो किसी भी संस्थान की उपस्थिति मात्र ही उसकी न्याय संगतता का प्रमाण हो।

हमें बताया जाता है कि नीतियां मौजूद हैं- जननी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मिशन इंद्र धनुष और हम सहर्ष मान भी लेते हैं, क्योंकि योजनाओं के नाम बड़े सुंदर और श्रद्धास्पद होते हैं। पर थोड़ी देर में समझ आता है कि इन सभी योजनाओं की परिधि वहीं तक है जहां तक स्त्री की देह मातृत्व के लिए उपयोगी मानी जाती है। नीति मानो यह संकेत देती है- 'हम तुम्हारी तब तक चिंता करेंगे, जब तक तुम्हारे भीतर कोई जनगणनात्मक संभावना पल रही हो, उसके बाद तुम्हारा शरीर हमारी दृष्टि से बाहर, तुम्हारा निजी मामला है'। किशोरावस्था, रजोनिवृत्ति, मानसिक स्वास्थ्य या वृद्धावस्था, ये सब स्त्री-जीवन के ऐसे चरण हैं, जो नीति की दृष्टि में शायद 'अवकाश प्राप्त विषय' माने जाते हैं। उनकी चर्चा करना न तो चुनावी भाषणों में उपयुक्त होता है, न बजट की घोषणाओं में शोभनीय। यही कारण है कि स्त्री के संपूर्ण जीवन-चक्र को समझने की कोई संस्थागत जिज्ञासा नहीं बन पाती।

स्त्री के जीवन चक्र को जब तक नीतिगत संरचनाओं में खंडित कर अर्थात किशोरावस्था, मातृत्व, रजोनिवृत्ति और वृद्धावस्था जैसी अवस्थाओं में पृथक-पृथक वर्गीकृत कर देखा जाएगा, तब तक कोई भी स्वास्थ्य कार्यक्रम समग्र नहीं हो सकेगा। यह दृष्टिकोण स्त्री को एक निरंतर जीवंत सत्ता के रूप में नहीं, बल्कि अवसरानुकूल हस्तक्षेप की इकाई के रूप में परिभाषित करता है। राज्य की योजनात्मक दृष्टि यदि देह के केवल उन पक्षों को संबोधित करती है जो प्रजनन-उपयुक्त हैं, तो यह एक वैचारिक अपूर्णता है। एक ऐसी अधूरी संरचना जो भीतर से रिक्त है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 का एक सूक्ष्म पर गहनतः त्रासद आंकड़ा संकेत करता है कि देश की लगभग 45 प्रतिशत ग्रामीण महिलाएं मासिक धर्म के दौरान स्वच्छ सैनिटरी उत्पादों तक पहुंच से वंचित हैं। यह कोई आकस्मिक सामाजिक विचलन नहीं, बल्कि एक दीर्घ कालिक नीतिगत विमुखता का संस्थागत प्रमाण है, जो यह दर्शाता है कि स्त्री की जैविक आवश्यकता को अभी तक सार्वजनिक स्वास्थ्य विमर्श में 'सुविधा' से आगे नहीं देखा गया।

यह उपेक्षा केवल तत्काल असुविधा नहीं लाती, यह आने वाले वर्षों की रक्तहीन संभावनाओं को जन्म देती है। किशोरियों में एनीमिया की दर उत्तर प्रदेश में 67.5%, बिहार में 63.5% और झारखंड में 65% तक पहुंच चुकी है। यह दर केवल शरीर की नहीं, नीति की भी रक्ताल्पता को प्रकट करती है। यदि इन्हीं आंकड़ों को राष्ट्र की स्वास्थ्य-आधारशिला माना जाए तो कहा जा सकता है कि हम एक ऐसे राष्ट्र-निर्माण की ओर बढ़ रहे हैं, जिसकी अगली पीढ़ियां पहले से ही रक्तविहीन हैं- शारीरिक रूप से भी और नीति की कल्पना में भी।

राष्ट्रीय पारिवारिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के आंकड़े बताते हैं कि बिहार में आज भी 42% से अधिक प्रसव घरों में सम्पन्न होते हैं और इनमें से अधिकांश मामलों में कोई प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित नहीं होता। यह परिघटना 'स्वावलंबन' की किसी प्रेरक कथा का संकेत नहीं देती, बल्कि यह सुव्यवस्था की अनुपस्थिति की एक सामाजिक रूप से स्वीकृत स्थायी अवस्था का द्योतक है। दूसरी ओर राजस्थान, जहां प्रतिवर्ष बालिका सशक्तिकरण के नाम पर करोड़ों की योजनाएं स्वीकृत की जाती हैं, वहां केवल 28.6% महिलाएं ही प्रसवोत्तर देखभाल तक पहुंच प्राप्त कर पाती हैं। क्या यह मान लिया गया है कि शेष स्त्रियां मातृत्व के क्षण भर बाद ही आत्मचिकित्सा में स्वयंसिद्ध हो जाती हैं? झारखंड के आदिवासी क्षेत्रों की स्थिति इस विमर्श को और गहरा करती है। वहां स्वास्थ्य उपकेंद्रों तक पहुंचना आज भी 'पहाड़ चढ़ने' के तुल्य है। यह कोई भाषिक प्रतीक नहीं, अपितु भौगोलिक सत्य है। इन क्षेत्रों में कार्यरत आशा कार्यकर्ताओं की भूमिका, अपनी मूल अवधारणा से विचलित हो, अब संसाधन-वितरण की अपेक्षा सांस्कृतिक संकोच के हस्तांतरण में अधिक सक्रिय दिखती हैं। वस्तुतः यह मात्र आंकड़े नहीं, सामाजिक चेतावनियां हैं। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2024–25 में सकल घरेलू उत्पाद का केवल 2.1% सार्वजनिक स्वास्थ्य पर व्यय किया जाना, उस संरचनात्मक उपेक्षा का प्रत्यक्ष संकेत है, जो दशकों से स्वास्थ्य को कल्याण नहीं, अनुदान की तरह देखती रही है।

किशोरियों में एनीमिया की दर उत्तर प्रदेश में 67.5%, बिहार में 63.5% और झारखंड में 65% तक पहुंच चुकी है।

सामयिकी

ट्रंप के टैरिफ का भारतीय व्यापार और नीति पर प्रभाव

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारतीय आयातों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा के साथ ही रूस से ऊर्जा और सैन्य उपकरण खरीदने पर जुर्माना लगाना, पहली नजर में भारत के लिए एक झटका है। एक मुक्त व्यापार समझौता जो भारतीय उत्पादों को दुनिया के सबसे बड़े बाजार तक अधिक पहुंच की अनुमति देता है और साथ ही, अपनी अर्थव्यवस्था को अमेरिकी वस्तुओं और सेवाओं के लिए खोलता है, दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद है। 2024-25 (अप्रैल) में अमेरिका को भारत का निर्यात 86 बिलियन डॉलर था, जो किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक था। अमेरिका के साथ कोई समझौता नहीं करना भारत के हित में नहीं है। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर व्यापार पर भारत के टैरिफ और गैर-टैरिफ उपायों और ऊर्जा तथा सैन्य उपकरणों पर रूस के साथ व्यवहार का हवाला देते हुए, 25 प्रतिशत टैरिफ और जुर्माना लगाने के पीछे मुख्य कारणों के रूप में उद्धृत किया। अभी तक इस बारे में कोई स्पष्टता नहीं है कि जुर्माना कैसा होगा, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप ने अतीत में ब्रिक्स देशों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की धमकी दी है।

प्रो. रिपुदमन सिंह
अर्थशास्त्री

भारत और अमेरिका के बीच संबंधों में खटास पैदा करने वाले कारकों का विश्लेषण जरूरी है। हाल के परिदृश्य के पीछे किसी एक कारक को चिन्हित करना मुश्किल है। भारत के टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं का मुद्दा, राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले कार्यकाल से ही राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा उठाया जाता रहा है। डोनाल्ड ट्रंप लम्बे समय से यह शिकायत कर रहे हैं कि भारत जैसे देश यूक्रेन के साथ रूस के युद्ध को आंशिक रूप से वित्तपोषित कर रहे हैं। हालांकि, भारत ने दोहराया है कि वह अपनी राष्ट्रीय और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करेगा और अगर इसका मतलब सस्ता रूसी तेल खरीदना है, तो वह यही करेगा।

वर्तमान में रूस से भारत का तेल आयात लगभग 35-40 प्रतिशत है, जो इसे एक महत्वपूर्ण साझेदार बनाता है। इसके अलावा, भारत अपने कृषि और डेयरी क्षेत्रों के मुख्य हिस्सों को अमेरिका सहित सभी व्यापारिक समझौतों से बाहर रखने पर अडिग है। इससे अमेरिका नाराज है, लेकिन यह एक लक्ष्य रेखा है, जिसे भारत पार नहीं करना चाहेगा। इन क्षेत्रों को खोलने से भारत के अपेक्षाकृत कम उत्पादकता वाले किसान वैश्विक प्रतिस्पर्धा के सामने आ जाएंगे, जिसका उनकी आजीविका पर विनाशकारी प्रभाव पड़ सकता है। फिर यह तथ्य भी है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने बार-बार कहा है कि भारत द्वारा ऑपरेशन 'सिंदूर' शुरू करने के बाद, भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम समझौते पर सहमति बनाने के लिए उन्होंने और उनकी व्यापार वार्ता ने ही काम किया था। भारत सरकार ने इस तथ्य का खंडन किया है, जिससे डोनाल्ड ट्रंप और भी नाराज हो गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप के दावों ने भारतीय सत्ता पक्ष को भी नाराज कर दिया है, क्योंकि इससे विपक्ष को सरकार पर हमला करने का एक मौका मिल गया है।

टैरिफ के प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। टैरिफ का भुगतान आयातक करते हैं। इसलिए, भारतीय आयातों पर टैरिफ का भुगतान अमेरिका में उन लोगों द्वारा किया जाएगा जो भारतीय सामान आयात कर रहे हैं। यानी भारतीय सामान उनके लिए और महंगे हो जाएंगे। यही भारत के लिए असली समस्या है। बैंक ऑफ बड़ौदा के शोध के अनुसार, वृहद स्तर पर, टैरिफ और उनका भारतीय निर्यात पर पड़ने वाला प्रभाव भारत के सकल घरेलू उत्पाद में केवल 0.2 प्रतिशत की कमी लाएगा। इसलिए, यदि भारत का विकास अनुमान 6.6 प्रतिशत था, तो ये टैरिफ, यदि लगाए जाते हैं, तो विकास दर 6.4 प्रतिशत हो सकती है। हालांकि, समस्या अलग-अलग क्षेत्रों में उत्पन्न होगी। वस्त्र, कीमती हीरे, ऑटो पार्ट्स, चमड़े के उत्पाद और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है और उन्हें अपनी रणनीतियों पर फिर से विचार करना होगा।

सोशल फोरम

मीना आपा

मीना आपा के भीतर कोई चंचल-शोख़ और मन की उड़ान भरती कोई बेफिक्र लड़की रही होगी...शायद कभी...क्या पता। उनके चुनिंदा मज़ाहिया किरदार देखें तो बरबस उनके शरारती रूप पर यकीन करने का जी हो जाता है। पूरी दुनिया की कई खूबसूरत, बेमिसाल, नायाब अभिनेत्रियों के जीवन पर बहुधा मैंने किसी अभिशाप का साया देखा है।

यूनुस खान
ब्लॉगर

सख्त हक़ीक़त ये है मीना के जीवन पर उदासी का ग्रहण इतना गहरा था कि वो लड़की कहीं बिला गयी। हिरा गयी। और देखिए तो...ऐसे किरदारों में वो ख़ूब खिलीं- जहां कुछ छूट रहा है, जहां हथेली में से रेत की तरह ख़त्म हो रहा है कुछ। वीरान और उजाड़ दुनिया के किरदार, जिनके हिस्से में उनके मन का आकाश नहीं आया। उस पर शाम के सूरज ने गुलाल नहीं बिखराया। उदास शामों, गुमसुम सुबहों और मनहूस रातों वाले किरदार।

'ये बिखरी जुल्फ़ें ये खिलता कजरा/ ये महकी चुनरी ये मन की मदिरा/ ये सब तुम्हारे लिए है प्रीतम/ मैं आज तुमको जाने ना दूंगी'।

....और सामने वाला हाथ झटककर चल देता है। एक स्त्री के वजूद, उसके अरमानों और उसकी तमन्नाओं को धता बताकर। ख़्वाब देखना कोई कुसूर नहीं। क्या रहे होंगे उनके ख़्वाब। और कैसे किरच-किरच बिखरे होंगे, क्या पता...

'पंछी से छुड़ाकर उसका घर/ तुम अपने घर पर ले आये
ये प्यार का पिंजरा मन भाया/ हम जी भर-भर कर मुस्काये
जब प्यार हुआ इस पिंजरे से/ तुम कहने लगे आज़ाद रहो'

38 बरस की उम्र क्या होती है। सिर्फ़ 38 बरस। इन अड़तीस बरसों में कितने दिन बोझिल और उदास बीते होंगे मीना आपा के। तभी तो उनके लिखे में दर्द छलक-छलक पड़ता है।

आबला-पा कोई इस दश्त में आया होगा
वर्ना आंधी में दिया किस ने जलाया होगा।।
या फिर:
यूं तेरी रहगुज़र से दीवाना-वार गुज़रे
कांधे पे अपने रख के अपना मज़ार गुज़रे।।

मीना ये कहते हुए चली गयीं--

'राह देखा करेगा सदियों तक
छोड़ जाएंगे ये जहां तन्हा'

आज 'नाज़' उनासी की होतीं पर अड़तीस की होकर चली गयीं।

-फेसबुक वाल से

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- bly.editor@amritvichar.com, info@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

कानपुर के पास स्थित ब्रह्मावर्त की महिमा पुराणों में, यहीं वाल्मीकि आश्रम में रहीं माता सीता, 1857 के स्वतंत्रता संग्राम की भी गवाह है यह भूमि

यहीं से दुनिया शुरू हुई यहीं रामायण लिखी गई

महर्षि वाल्मीकि आश्रम

कानपुर शहर से 20 किमी की दूरी पर स्थित है, धार्मिक-पौराणिक और ऐतिहासिक स्थल ब्रह्मावर्त, जिसकी महिमा पुराणों में वर्णित है। इसे बिठूर के नाम से भी जाना जाता है। ऐसी मान्यता है कि यह क्षेत्र सृष्टि का केंद्र है, क्योंकि जल प्लावन के बाद सबसे पहले जल से प्रकट होने वाला भू-भाग यही था। पौराणिक साक्ष्यों के अनुसार ब्रह्मा ने यहीं सृष्टि रचना पूर्ण करने के उपरान्त ब्रह्मेश्वर शिवलिंग स्थापित कर अश्वमेद्य यज्ञ किया और अश्वनाल को कीलित कर स्थापित किया। बिठूर के ब्रह्मेश्वर घाट में इसकी आज भी ब्रह्मा की खूंटी के रूप में पूजा-अर्चना होती है। बिठूर में ही महर्षि वाल्मीकि का आश्रम है। जहां बैठकर उन्होंने रामायण की रचना की थी। इसी आश्रम में श्रीराम द्वारा परित्याग किए जाने के बाद माता सीता ने निवास किया और लव और कुश नामक दो पुत्रों को जन्म दिया था। आश्रम में तीन मंदिर हैं। इनमें से एक मंदिर महर्षि वाल्मीकि का है, जिसमें उनकी पद्मासन मुद्रा में बैठे और दाएं हाथ में लेखनी लिए प्रतिमा स्थापित है। उनके पास ही भगवान विष्णु की मूर्ति स्थापित है।

वाल्मीकि आश्रम में है स्वर्ग की सीढ़ी

- बिठूर में वाल्मीकि आश्रम ऊंचाई पर बना है। इसलिए यहां तक पहुंचने के लिए सीढ़ियां बनाई गई हैं। इन सीढ़ियों को स्वर्ग की सीढ़ी कहा जाता है। आश्रम में माता सीता की रसोई के पास यह सीढ़ियां बनी हैं। यहां श्रीराम तथा उनकी सेना के साथ लव–कुश के युद्ध के प्रमाणों के साथ घटनास्थलों के नाम भी उस कालखंड की पुष्टि करते हैं, जैसे सीता परित्याग स्थल परियर, सेना के साथ रणभूमि में मिलन रणमेल या रमेल तथा महारण झील अथवा महान झील है। यह क्षेत्र आदि काल से ही मुनियों की तपस्थली तथा यज्ञ भूमि के रूप में विख्यात रहा है। ब्रह्मा जी और मित्रसह के अश्वमेघ यज्ञ तथा पृथु द्वारा मनु महाराज से अश्वमेध यज्ञ की दीक्षा प्राप्त करने के साथ ही दुष्यंत पुत्र राजा भरत द्वारा गंगा तट पर 55 अश्वमेघ यज्ञ करने का उल्लेख श्रीमद्भागवत् के नवम् स्कन्ध में मिलता है। इससे प्रमाणित होता है कि ब्रह्मावर्त यज्ञ दीक्षा एवं यज्ञ करने का अति महत्वपूर्ण स्थान था।

इन तथ्यों और अवशेषों से मिले प्रमाण

वाल्मीकि रामायण में उत्तरकाण्ड के पैंसठवें सर्ग के श्लोक 1 तथा 2 में उल्लिखित है कि श्रीराम के भाई शत्रुघ्न ने अयोध्या से लवणासुर को मारने के लिए सेना भेजने के बाद अकेले ही प्रस्थान किया और दो दिन यात्रा के उपरान्त तीसरे दिन वाल्मीकि आश्रम पहुंचे। अयोध्या से बिठूर तक उस समय में घोड़े या अश्वरथ से 2 दिन का समय लगना पूर्णत: विश्वसनीय है। यही समयावधि सीता परित्याग की घटना में वर्णित है।

- श्रीमद्भागवत् के चतुर्थ स्कन्ध के 19वें अध्याय में राजा पृथु द्वारा मनु महाराज से ब्रह्मावर्त में अश्वमेध यज्ञ दीक्षा लेने का उल्लेख है।
- महाकवि विद्यापति द्वारा 13 वीं सदी में रचित भू परिक्रमा में बिठूर में बलराम जी के तीर्थ यात्रा में आने का उल्लेख मिलता है।
- भारत में सर्वप्रथम ताम्र निधियों की प्राप्ति बिठूर में ही हुई। इनका कालखण्ड 4000 वर्ष ईसा पूर्व तक आंका गया है।
- यहां रामायण काल के अस्त्र – शस्त्र भी मिले हैं, जिनमें से कुछ रामजानकी मंदिर में संग्रहीत हैं।
- महाराज मनु की संतान राजा उत्तानपाद के पुत्र ध्रुव की तपस्थली के स्मृति स्वरूप यहां ध्रुव टीला आज भी विद्यमान है, जिससे प्रागैतिहासिक काल तक के अवशेष प्राप्त हुए हैं।

नाना साहब के नेतृत्व में लड़ा गया प्रथम स्वतंत्रता संग्राम

- बिठूर का इतिहास आजादी की लड़ाई से भी प्रमुखता के साथ जुड़ा है। 1817 में पूना के पेशवा बाजीराव पेशवा द्वितीय को अंग्रेजों से हुए समझौते के कारण पेंशन लेकर बिठूर में निवास करना पड़ा। इसके बाद तमाम मराठी परिवार यहां बस गए। बाजीराव ने बिठूर में महल तथा कई इमारतें बनवाईं। 1851 में बाजीराव की मृत्यु के उपरान्त उनके दत्तक पुत्र धूढू पन्त नाना साहब के रूप में विख्यात हुए। लेकिन अंग्रेजों ने नानाराव को पेंशन देने से मना कर दिया। अंग्रेज सरकार के इस रवैये के खिलाफ नाना साहब ने भारत को अंग्रेजों से मुक्त कराने की योजना बनाई। नाना साहब के नेतृत्व में बिठूर को केन्द्र बनाकर प्रथम स्वतंत्रता संग्राम लड़ा गया।

पूर्व वैदिक काल की मान्यता रखता है ध्रुव टीला

घने जंगल में अकेले बैठकर कैसे पांच साल के बालक ध्रुव ने भगवान विष्णु की तपस्या कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया, यह कहानी हम सभी ने सुनी है। बालक ध्रुव के समर्पण से सनातन सप्त ऋषियों ने अभिभूत होकर उन्हें विशाल अंतरिक्ष में ध्रुवपद (ध्रुव तारा) का सर्वोच्च पद प्रदान किया था। माना जाता है कि ध्रुव का जन्म बिठूर में हुआ था और जिस स्थान पर वह ध्यान के लिए बैठे थे, उसे ध्रुव टीला कहा जाता है। यह शांत स्थान गंगा नदी के किनारे स्थित है। यहां हुए पुरातात्विक उत्खनन में दुर्लभ तांबे के सिक्के, तांबे के भाले, कुल्हाड़ी, चाकू, मूर्तियां, तांबे के गोलाकार छल्ले और अन्य वस्तुएं मिली हैं। इतिहासकारों का मानना है कि ध्रुव टीला संभवत: पूर्व वैदिक काल का है। मान्यता है कि ध्रुवटीला राजा उत्तानपाद के राजकाल के दौरान का है। यहां ही ध्रुव का जन्म हुआ। 1822 में पुरातात्विक साक्ष्य के रूप में यहां से ताम्र आयुध बरामद हो चुके हैं। सभी ऐतिहासिक धरोहरें कोलकाता, लखनऊ और प्रयाग के संग्रहालय में संरक्षित हैं। ध्रुव टीला के बगल में एक प्राचीन दुर्गा मंदिर और भगवान हनुमान को समर्पित एक मंदिर है। छत्रपति शिवाजी महाराज के गुरु संत रामदास के सम्मान में एक आश्रम भी बनाया गया है।

लेखक
धर्म प्रकाश गुप्त
संयोजक सचिव
कानपुर पंचायत

प्रकृति की नैसर्गिक छटा से भरपूर नैनीताल का रंगमंच

लेखक
अभिनेता
ललित तिवारी।

नैनीताल का रंगमंच कुमाऊनी संस्कृति और सभ्यता का आईना, और भारतीय अतीत के साहित्य व सामाजिक जीवन का अदभुत रूप है। नैसर्गिक पर्वतीय क्षेत्र का आकर्षण 141 वर्ष पहले कला प्रेमी बंगाली कलाकारों को यहां खींचकर लाया था, जिन्होंने वर्ष 1884 में नाट्य मंचन का शुभारंभ किया। इसी के बाद वर्ष 1900 में इंडियन क्लब की स्थापना हुई और स्थानीय लोग भी नाट्य मंचन में हिस्सा लेने लगे। 1900 में ही इंडियन एमेच्योर क्लब और 1910 में फ्रेंड्स एमेच्योर ड्रामेटिक क्लब खुला। इस दौर में ज्यादातर धार्मिक नाटकों का मंचन हुआ करता था। आजादी के काफी बाद 1980 के दशक में युगमंच की स्थापना हुई। नैनीताल का प्रसिद्ध यह रंगमंच समूह उत्तराखंड के सांस्कृतिक इतिहास, भूगोल और नाट्य आंदोलन में योगदान दे रहा है।

नैनीताल का रंगमंच, सांस्कृतिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। इसने क्षेत्र की कलात्मक विरासत को समृद्ध किया है। कई स्थानीय कलाकारों को अलग पहचान दिलाई है। इनमें ललित तिवारी को जहां बॉलीवुड की राह मिली, वहीं निर्मल पांडे ने बैंडिट क्वीन

में विक्रम मल्लाह का शानदार किरदार निभाया। ज्ञान प्रकाश भी रंगमंच से टीवी धारावाहिक और बॉलीवुड में सक्रिय हैं, जबकि इदरीस मलिक रंगमंच के जरिए युवाओं की प्रतिभा निखार रहे हैं। मशहूर रंगकर्मी मिथिलेश पांडे कहते हैं कि नैनीताल के रंगमंच ने अभिनय ही नहीं बल्कि निर्देशन के साथ फिल्म मेकिंग और कला की अनेक वर्गों में प्रतिभाओं को स्थापित किया है।

मेरी माटी, मेरा मान शिल्प को नई पहचान

सेहत के लिए संजीदा हो रहे समाज में मिट्टी के बर्तनों को हर घर की शान बनाने के अभियान में जुटी हैं, कानपुर की बिंदु सिंह। प्लास्टिक, एल्युमुनियम और नॉन स्टिक मुक्त रसोई बनाने के लिए सर्वोसार्थ माटी के बर्तनों को उन्होंने देश के हर कोने में पहुंचाने के साथ विदेशों में भी पसंदीदा बना दिया है। उनकी इस पहल ने मिट्टी के बर्तनों की मांग खत्म होने से परेशान कुम्हारों के जीवन में नया सवेरा ला दिया है। री-यूजेबल और डिस्पोजल दोनों तरह के बर्तनों के उन्होंने 360 से अधिक प्रोडक्ट तैयार किए हैं। कुम्हारों का पलायन रोकने के साथ बिंदु सिंह ने उन्हें शिक्षा देकर नयी टेक्नोलॉजी से जोड़ दिया है, इससे नए उत्पाद गढ़ने और उन्हें आधुनिकता के सांचे में ढालने का काम आसान हो गया है। वह मिट्टी के बर्तनों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए मेलों और प्रदर्शनी में स्टॉल लगाने के साथ ऑनलाइन बिक्री भी करती हैं। यही नहीं, जेल में निरुद्ध महिलाओं को मिट्टी के बर्तनों पर पेंटिंग करना सिखाकर जेल से बाहर आने पर रोजगार उपलब्ध करा रही हैं। मिट्टी के बर्तनों का इस्तेमाल बढ़ाने के लिए इको फ्रैंडली उत्सव और कौशल विकास के माध्यम से स्कूल, कॉलेजों व संस्थानों में वर्कशॉप आयोजित करती हैं। उनके निर्देशन में 200 से अधिक महिलाएं काम करती हैं, तो बड़ी संख्या में कुम्हारों के परिवार और गांव भी जुड़े हैं।

बिंदु सिंह।

सुंगध की सैर ले जाती मौर्य और गुप्त वंश तक

कन्नौज का पौराणिक नाम कन्याकुब्ज था। मिहिर भोज के समय में इसे महोदया नाम से भी जाना जाता था। कन्नौज कभी प्रमुख ऐतिहासिक नगर था, जिसे इतिहास में विशेष स्थान प्राप्त है। गंगा नदी के तट पर स्थित यह नगर पुरातात्विक दृष्टि से प्राचीन सांस्कृतिक विरासत है। यह नगर इतना संपन्न था कि इसे राजा हर्ष, नागभट्ट द्वितीय जैसे राजाओं ने राजधानी बनाया। राजा हर्ष के बाद यहां कई राजाओं ने राज किया। वर्ष 554 में यह मौखरी वंश की राजधानी बना। छठी सदी में सम्राट हर्ष ने राजधानी बनाया। 647 में इसकी संपन्नता को धक्का लगा। लेकिन 715 ई. में यशोवर्मन काल में फिर से कन्नौज में संपन्नता का सूरज चमका। 815 में गुर्जर-प्रतिहारों ने इसे संवारा। 1080 गहरवारों के शासन में इसकी समृद्धि बढ़ी। मगर 1194 ई. में यहां के वीर राजा जयचंद्र की पराजय के बाद इसकी समृद्धि का सूरज अस्त हो गया। जयचंद्र के समय कन्नौज में धर्म-संस्कृति कैसी थी, इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि बंगाल के राजा को धर्म और सभयता के प्रचार-प्रसार के लिए कन्नौज से ब्राह्मणों को बुलाना पड़ा था।

राजा वेणु की सात पुत्रियां देवी के रूप में स्थापित

रामायण काल में कन्नौज के तेजस्वी व महापराक्रमी राजा वेणु हुए, जिनकी सात पुत्रियां थीं। इन सभी सातों पुत्रियों ने कठिन तप किया और वह देवी स्वरूप में परिवर्तित हो गईं। कन्नौज के अलग–अलग क्षेत्रों में इन सभी देवियों माता फूलमती, माता क्षेमकली, संदोहनी देवी, गोवर्धनी देवी, शीतला देवी, सिंह वाहिनी देवी और मौरारी देवी के मंदिर स्थापित हैं।

राजा जयचंद की मौत के बाद अस्त हो गया समृद्धि का सूरज

जयचंद की मौत के बाद कन्नौज गुलाम वंश के अधीन हो गया। तेहरवीं शताब्दी में मोहम्मद तुगलक ने कन्नौज को उजाड़ दिया। लुटेरों का बोलबाला हो गया। मंदिरों को नष्ट कर दिया गया। कांस्य युग के समय के कई पूर्व ऐतिहासिक हथियार और उपकरण यहां मिले हैं। पुराणों में कन्नौज का अश्वतीर्थ के रूप में वर्णन किया गया है। वर्तमान में कन्नौज अपने परफ्यूम उद्योग के लिए जाना जाता है। कन्नौज में टैराकोटा से बनी चीजें और प्राचीन सिक्कों का मिलना बहुत आम बात है। यहां मौर्य और गुप्त वंश के समय की चीजों को भी देखा जा सकता है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	80,710 .25	24,649 .55
गिरावट	308 .47	73 .20
प्रतिशत में	0 .38	0 .30

सोना 1,00,500 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,14,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 6 अगस्त 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2720, राज श्री 1800, फॉर्चून कि . 2160, रविन्द्रा 2600, फॉर्चुन ली .13kg 1895, जय जवान 1915, सचिन 1950, सूरज 1915, अवसर 1835, उजाला 1900, गृहणी ली 13 kg 1775, क्लासिक (kg) 2035, मोर 2085, चक्र टिन 2035, ब्लू 2005, आशीर्वाद मस्टर्ड 2545, स्वास्तिक 2660

किराना (प्रतिकु .) : हल्दी निजामाबाद 16000, जीरा 260000, लाल मिर्च 17000-19500, धनिया 9000-11000, अजवायान 15500-23000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 200-240, मखाना 900-1100

चावल (प्रति कु .) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1kg,5kg) 10300, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4300, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 10000, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली, 7250-7700 मलका दाल 7600-7900, मलका छाँटी 7800, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9000-10900, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 10300, उड़द धोवा इंदौर 13000, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 6950, दाल चना 7600, दाल चना मोटी 7850, मलका विदेशी 7400, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 6900, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 9300, मोटा हीरा 11300, अरहर गोला मोटा 8500, अरहर पटका मोटा 8900, अरहर कोरा मोटा 9400, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10500

चीनी : डालमियां 4400, पीलीभीत 4300, बरखेड़ा 4250, बहेड़ी नयी 4250

ब्याज दर पर बदलाव की संभावना कम

आरबीआई के गवर्नर मल्होत्रा आज करेंगे तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा बुधवार को चालू वित्त वर्ष की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करेंगे। विश्लेषकों का मानना है कि हाल ही में तीन बार में रेपो दर में कुल एक प्रतिशत की कटौती के बाद इस बार नीतिगत दरों में बदलाव की संभावना कम है।

मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली छह-सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में नीतिगत दर पर विचार-विमर्श का सिलसिला सोमवार से ही जारी है। एमपीसी की बैठक में लिए गए फैसले की घोषणा बुधवार सुबह 10 बजे की जाएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार रिजर्व बैंक ब्याज दर को लेकर यथास्थिति बनाए रख सकता है। अमेरिका की तरफ से भारतीय आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा के बाद आरबीआई अधिक व्यापक-आर्थिक आंकड़ों का इंतज़ार कर सकता है। हालांकि, उद्योग जगत के एक तबके को उम्मीद है कि बुधवार को रेपो दर में 0.25% अंक की कटौती की जा सकती है। इस साल फरवरी से लेकर जून तक हुई तीन एमपीसी बैठकों में कुल 1% अंक की कटौती की जा चुकी है।

ग्रांट थॉर्नटन भारत में साझेदार विवेक अय्यर ने कहा कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य अब भी

● 25 प्रतिशत शुल्क की घोषणा के बाद केंद्रीय बैंक व्यापक-आर्थिक आंकड़ों का कर सकता है इंतजार

अस्थिर है और पिछली दर कटौतियों के असर को पूरी तरह देखने के लिए अभी और समय की दरकार है। उन्होंने कहा कि सीमा शुल्क से जुड़ी अनिश्चितता के पहलू को आरबीआई पिछली दर कटौती के समय ही ध्यान में रख चुका है। ऐसे में हमें नहीं लगता है कि इसका नीतिगत निर्णय पर तत्काल प्रभाव पड़ना चाहिए।

आरईए इंडिया (हाउसिंग डॉट कॉम) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रवीण शर्मा ने कहा कि इस साल पहले ही 1% अंक की कटौती हो चुकी है लिहाजा दरों को स्थिर ही बनाए रखने की उम्मीद है। शर्मा ने कहा कि घर खरीदार अब अल्पकालिक ब्याज दरों से कहीं ज्यादा दीर्घकालिक आत्मविश्वास से प्रेरित हैं। रियल एस्टेट डेवलपर भी लचीले भुगतान विकल्पों और सूझबूझ भरे प्रोत्साहनों के जरिये घरों की मांग बनाए हुए हैं।

एमपीसी में आरबीआई के तीन सदस्यों के रूप में गवर्नर मल्होत्रा, डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता और कार्यकारी निदेशक राजीव रंजन शामिल हैं जबकि बाहरी सदस्यों में नागेश कुमार, सौरभ भट्टाचार्य और राम सिंह शामिल हैं। केंद्र सरकार ने आरबीआई को खुदरा मुद्रास्फीति को 2% घटबढ़ के साथ 4% के दायरे में बनाए रखने की जिम्मेदारी दी हुई है। इस साल फरवरी से खुदरा मुद्रास्फीति लगातार चार प्रतिशत के नीचे बनी हुई है लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि दरों में बदलाव से पहले आरबीआई को और अनुकूल आंकड़ों का इंतजार रहेगा।

रिजर्व बैंक के निर्णय से पहले बाजार में आई गिरावट

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को गिरावट रही। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा से पहले बैंक और तेल एवं गैस शेयरों में बिकवाली से बाजार नीचे आया। बीएसई का सेंसेक्स 308 .47 अंक की गिरावट के साथ 80,710 .25 अंक पर बंद हुआ। और एनएसई का निफ्टी भी 73 .20 अंक की गिरावट के साथ 24,649 .55 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में, अडाणी पोर्ट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, इटर्नल (पूर्व में जोमैटो), बीईएल, एचडीएफसी बैंक, पावर ग्रिड, आईटीसी और सन फार्मास्युटिकल नुकसान में रहे। वहीं, लाभ में रहने वाले शेयरों में टाइटन, मारुति, ट्रेंट, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक, एलएंडटी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और एनटीपीसी शामिल हैं। बीएसई का स्मॉलकैप 0 .27 और मिडकैप 0 .14% के नुकसान में रहे। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग और जापान का निक्की बढ़त में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजार दोपहर के कारोबार में बढ़त में थे। अमेरिकी बाजारों में सोमवार को तेजी रही थी। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1 .02 प्रतिशत टूटकर 68 .06 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। शेयर बाजार के अनुसार, सोमवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 2,566 .51 करोड़ के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 4,386 .29 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर 11 महीने के उच्च स्तर पर

● नए निर्यात ऑर्डर और समग्र बिक्री में तेज वृद्धि से मिला समर्थन, पीएमआई सूचकांक 60.5 रहा

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि जुलाई में 11 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई, जिसे नए निर्यात ऑर्डर और समग्र बिक्री में तेज वृद्धि से समर्थन मिला। मंगलवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जुलाई में 60.5 रहा जो जून में 60.4 पर था। विस्तार की दर अगस्त 2024 के बाद से सर्वाधिक है।

एचएसबीसी के भारत के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, सेवा गतिविधि सूचकांक के 60.5 पर होने से नए निर्यात ऑर्डर में वृद्धि के दम पर मजबूत वृद्धि की गति का संकेत मिलता है। सर्वेक्षण में कहा गया कि नए व्यवसायों में निरंतर वृद्धि उत्पादन वृद्धि का मुख्य कारण रही है। साथ ही भारतीय सेवा प्रदाताओं ने अपनी सेवाओं की अंतर्राष्ट्रीय मांग में भी मजबूत सुधार का स्वागत किया है। इसमें कहा गया, उन्हें एशिया, कनाडा, यूरोप, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका से नए काम मिलने की सूचना मिली है। कीमतों के मोर्चे पर, कच्चे माल व तैयार माल शुल्क जून की तुलना में तेजी से बढ़े। उत्पादन कीमतों में ठोस वृद्धि बढ़ी हुई लागत और मजबूत मांग को दर्शाती है। भंडारी ने कहा, कीमतों के मोर्चे पर कच्चे व तैयार माल दोनों की कीमतें जून की तुलना में थोड़ी तेजी से बढ़ीं, लेकिन आगे चलकर इसमें बदलाव हो सकता है... जैसा कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक व थोक मूल्य सूचकांक के हालिया आंकड़ों से संकेत मिलता है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा मुद्रास्फीति फरवरी से चार प्रतिशत से नीचे बनी हुई है।

बिजनेस ब्रीफ

मालवाहक गलियारे को महाराष्ट्र ने दी मंजूरी

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को नई स्टार्टअप एवं नवाचार नीति, नए मालवाहक गलियारे, भूमि सुधार और कुष्ठ रोगियों की देखभाल में लगे संगठनों को अनुदान बढ़ाने समेत कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी। मुख्यमंत्री कार्यालय के मुताबिक, राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में 'महाराष्ट्र स्टार्टअप, उद्यमिता और नवाचार नीति-2025' को पूरे राज्य में कौशल विकास, नवाचार और उद्यमशीलता को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से मंजूरी दी गई है।

मेडिस्टेप हेल्थकेयर का आईपीओ 8 अगस्त को

नई दिल्ली। दवा कंपनी मेडिस्टेप हेल्थकेयर का 16 .09 करोड़ का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) आठ अगस्त को खुलकर 12 अगस्त को बंद होगा। मेडिस्टेप हेल्थकेयर ने कहा कि उसके शेयर 18 अगस्त को एनएसई एसएमई मंच पर सूचीबद्ध होंगे। आईपीओ 37 .44 लाख शेयर हैं, जिनकी कीमत 43 रुपये प्रति शेयर है। इससे कुल निर्गम का आकार 16 .09 करोड़ बैठता है। सूचीबद्ध होने के बाद कंपनी का बाजार पूंजीकरण 61.10 करोड़ होने की उम्मीद है।

वन97 कम्युनिकेशंस में अपना हिस्सा एंट ने बेचा

नई दिल्ली। उद्योगपति जैक मा की एंट फाइनेंशियल ने पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस में अपनी पूरी 5 .84% हिस्सेदारी 3,803 करोड़ में बेच दी है। इस हिस्सेदारी बिक्री के बाद घरेलू शेयर बाजारों में कंपनी के शेयर में गिरावट आई। एंट ग्रुप ने अपनी सहयोगी कंपनी एंटफिन (नीदरलैंड्स) होल्डिंग बीवी के माध्यम से नोएडा स्थित वन97 कम्युनिकेशंस के शेयर बेच दिए हैं।

श्वेत क्रांति 2.0 से दूध खरीद 50% बढ़ाने का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि सरकार सहकारिता-आधारित 'श्वेत क्रांति 2.0' के तहत अगले पांच वर्षों में दूध की खरीद में 50 प्रतिशत वृद्धि के लिए काम कर रही है। शाह ने संसदीय सलाहकार समिति की दूसरी बैठक की अध्यक्षता करते हुए सहकारी क्षेत्र के लिए सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं की रूपरेखा पेश की। इसमें दो लाख बहुउद्देशीय सहकारी समितियों की स्थापना का लक्ष्य भी है। इस पहल के तहत अब तक 35,395 नई सहकारी समितियों का गठन किया जा चुका है।

शाह ने कहा कि सहकारिता मंत्रालय सहकारी समितियों को जीवंत और सफल व्यावसायिक

● सहकारिता मंत्री अमित शाह ने की संसदीय सलाहकार समिति की दूसरी बैठक की अध्यक्षता

इकाइयों में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। सहकारी क्षेत्र भूमिहीन और गरीब लोगों की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। श्वेत क्रांति 2.0 के तहत डेयरी क्षेत्र को मजबूत करने में प्रगति हुई है। कुल 15,691 नई डेयरी सहकारी समितियों का पंजीकरण हुआ है, जबकि 11,871 मौजूदा समितियों को मजबूत किया गया है। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) और 15 राज्यों के 25 दुग्ध संघों ने डेयरी सहकारी समितियों में बायोगैस संयंत्र स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। सहकारिता मंत्री ने इस क्षेत्र के विकास के लिए स्थापित राष्ट्रीय स्तर की तीन सहकारी समितियों का भी उल्लेख किया। राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक लि. (एनसीओएल) किसानों के जैविक उत्पादों के प्रमाणीकरण, ब्रांडिंग, पैकेजिंग और विपणन का कार्य करती है। राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लि. (एनसीईएल) किसानों के उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर निर्यात करने की सुविधा प्रदान करती है जबकि भारतीय बीज सहकारी समिति लि. (बीबीएसएसएल) भारत के पारंपरिक बीजों के संरक्षण, भंडारण और उत्पादन पर केंद्रित है।

छोटे किसानों से अनुबंध करेगी सरकार

शाह ने कहा कि मोदी सरकार पारंपरिक बीजों के लिए छोटे किसानों के साथ अनुबंध करेगी ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उन्हें इन पहलों का लाभ मिले। मंत्रालय ने पिछले चार वर्षों में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स), डेयरी, मत्स्य पालन, सहकारी बैंकों, चीनी सहकारी समितियों और शासन प्रणालियों को मजबूत करने के लिए 100 से अधिक पहल की हैं। इनमें डिजिटल सुधार, नीतिगत बदलाव, वित्तीय सहायता और संस्थागत क्षमता निर्माण शामिल हैं। बैठक के दौरान सहकारिता मंत्रालय ने पिछले चार साल में की गई विभिन्न पहलों पर समिति को जानकारी दी।

महिलाओं को लोन देने पर कवरेज बढ़ाएं बैंक

नई दिल्ली, न्यूज नेटवर्क

अमृत विचार। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पीएमएफबीवाई के अंतर्गत खरीफ सीजन में किसानों के नामांकन करने और ग्रामीण विकास मंत्रालय के राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन में स्वयं सहायता समूहों (एसजीएच) की बहनों को अधिक लोन देने के संबंध में मंगलवार को बैंकों व राज्य सरकारों की वर्चुअल बैठक ली।

उन्होंने बैंकों को निर्देश दिया कि वह महिलाओं को लोन देने पर ध्यान दें और कवरेज बढ़ाएं, साथ ही दूरदराज व दुर्गम क्षेत्रों पर भी ध्यान देकर काम करें। सिंह ने कहा कि खरीफ सीजन के फसल बीमा में किसानों को सुरक्षा कवच देने के लिए 16-30 अगस्त तक देशभर में अभियान चलाया जाएगा।

वर्चुअल बैठक लेते केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान।

● खरीफ सीजन में अधिक नामांकन और महिला स्वरोजगार को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने ली बैठक

बैंकों ने 75% ऋण किसानो तक पहुंचाया

शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) से ऋण 10 .25 लाख करोड़ को पार कर गया है। बैंकों की ओर से 75% ऋण किसानो तक पहुंचाया जा रहा है, जिससे किसान महंगे ब्याज दरों से बच रहे हैं।

शिवराज सिंह ने कहा कि कृषि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसकी आत्मा, प्राण है। उन्होंने बताया कि देश में 90 लाख स्वयं सहायता समूह हैं, जिनसे 10 करोड़ महिलाएं जुड़ी हैं। इन समूहों को अब तक 11 लाख करोड़ का लोन दिया जा चुका है। बैठक में कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी, ग्रामीण विकास सचिव शैलेष सिंह, विभिन्न बैंकों और राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे, जिन्होंने अपने विचार रखे।

कारोबारी भरोसा सूचकांक बढ़कर 149.4 पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

आर्थिक नीति शोध संस्थान एनसीएईआर के व्यावसायिक अपेक्षा सर्वेक्षण के अनुसार कारोबारी भरोसा सूचकांक (बीसीआई) अप्रैल-जून में तेजी से बढ़कर 149.4 हो गया, जो पिछली तिमाही (जनवरी-मार्च) में 139.3 था।

नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) ने मंगलवार को कहा कि बीसीआई चार चीजों- छह महीने में समग्र आर्थिक स्थिति में सुधार, छह महीने में कंपनियों की वित्तीय स्थिति में सुधार होगा, वर्तमान निवेश माहौल और क्या वर्तमान क्षमता उपयोग महत्तम स्तर के करीब या उससे ऊपर है पर है।

पहली तिमाही में चारों घटकों में सकारात्मक प्रतिक्रियाओं की हिस्सेदारी 60% से अधिक रही और हर क्षेत्र ने पिछली तिमाही की तुलना में सुधार का रुख प्रदर्शित

● व्यावसायिक अपेक्षा सर्वेक्षण की रिपोर्ट एनसीएईआर ने की जारी

किया। उत्तरदाताओं ने छह महीनों में उत्पादन (78.7%) और घरेलू बिक्री (79.1%) में वृद्धि की उम्मीद जताई। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में अंतिम उत्पादों के निर्यात के बारे में धारणा में भी (66.5%) सुधार हुआ। सर्वेक्षण का नेतृत्व करने वाली एनसीएईआर की प्रोफेसर बोर्नाली भंडारी ने कहा, लागत में कमी के साथ कंपनियां छह महीने को लेकर अधिक आशान्वित हैं। यह तिमाही सर्वेक्षण जून में हुआ था। इसमें छह शहरों की 479 कंपनियों को शामिल किया गया।

बोनस शेयर

निवेशकों को मिलने वाला फायदा

बोनस शेयर वे शेयर हैं जिन्हें कंपनियां अपने शेयरधारकों को बिना किसी लागत के जारी करती हैं। यह कंपनी के अर्जित मुनाफे या रिजर्व से जारी किए जाते हैं, जिससे शेयरधारकों की होल्डिंग बढ़ती है लेकिन कंपनी की कुल वैल्यू पर असर नहीं पड़ता। यह एक तरीका होता है जिससे कंपनियां निवेशकों को रिवार्ड देती हैं।

क्या हैं बोनस शेयर

बोनस शेयर वे शेयर होते हैं जिन्हें कंपनी मौजूद शेयरों के अनुपात में मुफ्त में देती है। उदाहरण के लिए, यदि कोई कंपनी 1:1 के अनुपात में बोनस देती है, तो हर एक शेयर पर एक अतिरिक्त शेयर मिलेगा।

कंपनियों को लाभ

- **लिक्विडिटी बढ़ाना :** बोनस शेयर से बाजार में शेयरों की संख्या बढ़ती है, जिससे शेयरों में ट्रेडिंग की संभावना अधिक होती है।
- **सकारात्मक संकेत :** कंपनी की वित्तीय स्थिति मजबूत है और वह शेयरधारकों को अतिरिक्त लाभ देना चाहती है।
- **प्रतिष्ठा में वृद्धि :** बोनस शेयर अक्सर निवेशकों में कंपनी की छवि को सुधारते हैं, जिससे दीर्घकालीन निवेश आकर्षित होता है।

निवेशकों को लाभ

- **अधिक शेयर :** निवेशकों को उनके मौजूदा शेयरों के अनुपात में अतिरिक्त शेयर मिलते हैं, जिससे उनकी होल्डिंग बढ़ जाती है।
- **दीर्घकालीन रिटर्न :** भले ही शेयर का मूल्य बोनस से घटता है, लेकिन लंबे समय में रिटर्न की संभावना बढ़ती है।
- **कर लाभ :** बोनस शेयरों पर सीधे कर नहीं लगता, जब तक उन्हें बेचा न जाए।

जोखिम और सीमाएं

- **शेयर मूल्य में गिरावट :** बोनस जारी होते शेयर की कीमत घट जाती है, जिससे भ्रम होता है कि वैल्यू कम हो गई है।
- **कम लाभांश :** ज्यादा शेयर होने से प्रति शेयर लाभांश घट सकता है।
- **बोनस-स्टॉक स्प्लिट में अंतर :** स्टॉक स्प्लिट में भी शेयरों की संख्या बढ़ती है, कंपनी के पूंजी में बदलाव नहीं होता।
- **अर्जनिंग पर असर नहीं :** बोनस शेयर जारी करने से कंपनी की ईपीएस घटती है, मुनाफे में परिवर्तन नहीं होता।

34 हजार लेनदारों को तरुण प्लस के तहत दिए 4,930 करोड़ : सीतारमण

नई दिल्ली, एजेंसी

बैंकों ने मुद्रा योजना की 'तरुण प्लस' श्रेणी के तहत 34,697 लेनदारों के लिए 4,930 करोड़ से अधिक के ऋण दिए गए हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यहां मंगलवार को राज्यसभा में दी।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत सफल उधारकर्ताओं को प्रोत्साहित करने के लिए 2024-25 में 'तरुण प्लस' श्रेणी की शुरुआत हुई। यह श्रेणी उनके लिए है, जिन्होंने 'तरुण' श्रेणी के तहत ऋण का समय पर भुगतान किया है। सीतारमण ने कहा कि 'तरुण प्लस' के तहत अधिकतम 20 लाख तक के गारंटी-मुक्त ऋण दिए जा रहे हैं। वित्त मंत्री ने बताया, पीएमएमवाई दिशा-निर्देशों के अनुसार, जून 2025 तक 'तरुण प्लस' श्रेणी के तहत 34,697 ऋण खातों को 4,930 करोड़ से अधिक की राशि दी गई है। बैंक अपनी शाखा नेटवर्क से उधारकर्ताओं तक पहुंच बना रहे हैं और ऋण स्वीकृति के बाद इकाइयों की प्रगति की निगरानी भी कर रहे हैं, जिसमें स्टॉक विवरण, खाता लेनदेन, क्रेडिट सीमा का नवीनीकरण आदि शामिल हैं।

● वित्त मंत्री बोलीं- पीएमएमवाई के तहत शुरू की गई थी योजना

वृद्धि दर 6.4-6.7% रहने का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी

परामर्श समेत अन्य सेवाएं देने वाली कंपनी डेलॉयट इंडिया ने मंगलवार को कहा कि मजबूत घरेलू बुनियाद और बढ़ते वैश्विक अवसरों के साथ चालू वित्त वर्ष (2025-26) में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.4 से 6.7% रहने का अनुमान है। हालांकि, इसने यह भी कहा कि भारत को अपने व्यापार जोखिम पर नजर रखनी चाहिए और वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताओं से उत्पन्न नतीजों के लिए तैयार रहना चाहिए।

डेलॉयट इंडिया के अनुसार, रणनीतिक व्यापार वार्ताएं आय, रोजगार, बाजार पहुंच और घरेलू मांग को बढ़ाने वाले शक्तिशाली कारकों के रूप में काम करेंगी। इन वार्ताओं में ब्रिटेन के साथ हुए व्यापार समझौते के अलावा अमेरिका के साथ जारी

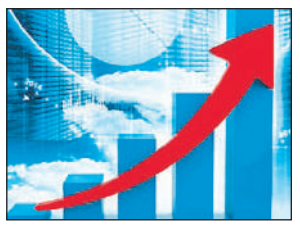

● डेलॉयट इंडिया ने मजबूत घरेलू बुनियाद व बढ़ते वैश्विक अवसरों के साथ जारी की रिपोर्ट

बातचीत और वर्ष के अंत तक यूरोपीय संघ के साथ बहुप्रतीक्षित समझौता शामिल हैं। भारत की आर्थिक वृद्धि दर 2024-25 में 6.5% रही थी।

डेलॉयट ने कहा कि 2025-26 के लिए 6.4 से 6.7% की आर्थिक वृद्धि का अनुमान है। यह अनुमान मजबूत घरेलू मांग, कम होती महंगाई और घरेलू नीति व वैश्विक व्यापार कूटनीति में साहसिक कदम पर आधारित है। डेलॉयट इंडिया की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने कहा, भारत की आर्थिक वृद्धि उतार-चढ़ाव वाले वैश्विक परिदृश्य में भी अलग ही नजर आती है। हमारी गति मजबूत पूंजी बाजार, गतिशील उपभोक्ता आधार और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी कार्यबल के जरिये संचालित है।

परामर्श कंपनी ने कहा कि भारत अपनी वैश्विक व्यापार उपस्थिति का विस्तार करने के लिए रणनीतिक कदम उठा रहा है। हाल के व्यापार समझौते रणनीतिक लाभ प्रदान करते हैं। इससे कृत्रिम मेधा, डिजिटल बदलाव और नवोन्मेष आधारित स्टार्टअप जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग और प्रगाढ़ होने की संभावना है। क्षेत्रीय संघर्ष और महत्वपूर्ण खनिजों और विशिष्ट उर्वरकों पर प्रतिबंधों से वृद्धि संभावनाओं पर असर पड़ने की आशंका है।

उन्नति की ओर | निर्यातक राज्यों की सूची में उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना भी शामिल

शीर्ष निर्यातक राज्य गुजरात, महाराष्ट्र दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली, एजेंसी

गुजरात ने बीते वित्त वर्ष 2024-25 में देश के शीर्ष निर्यातक राज्य के रूप में अपनी स्थिति बरकरार रखी है। कुल 9.83 लाख करोड़ रुपये के निर्यात के साथ देश के कुल निर्यात में गुजरात की 26.6 प्रतिशत हिस्सेदारी है। निर्यातकों के शीर्ष निकाय फियो ने मंगलवार यह जानकारी दी।

पिछले वर्ष की तुलना में मामूली गिरावट के बावजूद, गुजरात का निर्यात अन्य सभी राज्यों से काफी आगे रहा। यह दूसरे स्थान पर रहने वाले राज्य महाराष्ट्र (5,57,271 करोड़ रुपये) से लगभग 4.3 लाख करोड़ रुपये अधिक है। फियो के

● निर्यातकों के निकाय फियो ने कहा- देश के कुल निर्यात में गुजरात की 26.6% हिस्सेदारी

अनुसार, महाराष्ट्र के बाद तमिलनाडु, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना का स्थान है। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) ने कहा कि गुजरात ने 2024-25 में, देश के शीर्ष निर्यातक राज्य के रूप में अपनी अग्रणी स्थिति फिर से स्थापित की है। फियो के अनुसार, गुजरात से होने वाले निर्यात में कुछ जिलों की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। इसमें जामनगर 3.63 लाख करोड़ रुपये के साथ अगुवा बना हुआ है। इसका मुख्य कारण पेट्रोलियम और रिफाइनरी निर्यात है। जामनगर राज्य के कुल निर्यात में एक-तिहाई से अधिक का योगदान देता है।

राज्य से निर्यात की जाने वाली शीर्ष पांच वस्तुएं पेट्रोलियम उत्पाद, रत्न एवं आभूषण, कार्बनिक रसायन, औषधि और इंजीनियरिंग वस्तुएं (मशीनरी) हैं। उत्तर प्रदेश का 2024-25 में देश के कुल 37.02 लाख करोड़ रुपये के निर्यात में 1.86 लाख करोड़ रुपये का योगदान रहा। यह देश के कुल निर्यात का पांच प्रतिशत है। यह उत्तर प्रदेश को देश के निर्यात परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण राज्य के रूप में स्थापित करता है।

अमेजन के साथ समझौता करेगा फियो

नई दिल्ली। निर्यातकों के शीर्ष निकाय फियो ने कहा कि वह घरेलू निर्यातकों को सीमापार व्यापार के माध्यम से विदेशी बाजारों तक पहुंचने में सहायता करने के लिए वैश्विक ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करेगा। भारतीय निर्यात संगठनों का महासंघ (फियो) ने कहा कि ई-कॉमर्स को लेकर परामर्श कार्यक्रम भी होगा। इसमें प्रमुख मुद्दों, चुनौतियों और भारत से ई-कॉमर्स निर्यात के लिए अनुकूल परिवेश को बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया जाएगा। निर्यातकों के शीर्ष संगठन ने कहा, सीमापार व्यापार के माध्यम से वैश्विक बाजारों तक पहुंचने में भारतीय निर्यातकों की सहायता के इरादे से फियो प्रमुख वैश्विक ई-कॉमर्स मंच अमेजन के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर छह अगस्त को हस्ताक्षर करेगा।

वर्ल्ड ब्रीफ

कुलगाम में आतंकियों से मुठभेड़ 5वें दिन भी जारी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकवाद विरोधी अभियान मंगलवार को पांचवें दिन भी जारी रहा तथा सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में शामिल आतंकवादियों पर अपना शिकंजा कस दिया है। अधिकारियों ने अखल इलाके में कड़ी घेराबंदी के बाद मंगलवार को कुछ ग्रामीणों को वहां से निकाला, जिन्हें चिकित्सा सहायता की जरूरत थी। एक अधिकारी ने बताया, मुठभेड़ पांचवें दिन भी जारी है और रुक-रुक कर गोलीबारी हो रही है। सुरक्षा बल आतंकवादियों का पता लगाने के लिए ड्रोन और हेलीकॉप्टर सहित सभी साधनों का उपयोग कर रहे हैं।

रोजगार आंकड़े जारी करने पर अफसर बर्खास्त

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जुलाई में रोजगार संबंधी आंकड़े जारी होने के बाद श्रम सांख्यिकी ब्यूरो के निदेशक को बर्खास्त कर दिया। अमेरिका में नौकरियों संबंधी मासिक आंकड़ों पर शेयर बाजार के निवेशकों और अर्थशास्त्रियों की पहले से ही नजर रहती है लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इस रिपोर्ट की निगरानी करने वाले अधिकारी को शुक्रवार को बर्खास्त किए जाने के बाद ये आंकड़े विशेष रूप से ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। ट्रंप ने दावा किया कि उन्हें और रिपब्लिकन पार्टी के अन्य नेताओं को खराब दिखाने के लिए जून के रोजगार संबंधी आंकड़ों में हेरफेर किया गया था।

संदीप आर्य भूटान में भारत के नए राजदूत

नई दिल्ली। संदीप आर्य को भूटान में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को एक वक्तव्य जारी कर यह जानकारी दी। श्री आर्य भारतीय विदेश सेवा के 1994 बैच के अधिकारी हैं। वह अभी वियतनाम में भारत के राजदूत हैं। उन्हें वर्ष 2022 में वियतनाम का राजदूत नियुक्त किया गया था। श्री आर्य को श्री सुधाकर दलेला की जगह यह जिम्मेदारी दी गयी है। मंत्रालय के अनुसार श्री आर्य के शीघ्र ही कार्यभार ग्रहण करने की संभावना है।

ब्राजील अमेरिकी टैरिफ को देगा चुनौती

ब्रासीलिया। ब्राज़ील विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में नए लगाए गए अमेरिकी आयात शुल्क को औपचारिक रूप से चुनौती देने की तैयारी कर रहा है, साथ ही बातचीत के रास्ते भी खुले रखे हुए है। ब्राजील के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा बुधवार से लागू होने वाले कॉफी, बीफ और पेट्रोकेमिकल्स सहित ब्राजील के कई वस्तुओं के निर्यातों पर 50 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की घोषणा के बाद आया है।

पश्चिमी देशों को क्यों रास आता है

दुनिया में तेल का खेल

तेल जिसे ब्लैक गोल्ड भी कहा जाता है, वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन है। यह पूरी दुनिया के लिए एक जटिल और बहुआयामी मुद्दा है, जिसमें तमाम देशों के राजनीतिक, आर्थिक और भू-राजनीतिक हित शामिल हैं। रूसी तेल के आयात को लेकर भारत और अमेरिका के बीच बढ़े तनाव का यही एक बड़ा कारण है। दुनिया की ऊर्जा पर निर्भरता, तेल आधारित महंगाई और बाजार नियंत्रण के साथ राजनीतिक दबाव का प्रमुख जरिया होने के कारण ही अमेरिका समेत पश्चिमी देश तेल के कारोबार पर अपना नियंत्रण चाहते हैं और इसके लिए आर्थिक प्रतिबंधों और निर्यात बाधित करने जैसी रणनीति का इस्तेमाल करते हैं।

तेल का महत्व

- **आर्थिक :** तेल सबसे बड़ी कमोडिटी है और इसका उपयोग परिवहन, विनिर्माण, और बिजली उत्पादन सहित कई उद्योगों में किया जाता है।
- **राजनीतिक :** तेल भंडार वाले देशों का वैश्विक राजनीति में महत्वपूर्ण प्रभाव होता है, तेल की कीमतें अक्सर देशों के बीच तनाव और सहयोग का कारण बनती हैं।
- **भू-राजनीतिक :** तेल की उपलब्धता और पहुंच अक्सर देशों के बीच संघर्ष और सहयोग का कारण बनती है, खासकर मध्य पूर्व और अन्य तेल समृद्ध क्षेत्रों में।

प्रमुख तेल उत्पादक

- वेनेजुएला, सऊदी अरब, कनाडा, ईरान और इराक जैसे देश सबसे बड़े तेल भंडार हैं और तेल की कीमतों को प्रभावित करने में भूमिका निभाते हैं।

पश्चिमी देशों का रुख

- अमेरिका समेत पश्चिमी देश अर्थव्यवस्था, राजनीतिक दबाव और महंगाई पर नियंत्रण के लिए दुनिया भर में तेल के कारोबार को नियंत्रित करने की कोशिश करते हैं।
- अमेरिका जैसे देशों का विपरीत परिस्थितियों में अपने विशाल तेल भंडार खोलकर पूरी दुनिया में तेल कीमतों को नियंत्रित करने का पुराना हथकंडा है।
- प्रतिबंध और निर्यात नियंत्रण का भी इस्तेमाल किया जाता है। रूस-ईरान जैसे देशों पर आर्थिक प्रतिबंध लगाकर उनका तेल निर्यात सीमित किया गया है।

रूस की ताकत बना तेल

- रूस की बजट आमदनी का 40% से अधिक हिस्सा तेल और गैस से आता है। युद्ध के समय यह आय हथियारों और सेना के खर्च में लगाई जा रही है।
- यूरोप द्वारा प्रतिबंध लगाने के बाद रूस ने भारत, चीन, तुर्किए जैसे देशों को रियायती दर पर तेल बेचना शुरू किया जिससे उसकी आय बरकरार रही।
- कई देशों की ऊर्जा जरूरतें पूरी करने के लिए पूरी तरह रूस से रिश्ता नहीं तोड़ सके जैसे जर्मनी और हंगरी यूक्रेन से युद्ध की शुरुआत में।

ओपेक

ऑर्गेनाइजेशन ऑफ द पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज (ओपेक) तेल उत्पादक देशों का संगठन है जिसमें 13 देश शामिल हैं। ये दुनिया के तेल उत्पादन का लगभग 40% हिस्सा नियंत्रित करता है और तेल की कीमतों को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

तेल ने बनाया अर्थशक्ति

सबसे बड़े तेल निर्यातक सऊदी अरब ने अपने सॉवरेन वेल्थ फंड में अरबों डॉलर का निवेश किया है। यूएई ने तेल के पैसे से दुबई और अबूधाबी को वैश्विक आर्थिक हब में बदल दिया। कुवैत-कतर जैसे छोटे देश प्रति व्यक्ति आय में उच्चस्तर पर है और कई सामाजिक कल्याण कार्यक्रम भी चला रहे हैं। नॉर्वे दुनिया का सबसे बड़ा पेंशन फंड बनाया है।

अमेरिका में विदेशी पर्यटकों को 15000 डॉलर का देना होगा बांड

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- **वीजा अवधि से ज्यादा समय तक रुकने वालों के लिए बना नियम**

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन एक प्रायोगिक कार्यक्रम लागू कर रहा है जिसके तहत पर्यटक या व्यावसायिक वीजा पर अमेरिका आने वाले विदेशी आगंतुकों को 15,000 अमेरिकी डॉलर तक का बांड भरना पड़ेगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे अपनी वीजा अवधि खत्म होने के बाद भी देश में न रुकें।

अमेरिकी विदेश विभाग ने एक 'अस्थायी अंतिम नियम' जारी किया है जिसके तहत 12 महीने का वीजा बांड प्रायोगिक कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। विदेश मंत्रालय ने कहा कि व्यवसाय या पर्यटन के वास्ते अमेरिका आने के लिए बी-1/बी-2 वीजा का आवेदन करने वाले विदेशियों को 15,000 अमेरिकी डॉलर तक का बांड भरना पड़ सकता है।

मंत्रालय ने कहा, व्यापार या मौज मस्ती के लिए अस्थाई आगंतुक के रूप में वीजा आवेदक और मंत्रालय द्वारा चिह्नित ऐसे विदेशी जिनका वीजा अवधि से अधिक दिन ठहरने का इतिहास रहा है, अथवा निवेश के जरिए नागरिकता की पेशकश करने वाले व्यक्ति और ऐसे विदेशी जिन्होंने बिना आवश्यकता के नागरिकता प्राप्त की हो, वे इस प्रायोगिक कार्यक्रम के अधीन हो सकते हैं। इस कार्यक्रम के दायरे में आने वाले देशों की घोषणा अभी नहीं की गई है।

आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने पर भारत-फिलीपींस सहमत

मोदी ने कहा- भारत और फिलीपींस अपनी मर्जी से मित्र और नियति से साझेदार

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत और फिलीपींस अपनी मर्जी से मित्र और नियति से साझेदार हैं। उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे समय में की, जब दोनों देशों ने आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाते हुए अपने सशस्त्र बलों के बीच तालमेल बढ़ाने पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी और फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर मार्कोस जूनियर के बीच यहां संपन्न द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों देशों ने आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने की घोषणा की। इससे एक दिन पहले दोनों देशों की नौसेनाओं ने फिलीपींस तट पर संयुक्त अभ्यास किया था।

मोदी ने मार्कोस की मौजूदगी में कहा, भारत और फिलीपींस अपनी मर्जी से मित्र और नियति से साझेदार हैं। हिंद महासागर से लेकर प्रशांत महासागर तक, हम साझा मूल्यों के तहत एकजुट हैं। हमारी दोस्ती केवल अतीत की साझेदारी नहीं है, यह भविष्य के लिए एक वादा है। मोदी ने कहा, यह खुशी की बात है कि आज हमने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला लिया है। इस साझेदारी की संभावनाओं को नतीजों में बदलने के लिए एक व्यापक कार्य योजना भी तैयार की गई है। भारत और फिलीपींस दोनों देशों के राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। इस अवसर पर मोदी और मार्कोस ने एक डाक टिकट जारी किया।

प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में भारत-फिलीपींस के बीच नौ समझौतों पर हुए हस्ताक्षर।

दोनों देशों ने किए नौ समझौतों पर हस्ताक्षर

भारत और फिलीपींस ने नौ समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें रणनीतिक साझेदारी की घोषणा एवं कार्यान्वयन, दोनों देशों की सेना, वायु सेना और नौसेना के बीच वार्ता के लिए संदर्भ की शर्तें तथा बाह्य अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण इस्तेमाल पर सहयोग शामिल है। मोदी ने कहा कि फिलीपींस भारत की 'एक्ट ईस्ट नीति' और 'महासागर' (क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक एवं समग्र उन्नति) दृष्टिकोण में एक अहम साझेदार है। उन्होंने कहा, हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा, समृद्धि और नियम-आधारित व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार नौवहन की स्वतंत्रता का समर्थन करते हैं।

- मोदी ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निंदा करने और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ खड़े होने के लिए फिलीपींस सरकार का आभार जताया। मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा संबंध गहरे आपसी विश्वास का प्रतीक हैं।

फिलीपींस में त्वरित परियोजनाओं की संख्या बढ़ाएगा भारत

प्रधानमंत्री ने कहा कि विकास साझेदारी के तहत भारत फिलीपीन में त्वरित प्रभाव परियोजनाओं की संख्या बढ़ाएगा और संप्रभु डेटा क्लाउड अवसंरचना के विकास में भी सहयोग करेगा। उन्होंने कहा, आज जब फिलीपींस के राष्ट्रपति भारत में हैं, तब भारतीय नौसेना के तीन जहाज पहली बार फिलीपींस में किसी नौसैनिक अभ्यास में हिस्सा ले रहे हैं। मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार लगातार बढ़ रहा है और तीन अरब अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है। उन्होंने कहा, व्यापार संबंधों को और मजबूत करने के लिए, भारत-आसियान मुक्त व्यापार समझौते की जल्द समीक्षा हमारी प्राथमिकता है। हमने द्विपक्षीय व्यापार समझौते की दिशा में काम करने का भी फैसला लिया है। मोदी ने कहा कि भारतीय कंपनियां सूचना एवं डिजिटल प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, ऑटोमोबाइल, बुनियादी ढांचे और खनिज क्षेत्रों में सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में, विषाणु विज्ञान से लेकर एआई और 'एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग' (3-डी प्रिंटिंग) तक, संयुक्त अनुसंधान किए जा रहे हैं।

बांके बिहारी मंदिर का बेहतर प्रशासन सुनिश्चित करना अध्यादेश का उद्देश्य

नई दिल्ली, एजेंसी

- **हाईकोर्ट के जज ने दीवानी विवाद में आपराधिक समन रखा था कायम**
- **सेवानिवृत्ति तक कायम रहेगी रोक पीठ में वरिष्ठ जज के साथ बैठेंगे**

उत्तर प्रदेश सरकार ने उच्चतम न्यायालय से मंगलवार को कहा कि बांके बिहारी मंदिर ट्रस्ट के लिए अध्यादेश लाने का उसका उद्देश्य मथुरा के वृंदावन स्थित धार्मिक स्थल का बेहतर प्रशासन सुनिश्चित करना है। न्यायालय ने उत्तर प्रदेश सरकार को झटका देते हुए सोमवार को कहा था कि वह श्रद्धालुओं के लाभ के लिए वृंदावन में श्री बांके बिहारी मंदिर गलियारा विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना को 15 मई को दी गई मंजूरी को स्थगित रखेगा, क्योंकि इसमें मुख्य हितधारकों की बात नहीं सुनी गई।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने राज्य सरकार द्वारा गुप्त तरीके से अदालत पहुंचने के दृष्टिकोण की निंदा की थी और प्राचीन मंदिर का प्रबंधन अपने हाथ में लेने के लिए उत्तर प्रदेश श्री बांके बिहारी जी मंदिर ट्रस्ट अध्यादेश, 2025 लाने की जल्दबाजी पर सवाल उठाया था। पीठ के समक्ष पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज ने कहा कि 2025 के अध्यादेश का मंदिर प्रशासन के स्वामित्व के लंबित मुकदमे से कोई लेना-देना नहीं है। मंदिर के बेहतर प्रशासन के लिए उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गई थी और निर्देश पारित किए गए थे। कहा कि अध्यादेश मंदिर के बेहतर प्रशासन के लिए जारी किया गया था, जहां हर हफ्ते लगभग दो-तीन लाख श्रद्धालु आते हैं। इसके बाद पीठ ने नटराज से कहा कि उनकी दलीलें अच्छी हो सकती हैं, लेकिन यह तब दी जा सकती हैं जब अध्यादेश को चुनौती देने का मामला उच्च न्यायालय में भेज दिया जाए।

राज्य सरकार का प्रस्ताव पीठ को सौंपा

नटराज ने राज्य सरकार का प्रस्ताव पीठ को सौंपा जिसकी समीक्षा करने पर पाया गया कि यह 4 अगस्त को अदालत द्वारा दिए गए सुझाव के समान ही है। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने पीठ से आग्रह किया कि उन्हें मंदिर के प्रशासन के मुद्दे पर आठ अगस्त तक प्रस्ताव और सुझाव देने की अनुमति दी जाए। याचिकाकर्ताओं ने उत्तर प्रदेश श्री बांके बिहारी जी मंदिर ट्रस्ट अध्यादेश, 2025 की वैधता को चुनौती दी है। पीठ ने मामले की सुनवाई 8 अगस्त के लिए स्थगित कर दी तथा याचिकाकर्ताओं को इस मुद्दे पर अपने सुझाव देने की अनुमति दे दी। कोर्ट ने 15 मई को श्री बांके बिहारी मंदिर गलियारे को विकसित करने की उप्र सरकार की योजना का मार्ग प्रशस्त कर दिया था। कोर्ट ने सरकार की उस याचिका को स्वीकार कर लिया था जिसमें कहा गया था कि श्री बांके बिहारी मंदिर की निधि का इस्तेमाल केवल मंदिर के आसपास पांच एकड़ भूमि खरीदने और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बनाये गये निरुद्ध क्षेत्र (होल्डिंग एरिया) बनाने के लिए किया जाए।

दोषी एमपी-एमएलए पर ताउम्र पाबंदी पर होगी सुप्रीम सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

- **वृहद पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने पर सीजेआई करेंगे फैसला**

आपराधिक मामलों में दोषी सांसदों और विधानसभा सदस्यों को स्थाई रूप से अयोग्य घोषित करने की मांग एक याचिका पर वृहद पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने पर फैसले के लिए सीजेआई बीआर गवई के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ के समक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया ने मंगलवार को इस मामले का उल्लेख किया और शीघ्र सुनवाई का आग्रह किया। अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा दायर यह जनहित याचिका, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 के प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देती है, जो वर्तमान में दोषी विधायकों को सजा पूरी करने के बाद केवल छह साल तक चुनाव लड़ने से रोकती है।

पीठ ने मामले की तात्कालिकता को स्वीकार किया और निर्देश दिया कि मामले को आगे के निर्देशों के लिए सीजेआई के समक्ष रखा जाए। इस याचिका पर अंतिम सुनवाई 20 अक्टूबर को होने की उम्मीद है।

केंद्र सरकार जता चुकी है विरोध

फरवरी 2025 में केंद्र सरकार ने इस याचिका का विरोध करते हुए तर्क दिया कि निर्वाचित प्रतिनिधियों की आजीवन अयोग्यता संसद के अधिकार क्षेत्र का मामला है, न्यायपालिका को इस पर निर्णय लेने का अधिकार नहीं है। केंद्र ने जबाव में कहा कि कोर्ट न्यायिक समीक्षा के अधिकार के तहत किसी प्रावधान को असंवैधानिक घोषित कर सकता है, लेकिन याची द्वारा सुझाए गए छह वर्ष के स्थान पर आजीवन शब्द का प्रयोग करने के लिए कानून को फिर से नहीं लिख सकता।

ब्राजील : पूर्व राष्ट्रपति जेयर को नजरबंद करने का आदेश

ब्रासीलिया। ब्राजील की सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो को नजरबंद करने का आदेश दिया है। श्री बोल्सोनारों पर 2022 के राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों को पलटने की कथित साजिश रचने के आरोप में मुकदमा चल रहा है।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार न्यायाधीश एलेक्जेंडर डी मोरेस ने सोमवार को यह आदेश जारी करते हुए कहा कि बोल्सोनारो अदालत की ओर से लगाए गए प्रतिबंधों का पालन करने में पूरी तरह से विफल रहे हैं, जिसमें सोशल मीडिया और मोबाइल फोन का उपयोग भी शामिल है। न्यायाधीश ने कहा कि बोल्सोनारो ने अन्य यूजर्स के सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट के लिए भाषण रिकॉर्ड किए थे। यह तीसरे पक्ष के सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए साक्षात्कारों या सार्वजनिक या निजी भाषणों के दुरुपयोग पर रोक लगाने वाले आदेश का उल्लंघन है।

पलटवार: भारतीय सेना ने अमेरिका के चेहरे से मुखौटा उतारा

यूक्रेन युद्ध को बढ़ावा देने के ट्रंप के आरोपों के बाद पाकिस्तान को हथियार देने वाली पुरानी खबर साझा की

नई दिल्ली, एजेंसी

रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर अमेरिका की ओर से भारत की आलोचना और यूक्रेन युद्ध को बढ़ावा देने के आरोपों के बीच भारतीय सेना ने मंगलवार को अगस्त 1971 की एक समाचार क्लिप साझा की, जिसमें 1954 से पाकिस्तान को हथियार देने में अमेरिका की भूमिका को उजागर किया गया है। यह समाचार क्लिप सेना की पूर्वी कमान द्वारा सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में साझा की गई।

पोस्ट में हैशटैग भारतीयसेना, पूर्वीकमान, विजयवर्ष, 'लिबरेशन ऑफ बांग्लादेश' और 'मीडिया हाइलाइट्स' के साथ ही इसमें नोफैक्ट्स (तथ्यजानें) हैशटैग के साथ 'इस दिन उस वर्ष' युद्ध की तैयारी - 05 अगस्त 1971 का भी उल्लेख किया गया है। यह समाचार 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध से कुछ महीने पहले प्रकाशित हुआ था। युद्ध के परिणामस्वरूप बांग्लादेश का निर्माण हुआ था। इस खबर में तत्कालीन समय से पिछले लगभग दो दशकों में पाकिस्तान को हथियार मुहैया कराने में अमेरिका की भूमिका के बारे में बताया गया था। इसका शीर्षक था, 'यूएस आर्म्स वर्थ डॉलर2 बिलियन शिप्ड टू पाकिस्तान सिंस 54' यानी '1954 से अब तक दो अरब डॉलर मूल्य के अमेरिकी हथियार पाकिस्तान भेजे गए हैं।

बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर और अधिक शुल्क लगाने की धमकी देने के कुछ ही घंटे बाद विदेश मंत्रालय ने मॉस्को के साथ नयी दिल्ली के ऊर्जा संबंधों की आलोचना को खारिज करते हुए एक बयान जारी किया था। आलोचना को दृढ़ता से खारिज करते हुए भारत ने इस मुद्दे पर उसे निशाना बनाने में दोहरे मापदंड की ओर इशारा किया और कहा कि अमेरिका और यूरोपीय संघ दोनों ही रूस के साथ अपने व्यापारिक संबंध जारी रखे हुए हैं।

- **1954 से 1971 तक अमेरिका ने पाकिस्तान को की थी दो अरब डॉलर के हथियारों की सप्लाई**

तत्कालीन रक्षामंत्री ने खोली थी पोल

खबर में तत्कालीन रक्षा उत्पादन मंत्री वीसी शुक्ला का हवाला दिया गया है, जिन्होंने उस अवधि के दौरान आपूर्ति किए गए हथियारों के अनुमानित मूल्य के बारे में राज्यसभा को बताया था। सोशल मीडिया पर यह पोस्ट नई दिल्ली द्वारा रूस से कच्चा तेल खरीदने पर वाशिंगटन की बढ़ती आलोचना के बीच आया है। भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद के लिए नई दिल्ली को अनुचित और अविवेकपूर्ण' तरीके से निशाना बनाने को लेकर सोमवार को अमेरिका और यूरोपीय संघ पर जोरदार पलटवार किया था।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 6 अगस्त, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वादशी 13.12 तक तत्पश्चात द्वादशी।

आज का पंचांग

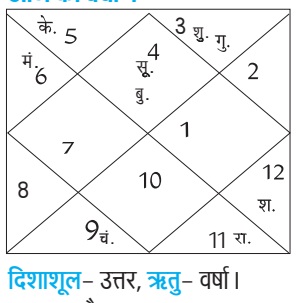

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- वर्षा।
चन्द्रबल और ताराबल
ताराबलअश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती, चन्द्रबलमिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुम्भ, मीन

मेष आज आपके कामकाज की सराहना होगी। आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको कामयाबी मिलेगी। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। आर्थिक दृष्टि से भी दिन उत्तम है। निवेश के लिए नए अवसर मिल सकते हैं।

वृष आपके लिए आज का दिन थोड़ा तनावपूर्ण हो सकता है। आप संयम से काम लें। घर में किसी मुद्दे पर वाद-विवाद संभव है। कार्यक्षेत्र में विरोधियों से सतर्क रहना होगा। पैसों की लेन-देन में सावधानी बरतने की जरूरत है। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही से बचें।

मिथुन आज के दिन आप नई योजनाओं की शुरुआत कर सकते हैं। शिक्षा और प्रतियोगिता या नौकरी से संबंधित अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है। घर में खुशी का माहौल रहेगा और परवार के लोगों से सहयोग मिलेगा। रुके हुए पुराने पूरे हो सकते हैं।

कर्क आज का दिन मानसिक रूप से कुछ उतार-चढ़ाव वाला है। किसी पुराने दोस्त से गलतफहमी हो सकती है। व्यावसायिक क्षेत्र में नए अनुबंध मिलने की उम्मीद है। स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और खान-पान का समय दुरुस्त रखें। दाम्पत्य जीवन में सामंजस्य बना रहेगा।

सिंह आजका दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आप आत्मविश्वास से भरे रहेंगे। नेतृत्व क्षमता का लाभ मिलेगा और लोग आपके सुझावों को अहमितयत देंगे। साझेदारी में किया गया काम सफल रहेगा। आपको समाज में मान-सम्मान मिलेगा।

कन्या आज आप रचनात्मक और योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, लेकिन स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है। पेट संबंधी समस्याएं आज उभर सकती हैं।

तुला आपका आज का दिन भाग्यशाली है। किसी खास आदमी से मुलाकात फायदा पहुंचाएगी। संतान से जुड़ी कोई खुशखबरी आपको मिल सकती है। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और धन का आगमन होगा। जीवनसाथी के साथ तालमेल बढ़ेगा।

वृश्चिक आपको अपनी योजनाओं को लेकर गोपनीयता बरतने की जरूरत है। करियर में कोई बड़ा निर्णय लेने से पहले सोच-विचार जरूर कर लें। आज घर का माहौल तनावपूर्ण हो सकता है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। मानसिक शांति के लिए ध्यान का सहारा लें।

धनु आजका दिन आपके लिए विशेष है। भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में उन्नति के संकेत मिलेंगे। आपकी निर्णय क्षमता मजबूत रहेगी और लोग आपसे प्रभावित होंगे। रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

मकर आपको धैर्य और समझदारी से आज आगे बढ़ना होगा। आपके कार्यों में कुछ अड़चनें आ सकती हैं, लेकिन मेहनत से आप उन्हें पार कर लेंगे। आर्थिक मामलों में संयम रखने की जरूरत है। आज अनावश्यक खर्चों से बचें।

कुंभ आपके विचारों में आज सकारात्मकता रहेगी। योजनाओं पर गंभीरता से काम करें तो सफलता जरूर मिलेगी। आपकी आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन निवेश सोच-समझकर ही करें। घर में बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा है।

मीन आपका आज का दिन काफी व्यस्त रहने वाला है। निजी और पेशेवर जीवन में संतुलन बनाना आपके लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। परिवार के साथ समय बिताने से मन को शांति मिलेगी।

सुडोकू-61

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			6			5		
3	8				2		7	
			4		7			1
8				5		1		
1								9
		2		7				6
6			3		9			
	1		2				3	8
		4			8			

सुडोकू - 60 का हल

4	2	7	6	8	1	5	9	3
3	8	1	5	9	2	6	7	4
9	6	5	4	3	7	2	8	1
8	4	3	9	5	6	1	2	7
1	7	6	8	2	4	3	5	9
5	9	2	1	7	3	8	4	6
6	5	8	3	4	9	7	1	2
7	1	9	2	6	5	4	3	8
2	3	4	7	1	8	9	6	5

जब आप अपने देश के लिए खेल रहे हों, तो दर्द और तकलीफों को भूल जाइए। क्या आपको लगता है कि सीमा पर जवान ठंड की शिकायत करते होंगे। ऋषभ पंत ने आपको क्या दिखाया? भारत के लिए क्रिकेट खेलना सम्मान की बात है। **- सुनील गावस्कर**

स्टेडियम

बरेली, बुधवार, 6 अगस्त 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

थके भारतीय खिलाड़ी समूहों में स्वदेश रवाना

लंदन : ओवल में सीरीज बराबर करने वाली ऐतिहासिक जीत के बाद बड़े जश्न की उम्मीद थी लेकिन भारतीय टीम के सदस्यों ने मंगलवार सुबह स्वदेश के लिए रवाना होने से पहले शांति से समय बिताने का फैसला किया। मोहम्मद सिराज सहित भारतीय टीम के कई सदस्य लंबी और थकाऊ सीरीज के पांचवें और अंतिम टेस्ट में नाटकीय जीत के 24 घंटे से भी कम समय बाद एमिरेट्स की उड़ान से रवाना हुए। टीम के सदस्य मंगलवार शाम को दुबई पहुंचेंगे और फिर भारत में अपने-अपने गृहनगरों के लिए उड़ान भरेंगे। अंतिम टेस्ट में जीत के सूत्रधार सिराज दुबई पहुंचने के बाद हैदराबाद के लिए अगली उपलब्ध उड़ान लेंगे। अर्शदीप सिंह और शारदुल ठाकुर भी स्वदेश लौटने वालों में शामिल हैं। कुछ ने इंग्लैंड में ही रुकने का फैसला किया है।

एशिया कप टीम में चुने जा सकते हैं गिल

नई दिल्ली : शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन भारत की एशिया कप टीम में चयन की दौड़ में हैं जिसे अगस्त के तीसरे सप्ताह में चुने जाने की उम्मीद है। जायसवाल और टेस्ट कप्तान गिल व्यस्त कार्यक्रम के कारण पिछले कुछ टी20 मैचों में नहीं खेले हैं लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला के बाद एक महीने के आराम के कारण वे इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों के अनुसार राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने सभी विकल्प खुले रखे हैं।

मुक्केबाजी चैंपियनशिप ग्रेटर नोएडा में कल से

नई दिल्ली : भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने मंगलवार को कहा कि ग्रेटर नोएडा में सात से 13 अगस्त तक होने वाली सब-जूनियर (अंडर-15) राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 400 लड़के और 300 लड़कियों सहित 700 से अधिक मुक्केबाज भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता का आयोजन 15 भार वर्ग में किया जाएगा। हरियाणा लड़कियों के वर्ग में जबकि चंडीगढ़ लड़कों के वर्ग में गत विजेता है।

कनाडाई मबोको सेमीफाइनल में

मॉन्ट्रियल : कनाडा की किशोरी विक्टोरिया मबोको ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट में स्पेन की जेसिका बुजास मानेरो को 6-4, 6-2 से हराकर अपने करियर के पहले डब्ल्यूटीए टूर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त कोको गॉफ को हराने के दो दिन बाद टोरंटो की रहने वाली 18 वर्षीय खिलाड़ी मबोको को लय हासिल करने में देर लगी लेकिन उन्होंने जल्द ही मैच पर नियंत्रण बना दिया और सीधे सेट में जीत दर्ज की। मबोको 2019 में बियांका के खिताब जीतने के बाद से इस डब्ल्यूटीए 1000 प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली कनाडा की पहली खिलाड़ी हैं।

शीर्ष वरीयता प्राप्त ज्वेरेव अंतिम चार में

टोरंटो : शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके ऑस्ट्रेलिया के 18वीं वरीयता प्राप्त एलेक्सी पोपिरिन को हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। जर्मन खिलाड़ी और यहां 2017 के चैंपियन ज्वेरेव ने पिछली बार के विजेता पोपिरिन को 6-7 (8), 6-4, 6-3 से पराजित किया। सेमीफाइनल में मुकाबला रूस के कारेन या अमेरिका के एलेक्स मिशेलसन से होगा।

सब-जूनियर तैराकी में कर्नाटक चैंपियन

बेंगलुरु : कर्नाटक 41वीं सब जूनियर राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप में मंगलवार को यहां 104 अंक के साथ चैंपियन बना। मणिपुर 81 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहा। राज्य के तैराक कोइजाम अथोइबा सिंह को 28 अंक के साथ सर्वश्रेष्ठ पुरुष तैराक चुना गया। गोव की पूर्वी रितेश नाईक 19 अंक के साथ सर्वश्रेष्ठ महिला तैराक रहीं। अथोइबा ने प्रतियोगिता के अंतिम दिन 100 मीटर फ्रीस्टाइल में 58.59 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि लड़कियों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल में पूर्वी ने एक मिनट 4.40 सेकेंड के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया।

परिवर्तन के दौर की पहली परीक्षा में सफल रही भारतीय टीम

शुभमन गिल की अगुवाई वाली युवा टीम ने उम्मीद से बढ़कर किया प्रदर्शन, पूरी श्रृंखला रही रोमांचक

लंदन, एजेंसी

शुभमन गिल की अगुवाई में भारतीय युवा टीम जब लगभग दो महीने पहले इंग्लैंड पहुंची थी तो कुछ प्रमुख सीनियर खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में उससे ज्यादा उम्मीद नहीं की जा रही थी, लेकिन इस टीम ने पांचों टेस्ट मैच में न सिर्फ उम्मीदों से बढ़कर प्रदर्शन किया, बल्कि भविष्य के लिए एक बेहतरीन खाका भी पेश किया।

विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन के संन्यास लेने और मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के केवल तीन मैच के लिए उपलब्ध रहने के कारण भारतीय टीम से बहुत ज्यादा उम्मीद नहीं लगाई जा रही थी, लेकिन वह परिवर्तन के इस दौर की पहली परीक्षा में सफल रही। दोनों कप्तानों गिल और उनके प्रतिद्वंद्वी बेन स्टोक्स के शब्दों में 45 दिनों की कड़ी टक्कर के बाद 2-2 की बराबरी शायद एक उचित परिणाम है।

भारत ने दो मैच गंवाए, लीड्स में पहला मैच और लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट। इन मैच में भी भारत जीत सकता था, लेकिन यही वह सबक है जो युवा खिलाड़ियों को मिला है। भारतीय टीम की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उसने किसी भी मैच में आखिर तक हार नहीं मानी और दो मैच में शानदार वापसी की। इससे टीम के जज्बे का पता चलता है। इस श्रृंखला में यह भी साबित हो गया कि भारतीय टीम का भविष्य सुरक्षित हाथों में है। गिल ने श्रृंखला में चार शतक की मदद से सर्वाधिक 754 रन बनाकर आगे बढ़कर नेतृत्व किया। इससे अन्य खिलाड़ियों को भी अच्छा प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिली। अपने करियर की शुरुआत सलामी बल्लेबाज के रूप में करने वाले गिल ने बल्लेबाजी क्रम में महत्वपूर्ण चौथे नंबर पर खुद को स्थापित करके भारत की कई चिंताओं को दूर कर दिया। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज श्रृंखला के नायक बनकर उभरे। वह दोनों टीमों की ओर से सभी पांच टेस्ट मैचों में खेलने वाले एकमात्र तेज गेंदबाज थे। उन्होंने ओवल में श्रृंखला का अंतिम विकेट लिया और 23 विकेट लेकर सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने। कार्यभार प्रबंधन के कारण दो टेस्ट मैचों में बुमराह के नहीं खेलने का सिराज ने पूरा फायदा उठाया। विपक्षी कप्तान बेन स्टोक्स की तरह दबाव बनाए रखने के लिए कुछ अतिरिक्त ओवर फेंकने की ज़रूरत पड़ने पर अपना योगदान दिया। बुमराह की फिटनेस पर सवाल बने रहेंगे और लंबे प्रारूप में उनका भविष्य भी अनिश्चित है।

इंग्लैंड के खिलाफ पांचवां व अंतिम टेस्टमैच जीतने के बाद जश्न मनाते भारतीय टीम के युवा खिलाड़ी। ● एजेंसी

बड़े मौकों पर छूटे कैच

■ **लंदन :** यह सीरीज सबसे ज्यादा छूटे हुए कैचों के मामले में भी शीर्ष पर रही। कुल 41 कैच छूट गए, जो गेंद-दर-गेंद के आंकड़े उपलब्ध होने के बाद से (2018 के बाद से) किसी भी सीरीज में सबसे ज्यादा हैं। दोनों टीमों ने कैच छोड़ने की साख भी बना ली है। सबसे ज्यादा छूटे हुए कैचों के मामले में शीर्ष चार सीरीज में से तीन भारत और इंग्लैंड के बीच हैं, जिनमें से अन्य दो तब हुई थीं जब भारत ने 2021/22 (37) और 2018 (32) में इंग्लैंड का दौरा किया था। इस दौरे पर, भारत ने 23 मौके गंवाए, जो एक सीरीज में उनके लिए सबसे ज़्यादा हैं - 2018/19 में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करने की तुलना में सात ज्यादा।

खराब रिव्यू

■ इस सीरीज में दोनों टीमों द्वारा अंपायर के फ़ैसलों को 63 बार चुनौती दी गई, जिनमें से 44 रिव्यू असफल रहे। इस तरह, 69.8% रिव्यू बर्बाद हो गए, जिससे पता चलता है कि अंपायरों ने ज्यादातर सही फैसले दिए। भारत ने 24 असफल रिव्यू लिए (जिसमें एलबीडब्ल्यू अपील पर अंपायर कॉल के फैसले शामिल हैं), जो एक सीरीज में उनके लिए तीसरे सबसे ज्यादा हैं। हालांकि, ड्रॉप कैच की तरह, 2018 के दौरे से शुरू होकर इंग्लैंड में हर सीरीज में भारत के असफल रिव्यू की संख्या भी बढ़ी है, जबकि इंग्लैंड के रिव्यू में सुधार हुआ है। गेंदबाजी करते समय एलबीडब्ल्यू फैसलों की समीक्षा करने की बात आती है, तो इन पांचों टेस्ट मैचों में दोनों टीमें मैदान पर लिए गए फैसले को केवल दो बार ही पलट सकीं।

करीबी श्रृंखलाएं : जब गेंद और बल्ले के संघर्ष व रणनीति की हुई परीक्षा

■ **नई दिल्ली :** भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए खेली गई पांच मैच की श्रृंखला 2-2 से बराबर रही, जिससे कड़े मुकाबले वाली श्रृंखलाओं की लंबी सूची में एक और चमकदार पन्ना जुड़ गया। ऐसा पहली बार नहीं हुआ जबकि कोई टेस्ट श्रृंखला रोमांच के चरम पर समाप्त हुई। पीटीआई भाषा ने पिछले डेढ़ दशक में हुए कुछ यादगार मुकाबलों का संकलन किया है, जिनमें टेस्ट क्रिकेट के उतार-चढ़ाव देखे गए।

■ **भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, 2020-21 :** संभवत: यह खेल के इतिहास की सर्वश्रेष्ठ श्रृंखलाओं में से एक थी, जिसमें भारत ने अपने कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने और कुछ कड़ी चुनौतियों से पार पाकर ऑस्ट्रेलिया पर 2-1 से जीत दर्ज की। एडिलेड में 36 रन के अपने न्यूनतम स्कोर पर आउट होने से लेकर गाबा में तीन विकेट की जीत तक, कार्यवाहक कप्तान अजिंक्य रहाणे के नेतृत्व में भारत ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को उसकी धरती पर ही धूल चटा दी।

■ **भारत बनाम इंग्लैंड, 2011-12 :** अहमदाबाद में इंग्लैंड को नौ विकेट से हराने के बाद भारत चार मैचों की श्रृंखला में अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा था लेकिन केविन पीटरसन के शतक से प्रेरित होकर एलिस्टेयर कुक के नेतृत्व में इंग्लैंड ने मुंबई में भारत को 10 विकेट से हराया और फिर ईडन गार्डन्स में सात विकेट से जीत हासिल की। नागपुर में इंग्लैंड ने चौथा टेस्ट आसानी से ड्रॉ कराकर श्रृंखला 2-1 से जीत ली। जो रूट ने उस टेस्ट में पदार्पण किया था।

■ **भारत बनाम श्रीलंका, 2015 :** इस श्रृंखला से ही नए कप्तान विराट कोहली के नेतृत्व में अगले दशक के लिए टेस्ट क्रिकेट में भारत के दमदार प्रदर्शन की शुरुआत की। गॉल में श्रीलंका ने भारत को 63 रन से हरा दिया। लेकिन भारत ने कोलंबो में अगले दो मैचों (पी सारा ओवल और एसएससी) में कोहली के कभी हार न मानने वाले रवैये को अपनाया तथा 278 और 117 रन से जीत हासिल करके श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर दी।

■ **ऑस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीका, 2016-17 :** यह दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के तेज़ गेंदबाज़ों के बीच की जंग थी। दक्षिण अफ्रीका के पास कगिसो रबाडा और वर्नोन फ़िलैंडर थे, जबकि ऑस्ट्रेलिया के पास मिशेल स्टार्क और जोश हेज़लवुड जैसे गेंदबाज़ थे। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने इस मुकाबले में बाजी मारी क्योंकि उन्होंने पर्थ और होबार्ट में अपनी टीम को जीत दिलाई जबकि ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड में दिन-रात्रि टेस्ट मैच जीता था।

■ **भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका 2010-11 :** यह आखिरी टेस्ट श्रृंखला थी जिसमें सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण की मशहूर तिकड़ी ने अपना प्रभाव छोड़ा था। सेंचुरियन में पारी और 25 रन से मिली करारी हार के बाद भारत ने डरबन टेस्ट में जोरदार वापसी करते हुए 85 रन से जीत हासिल की, जहां लक्ष्मण ने डेल स्टेन और मोर्ने मोर्केल की आक्रामक जोड़ी के सामने 96 रन की पारी खेली थी। केपटाउन में अंतिम टेस्ट में भारत मैच बचाने में सफल रहा।

■ **न्यूजीलैंड बनाम पाकिस्तान 2017-18 :** जैसे ही न्यूज़ीलैंड ने अबू धाबी में कदम रखा, पाकिस्तान की अपने मजबूत स्पिन आक्रमण के कारण 3-0 से जीत की भविष्यवाणी की जाने लगी। लेकिन कीवी टीम ने पहला टेस्ट चार रन के मामूली अंतर से जीत लिया, जबकि पाकिस्तान ने दुबई में पारी और 16 रन से जीत हासिल की। लेकिन अबू धाबी में, कीवी टीम ने ऑफ स्पिनर विलियम सोमरविले के सात विकेटों की बदौलत 123 रन से जीत हासिल की और श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली।

■ **भारत बनाम इंग्लैंड 2021-22 :** यह श्रृंखला कोविड-19 महामारी के कारण खाली स्टेडियमों में खेली गई थी। नॉटिंघम में ड्रॉ के बाद लॉर्ड्स में भारत ने 151 रन से जीत हासिल की लेकिन इंग्लैंड ने लीड्स में पारी और 76 रन से जीत हासिल करके हिसाब बराबर कर दिया था। भारत ने ओवल में चौथा टेस्ट 157 रन से जीता था, लेकिन सितंबर 2021 में मेहमान टीम के सदस्यों के कोविड पॉजिटिव पाए जाने के कारण दौरे को स्थगित कर दिया गया था। उस समय भारत पांच मैचों की श्रृंखला में 2-1 से आगे चल रहा था, लेकिन इंग्लैंड ने जुलाई 2022 में बर्मिंघम में खेले गए पांचवें टेस्ट में 378 रन से जीत हासिल करके श्रृंखला को बराबर कर दिया था।

सितारों के मर्जी से मैच चुनने पर लगाम संभव

नई दिल्ली, एजेंसी

गौतम गंभीर हमेशा से भारतीय क्रिकेट में मेगा स्टार संस्कृति के खिलाफ रहे हैं, लेकिन इंग्लैंड दौरे पर मोहम्मद सिराज के लगातार अच्छे प्रदर्शन से भारत के मुख्य कोच को अब अपने हिसाब से टीम कल्चर बनाने का मौका मिल गया है। इंग्लैंड से श्रृंखला 2-2 से ड्रॉ कराने के बाद गंभीर और चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर टीम में जरूर ऐसा माहौल बनाना चाहेंगे जिसमें सभी को बराबर माना जाए। समझा जाता है कि चयन समिति, गंभीर और भारतीय क्रिकेट के आला अधिकारी कार्यभार प्रबंधन के नाम पर खिलाड़ियों के मर्जी से मैच और श्रृंखला खेलने के चलन पर रोक लगाने को लेकर एकमत हैं।

बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी ने कहा इस पर बात हुई है और केंद्रीय अनुबंध प्राप्त खिलाड़ियों को बता दिया गया है, खास तौर पर उनको जो सभी प्रारूपों में नियमित खेलते हैं कि भविष्य में अपनी मर्जी से मैच चुनने का कल्चर नहीं चलेगा। उन्होंने कहा इसके यह मायने नहीं हैं कि कार्यभार प्रबंधन पर ध्यान नहीं दिया जायेगा। तेज गेंदबाजों का कार्यभार प्रबंधन जरूरी है लेकिन इसकी आड़ में खिलाड़ी अहम मैचों से बाहर नहीं रह सकते। इंग्लैंड के खिलाफ मोहम्मद सिराज ने पांच टेस्ट में 185.3 ओवर डाले जिसके अलावा नेट्स पर गेंदबाजी और फील्डिंग अलग। उन्होंने फिटनेस के नये मानदंड कायम किए। सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और आकाश दीप के प्रदर्शन ने साबित कर दिया कि बड़े से बड़े सितारे भी खेल से बढ़कर नहीं हैं। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने भी कई दिक्कतों के बावजूद चौथे टेस्ट तक काफी लंबे स्पैल डाले। इससे यह सवाल उठना लाजमी है कि क्या कार्यभार प्रबंधन को अपनी सहूलियत के हिसाब से ढाल बनाया जाता है।

मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में जीत के बाद अपने स्टाफ सदस्यों के साथ जमकर जश्न मनाया। ● एजेंसी

● कार्यभार प्रबंधन के अधिकार पर गौर कर सकता है बीसीसीआई

उम्मीद है कि कार्यभार प्रबंधन शब्द गायब हो जाएगा : गावस्कर

■ **लंदन :** भारत के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने उम्मीद व्यक्त की कि मोहम्मद सिराज के इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद कार्यभार प्रबंधन जैसा शब्द भारतीय क्रिकेट के शब्दकोष से हमेशा के लिए गायब हो जाएगा। सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ सभी पांच टेस्ट खेले और कुल 185.3 ओवर फेंके, जिसमें उन्होंने 23 विकेट लिए। दूसरी तरफ मुख्य तेज गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह केवल तीन मैचों के लिए ही उपलब्ध रहे और अपने कार्यभार प्रबंधन के तहत ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट मैच में भी नहीं खेल पाए। गावस्कर ने स्पष्ट किया कि वह बुमराह की आलोचना नहीं कर रहे हैं क्योंकि यह किसी और चीज से ज्यादा चोट प्रबंधन का मामला था। उन्होंने कहा, आप 140 करोड़ लोगों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

खिलाड़ी आते-जाते रहेंगे पर टीम कल्चर में सुधार जरूरी : गंभीर

लंदन : भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ऐसी मजबूत टीम संस्कृति बनाने पर जोर दिया है जिसकी नींव कड़े परिश्रम और प्रदर्शन में सुधार पर टिकी हो और जो खिलाड़ियों को आकर्षित करे, खिलाड़ी भले ही आते-जाते रहें। बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए वीडियो में उन्होंने कहा जिस तरह से यह श्रृंखला खेली गई है, 2-2 एक बेहतरीन नतीजा है। सभी को बधाई।

उन्होंने कहा हमें बेहतर होते रहना है। हम विभिन्न पहलुओं में अपने खेल में सुधार करेंगे क्योंकि ऐसा करके ही लंबे समय तक क्रिकेट में दबदबा बना सकेंगे। लोग आते जाते रहेंगे लेकिन ड्रेसिंग रूम का कल्चर ऐसा होना चाहिए कि लोग उसका हिस्सा बनना चाहें। हम यही बनाना चाहते हैं। न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया से टेस्ट श्रृंखलाओं में मिली हार के बाद भारतीय टीम बदलाव के दौर से गुजर रही थी और युवा शुभमन गिल ने इंग्लैंड में कमान संभाली थी। उन्होंने कहा शुभकानायें। पूरा मजा लो। कुछ दिन का ब्रेक ले सकते हो क्योंकि आप इसके हकदार हो।

पूरी सीरीज में अपनी बारी का इंतजार करते रहे स्पिनर कुलदीप यादव। ● एजेंसी

जस्सी भाई की कमी खली, वह होते तो खास होता : सिराज

लंदन, एजेंसी

यह जगजाहिर है कि मोहम्मद सिराज के लिए जसप्रीत बुमराह प्रेरणा स्रोत रहे हैं और हैदराबाद के इस गेंदबाज ने स्वीकार किया कि यहां इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में भारत की जीत के बाद उन्हें अपने गौरवशाली क्षणों में अपने सीनियर साथी तेज गेंदबाज की कमी खल रही थी।

सिराज ने ओवल में पांचवें टेस्ट की दूसरी पारी में पांच विकेट लिए, जिससे भारत ने सोमवार को रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को छह रन से हराकर श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली। सिराज ने मैच में नौ विकेट लेकर न केवल 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता, बल्कि अपने प्रशंसकों से भी खूब प्रशंसा बटोरी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में भावुक सिराज ने कहा हर बल्लेबाज, हर गेंदबाज

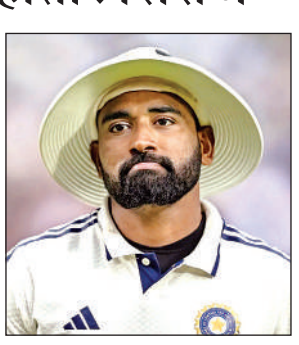

(जिसने टेस्ट खेला), उसे मैं सलाम करता हूं। जिस तरह से हमने वापसी की वह शानदार थी। मुझे जस्सी (बुमराह) भाई की याद आती है क्योंकि अगर वह वहां होते तो यह खास होता। मुझे जस्सी भाई और खुद पर विश्वास है। बुमराह ने अपने कार्यभार प्रबंधन के कारण पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे। उन्हें चौथे टेस्ट मैच के बाद टीम से रिलीज कर दिया गया था। रविवार को हैरी ब्रुक का कैच छोड़ने के बाद सिराज आखिरी दिन पूरी तरह से प्रतिबद्ध नज़र आए।

बेन स्टोक्स टीम में होते तो इंग्लैंड जीत जाता : वॉन

लंदन : पूर्व कप्तान माइकल वॉन का मानना है कि प्रेरणादायी कप्तान बेन स्टोक्स की अनुपस्थिति में भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच के अंतिम दिन इंग्लैंड की टीम ने हड़बड़ी दिखाई, जबकि उसे जीत के लिए केवल 35 रन चाहिए थे।

वॉन ने कहा बेन स्टोक्स टीम में होते, तो इंग्लैंड यह टेस्ट मैच जीत जाता। वह इस टीम में बहुत बड़ी भूमिका निभाते हैं। वह टीम को मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखते हैं। वॉन ने बीबीसी के टेस्ट मैच स्पेशल में कहा उन्हें बस एक साझेदारी की ज़रूरत थी। हैरी ब्रुक के आउट होने से पारी का पतन शुरू हुआ, लेकिन इंग्लैंड का यही खेलने का तरीका है। स्टोक्स कंधे की चोट के कारण पांचवें टेस्ट में नहीं खेल पाए, जबकि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और ब्रायडन कार्स को आराम दिया गया। फिलहाल ये ऑस्ट्रेलिया में होने वाली सीरीज के लिए अच्छी तैयारी है।

वनडे क्रिकेट | इंग्लैंड में युवा भारतीय ब्रिगेड के धमाकेदार प्रदर्शन से सीनियर खिलाड़ियों की चुनौती बढ़ गई

कोहली और रोहित की राह हुई मुश्किल

बेंगलुरु, एजेंसी

भारत का बेहद कड़े मुकाबले वाली एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में इंग्लैंड को 2-2 से बराबरी पर रोकना टीम में शामिल नए क्रिकेटरों के आत्मविश्वास और देश तथा टीम के लिए अपना सब कुछ झोंकने की निडरता का जश्न था। मोहम्मद सिराज ने लगभग 200 ओवर गेंदबाजी की और अपने थके हुए शरीर को पांच टेस्ट मैच के दौरान अच्छी तरह संभाला।

वाशिंगटन सुंदर कभी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हटे। यशस्वी ने जरूरत पड़ने पर योगदान दिया, आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा प्रभावी नजर आए और साई सुदर्शन ने अपनी दीर्घकालिक उपयोगिता की झलक दिखाई। लेकिन इस शानदार प्रयास का एक और आयाम भी है।

इससे सवाल उठता है कि टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने

विराट कोहली व रोहित शर्मा। एजेंसी

वाले विराट कोहली और रोहित शर्मा तथा चोटों से जूझने वाले जसप्रीत बुमराह जैसे सीनियर खिलाड़ियों का क्या होगा। कोहली 36 और रोहित 38 साल के हैं और ये दोनों संभवतः ऑस्ट्रेलिया में तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला और उसके बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला में खेलेंगे।

इसके बाद इन दोनों को जनवरी-जुलाई 2026 के बीच न्यूजीलैंड (स्वदेश) और इंग्लैंड (विदेश में) के खिलाफ छह एकदिवसीय मैचों में खेलने का मौका मिलेगा। लेकिन क्या ये मुकाबले 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले 50 ओवरों के विश्व कप की उनकी तैयारी के लिए हैं? क्या यह दिग्गज जोड़ी सिर्फ एक प्रारूप और आईपीएल के दम पर इतने लंबे समय तक खेलना चाहेगी? एक सूत्र ने बताया हां, इस पर जल्द ही चर्चा होगी। अगले विश्व कप (नवंबर 2027) के लिए हमारे पास अभी भी दो साल से अधिक का समय है।

कोहली और रोहित दोनों तब तक 40 के करीब हो जाएंगे इसलिए इस बड़ी प्रतियोगिता के लिए एक स्पष्ट योजना होनी चाहिए क्योंकि हमने पिछला खिताब 2011 में जीता था। हमें समय रहते कुछ युवाओं को भी आजमाने की जरूरत है। कोहली और रोहित ने 2024 में विश्व कप जीत के साथ टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा पर दोनों का टेस्ट संन्यास काफी शांत रहा।

घरेलू मैच खेलना है जरूरी

■ बीसीसीआई के मौजूदा नियमों के अनुसार कोई भी खिलाड़ी पूरी तरह से फिट होने पर घरेलू मैच नहीं छोड़ सकता है और घरेलू मुकाबले में नहीं खेलने पर उसे राष्ट्रीय टीम से बाहर किया जा सकता है। कोहली और रोहित के लिए मैच के समय की कमी है क्योंकि ये दोनों इस साल मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से किसी भी अंतरराष्ट्रीय मैच में नहीं खेले हैं और नवंबर में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 और उसके बाद दिसंबर में विजय हजारे ट्रॉफी से पहले सीमित ओवरों के क्रिकेट की कोई घरेलू प्रतियोगिता भी नहीं है। हालांकि कोहली और रोहित को उनके कद को देखते हुए घरेलू प्रतियोगिताओं में खेलने से छूट मिल सकती है।